RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 9 अंक 176
नई दिल्ली, मंगलवार, 4 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

प्रियंका चोपड़ा ने सोनू सूद का किया समर्थन

विविध-12

चुनाव नतीजों के बाद बंगाल में भारी हिंसा

भाजपा का आरोप-पार्टी कार्यालयों, कार्यकर्ताओं पर हुए हमले, गृह मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता, नई दिल्ली

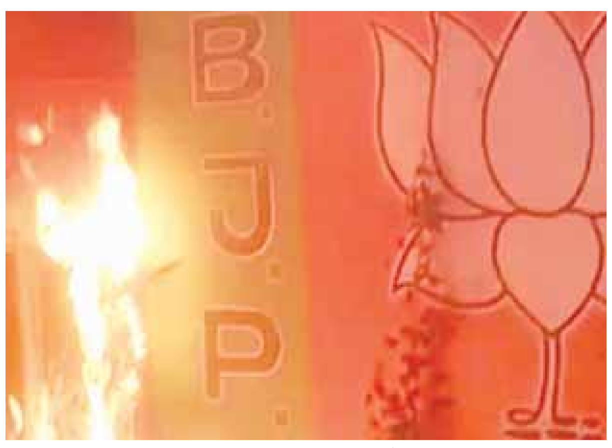

मतगणना के बाद पश्चिम बंगाल के आरमबाग में भाजपा कार्यालय में लगा दी गयी आग

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के एक दिन बाद सोमवार को व्यापक पैमाने पर हिंसा देखने को मिली जिसमें कथित तौर पर झड़प और दुकानों को लूटे जाने के दौरान कई भाजपा कार्यकर्ताओं की मौत हो गई तो कई घायल हो गए। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमले की घटना में तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। भाजपा महासचिव व पश्चिम बंगाल के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय ने ट्वीट कर कहा, ममता जी की जीत के बाद उनके कार्यकर्ता जश्न मना रहे है और भाजपा कार्यकर्ताओं के घर तोड़ रहे है। अब तक 9 से ज्यादा भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या हो चुकी है। भाजपा ने एक पार्टी कार्यालय में आगजनी का वीडियो साझा किया है जिसमें बांस की बल्लियां और छत जलती हुई नजर आ रही हैं और परेशान लोगों को चिल्लाते हुए भागते देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर मृत व्यक्तियों की तस्वीरें और एक दुकान से कपड़े लूट कर भागते लोगों की फुटेज वायरल हो रही है। भाजपा का दावा है कि उसके कम से कम छह कार्यकर्ता और समर्थक हमलों में मारे गए हैं जिनमें एक महिला भी शामिल है। भाजपा इसका आरोप तृणमूल पर लगा रही है। भाजपा ने पत्रकारों के साथ एक वीडियो साझा किया जिसमें नंदीग्राम में पार्टी दफ्तर में हुई तोड़फोड़ को दिखाया गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस सीट पर भाजपा के शुभेंदु अधिकारी से चुनाव हार गई थीं।

राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने प्रदेश के गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और कोलकाता के पुलिस आयुक्त को तलब कर उन्हें शांति बहाल करने के निर्देश दिए। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के एक दिन बाद हुई इन घटनाओं के बाद की स्थिति पर अफसरों से चर्चा की। धनखड़ ने गृह सचिव एक के द्विवेदी से मुलाकात के बाद ट्वीट किया, राज्य में चुनाव बाद हिंसा की बढ़ती घटनाओं के बाद मैने एसीएस गृह को तलब किया था और उन्हें चुनाव बाद हुई राज्य में हुई हिंसा व तोड़फोड़ तथा उठाए गए कदमों पर रिपोर्ट देने को कहा गया है। उन्होंने अलग से राज्य के पुलिस महानिदेशक पी नीरजनयन और पुलिस आयुक्त सोमेन मित्र से मुलाकात की और उन्हें कानून-व्यवस्था बहाल करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल के डीजीपी और कोलकाता के पुलिस आयुक्त को चुनाव बाद आगजनी, लूटपाट और हिंसा में लोगों की जान जाने के बढ़ते मामलों पर तलब किया था। उनसे कानून-व्यवस्था बहाल करने केलिए सभी कदम उठाने को कहा गया है। एक प्रवक्ता ने कहा, गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल सरकार से राज्य में विपक्षी राजनीतिक कार्यकर्ताओं की निशाना बनाकर की जा रही हिंसा पर एक रिपोर्ट मांगी है। इस बीच ममता बनर्जी ने समर्थकों से शांति बरकरार रखने और उकसावे (शेष पेज 9)

कल मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगी ममता बनर्जी

● कहा, विपक्ष के साथ मिलकर लड़ सकते हैं 2024 की लड़ाई

कोलकाता। ममता बनर्जी पांच मई को तीसरी बार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगी। पार्टी महासचिव पार्थ चटर्जी ने कहा कि नव-निर्वाचित विधायकों ने यहां हुई बैठक में बनर्जी को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया। तृणमूल विधायकों ने मौजूदा विधानसभा के अध्यक्ष विमान बनर्जी को नई विधानसभा का कार्यवाहक अध्यक्ष चुना है। चटर्जी ने विधायकों की बैठक के बाद कहा, नव-निर्वाचित सदस्य छह मई को विधानसभा में शपथ लेंगे। ममता बनर्जी ने देश के विपक्षी दलों का परोक्ष रूप से आह्वान किया कि अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ साथ मिलकर लड़ाई लड़ी जा सकती है। ममता ने कहा कि इस जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से बधाई देने संबंधी कोई फोन उनके पास नहीं आया, जबकि अब तक यह परंपरा रही है कि प्रधानमंत्री फोन करते हैं। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी भूमिका के बारे में पूछे जाने पर कहा, मैं सड़क पर लड़ाई लड़ने वाली योद्धा हूं। मैं लोगों का हौसला बुलंद कर सकती हूं कि ताकि हम भाजपा के खिलाफ मजबूत लड़ाई लड़ें।

कर्नाटक के चामराजनगर जिला अस्पताल में 24 मरीजों की मौत

● परिजनों ने ऑक्सीन की कमी का लगाया आरोप

पायनियर समाचार सेवा। बेंगलुरु

चामराजनगर में कोरोना रोगी के शव को ले जाते चिकित्साकर्मी

कर्नाटक के चामराजनगर में कथित तौर पर ऑक्सीजन की कमी के चलते पिछले 24 घंटे में 24 मरीजों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में कोविड-19 के 23 मरीज शामिल हैं। सरकार ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और जांच अधिकारी के तौर पर आईएएस अधिकारी शिवयोगी कलसाड को नियुक्त किया है। कांग्रेस ने घटना पर तीखी प्रतिक्रिया जताई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, सिस्टम के जागने से पहले लोगों को और कितनी पीड़ा सहनी पड़ेगी? चामराजनगर जिला अस्पताल में मातम पसरा हुआ है जहां खबर सुनने के बाद मृतकों के परिजन रोते-बिलखते नजर आए। मृतकों के परिवारों ने अस्पताल में प्रदर्शन भी किया और आरोप लगाया कि यहां ऑक्सीजन की कमी थी। उन्होंने वहां नारेबाजी की। चामराजनगर जिला प्रभारी मंत्री एस सुरेश कुमार ने कहा कि उन्होंने घटना में जिला प्रशासन से मौत की ऑडिट रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है। वह इस बात पर कायम रहे कि सभी मौतें ऑक्सीजन की कमी की वजह से नहीं हुई हैं। कुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, यह कहना सही नहीं होगा कि सभी 24 मौत ऑक्सीजन की कमी की वजह से हुई हैं। ये मौतें रविवार सुबह से आज सुबह तक हुई हैं। ऑक्सीजन की कमी रविवार देर रात 12:30 बजे से 2:30 के बीच हुई थी। मुख्यमंत्री बीएस एदियुरप्पा ने भी जिला उपायुक्त से घटना के बारे में सूचना प्राप्त की है। सुरेश कुमार ने कहा कि मौत की ऑडिट रिपोर्ट से पता चलेगा कि ए मरीज किस बीमारी से ग्रस्त थे, उन्हें कोई और गंभीर बीमारियां थी और उन्हें किस स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने कहा, जितने भी लोगों की मौत हुई है जरूरी नहीं कि सभी की मौत ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई हो। उन्होंने कहा कि 6,000 लीटर तरल चिकित्सीय ऑक्सीजन थी लेकिन ऑक्सीजन सिलेंडरों की जरूरत थी। कुमार ने कहा, ए सिलेंडर मैसुरु से आने वाले थे लेकिन कुछ समस्या हो गई। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह स्थिति राज्य के मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के निजी सचिव और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रताप रेड्डी को भी समझाई जो राज्य में ऑक्सीजन आपूर्ति के प्रभारी हैं। कुमार ने कहा, मैंने अधिकारियों को चामराजनगर जिले में ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए स्थाई समाधान खोजने को भी कहा है। मैसुरू में जरूर ही समस्या है लेकिन मैसुरु से चामराजनगर और मांड्या में ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। मरीजों की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए, मंत्री ने कहा कि वह स्थिति का जायजा लेने के लिए चामराजनगर जाएंगे। मुख्यमंत्री बी. एस. एदियुरप्पा ने घटना के दोषी पाए गए लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी और घटना पर दुख व्यक्त किया।

हाईकोर्ट ने केंद्र से मांगी आयातित ऑक्सीजन कंसंट्रेटर पर स्टेटस रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को आश्वस्त कया कि दिल्ली में ऑक्सीजन आपूर्ति की कमी को आधी रात से पहले दूर करने के उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता के साथ सम्मान करेगा। केंद्र का जवाब अदालत के सवाल के बाद आया। अदालत ने पूछा था, उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के मुताबिक ऑक्सीजन का क्या हुआ? न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति रेखा पल्ली की पीठ को केंद्र द्वारा बताया गया कि छह अतिरिक्त कंटेनर दिल्ली आ रहे हैं जिनमें से प्रत्एक में 20 मीट्रिक टन चिकित्सीय ऑक्सीजन है। अतिरिक्त सॉलीसीटर जनरल चेतन शर्मा ने पीठ को बताया कि इसके अलावा चिकित्सीय ऑक्सीजन लेकर आ रही एक ट्रेन तथा कुछ और कंटेनर आज रात दिल्ली पहुंच रहे हैं। पीठ ने केंद्र से भी कहा था कि वह बताए कि ऑक्सीजन सांद्रकों के आयात की क्या स्थिति है जो सीमाशुल्क की मंजूरी न मिलने की वजह से लंबित है। पीठ ने कहा, लोगों की जान इस वजह से नहीं जानी चाहिए कि संसाधन थे लेकिन मंजूरी न होने की वजह से अटके हुए थे। इसे छोड़ा जाना चाहिए जिससे उनका इस्तेमाल हो सके। दिल्ली सरकार जहां मौजूदा जरूरतों के मुताबिक 700 मीट्रिक टन चिकित्सीय ऑक्सीजन की मांग कर रही है, केंद्र ने उसे 490 मीट्रिक टन का आवंटन किया था और शनिवार को इसे बढ़ाकर 590 मीट्रिक टन किया।

भारतीय वायुसेना जर्मनी से 4 क्रायोजेनिक ऑक्सीजन कंटेनर लेकर आई

नई दिल्ली (पीएनएस)। भारतीय वायुसेना का एक मालवाहक विमान सोमवार को जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से चार खाली क्रायोजेनिक ऑक्सीजन कंटेनर लेकर आया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया कि सी-17 विमान राष्ट्रीय राजधानी के निकट हिंडन वायुसैनिक अड्डे पर उतरा। भारतीय वायुसेना के बयान के मुताबिक, विमान ने चार खाली क्रायोजेनिक ऑक्सीजन कंटेनर लेकर फ्रैंकफर्ट के हान हवाईअड्डे से तीन मई को हिंडन पर उतरने के लिए उड़ान भरी थी। भारत कोरोनावायरस संक्रमण की दूसरी लहर से जूझ रहा है और कई राज्यों में अस्पताल दवाओं, ऑक्सीजन और बिस्तरों की भीषण कमी का सामना कर रहे हैं।

नीट पीजी परीक्षा चार माह के लिए स्थगित

● प्रधानमंत्री ने महामारी प्रबंधन कार्यों के लिए चिकित्साकर्मियों की उपलब्धता बढ़ाने संबंधी फैसलों को अंतिम रूप दिया, चिकित्सा प्रशिक्षुओं की होगी तैनाती

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कोविड-19 से निपटने के लिए मानव संसाधन की जरूरतों के मद्देनजर की गई समीक्षा के बाद सोमवार को एनईईटी-स्नातकोत्तर की परीक्षा को अगले चार महीने तक स्थगित करने के साथ ही चिकित्सा प्रशिक्षुओं को महामारी प्रबंधन कार्यों के लिए तैनात करने का फैसला लिया गया। ऐसे सभी कर्मियों को 100 दिनों का अनुभव पूरा करने के बाद आगे की सरकारी नियुक्तियों में प्राथमिकता दी जाएगी और साथ ही उन्हें प्रधानमंत्री के उत्कृष्ट कोविड राष्ट्रीय सेवा सम्मान से भी नवाजा जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने कोविड-19 से निपटने के लिए चिकित्साकर्मियों की उपलब्धता बढ़ाने संबंधी अहम फैसलों को आज अंतिम रूप दिया। पीएमओ ने बयान में कहा कि एमबीबीएस अंतिम वर्ष के छात्रों का कोविड-19 के हल्के लक्षण वाले मरीजों की निगरानी और टेली-मेडिसीन में उपयोग किया जा सकता है जबकि चिकित्सा प्रशिक्षु अपने संकाय के अधीन ऐसे मामलों में उपचार कर सकेंगे। बयान में कहा गया कि इससे कोविड-19 मरीजों के इलाज में जुटे मौजूदा चिकित्सकों का बोझ कम होगा। बयान के मुताबिक बीएससी नर्सिंग या जीएनएम पास नर्सों को वरिष्ठ चिकित्सकों और नर्सों की निगरानी में कोविड-19 मरीजों की सेवा में पूर्णकालिक उपयोग किया जा सकता है। पीएमओ के बयान में कहा गया कि कोविड प्रबंधन में काम करने वालों को 100 दिनों का अनुभव होने के बाद आगे सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता दी (शेष पेज 9)

हल्के लक्षण वाले मरीज सीटी स्कैन से बचें कैंसर का खतरा

नई दिल्ली (पीएनएस)। कोरोना के हल्के लक्षण दिखने पर भी सीटी स्कैन करा रहे लोगों को केंद्र सरकार ने चेतावनी दी है। सरकार ने कहा कि बिना जरूरत सीटी स्कैन कराने से उम्र में आगे चलकर व्यक्ति को कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। ऑल इंडिया आर्युविज्ञान संस्थान (एम्स) के डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया ने सोमवार को कोरोना के हल्के लक्षण वाले मरीजों को सीटी स्कैन और बायोमार्कर्स के दुरुपयोग को लेकर साफकहा कि सीटी स्कैन के अधिक इस्तेमाल से कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। एक सीटी स्कैन को 300-400 एक्सरे के बराबर बताते हुए उन्होंने कहा कि बिना डॉक्टर की सलाह के सीटी स्कैन बिल्कुल न कराएं। डॉ. गुलेरिया (शेष पेज 9)

उद्योग व कारोबारी संगठनों की राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की मांग

राजेश कुमार। नई दिल्ली

● कोरोना की चेन तोड़ने के लिए सुप्रीम कोर्ट के बाद प्रमुख उद्योग जगत खुद आया तालाबंदी के पक्ष में

कोविड-19 के संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा लॉकडाउन पर विचार करने की सुप्रीम कोर्ट की सलाह के एक दिन बाद मुल्क भर के प्रमुख उद्योगपतियों और व्यापारिक निकायों ने राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लगाने की मांग की है। प्रमुख उद्योगपति और कंफेडरेशन ऑफइंडियन इंडस्ट्रीज (सीआईआई) के अध्यक्ष उदय कोटक ने भारत में कोविड-19 की घातक दूसरी लहर को देखते हुए आर्थिक गतिविधियों में कटौती कर इस संकट को कम करने का आह्वान किया। उदय कोटक ने अपने ट्वीट में कहा कि इस कठिन मोड़ पर जब जीवन दांव पर लगा हो, सीआईआई कठोर कदम उठाने के पक्ष में है, जिसमें आर्थिक गतिविधियों में कटौती भी सम्मिलित है, ताकि लोगों की दिक्कत कम से कम हो। कोटक ने कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए उच्च स्तरीय सुरक्षा उपायों पर चर्चा करते हुए कहा कि हमें वर्तमान संक्रमण की चेन को तोड़ना होगा। स्वास्थ्य आधारभूत संरचना और आपूर्ति बढ़ाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें आपातलकालीन आधार पर प्रयास कर रहे हैं, लेकिन इसमें समय लगेगा। इससे पहले कई विशेशज्ञों और अर्थशास्त्रियों ने भी सरकार को पूर्ण लॉकडाउन की सलाह दी है। अमेरिका के महामारी विषेशज्ञ एंथोनी फोसी से लेकर एम्स डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया पूर्ण लॉकडाउन की सलाह दे रहे हैं। कंनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के एक ऑनलाइन सर्वे में 67.5 फीसदी लोग मुल्क में संपूर्ण लॉकडाउन के पक्ष में दिखे। वहीं 78.2 फीसदी लोगों ने माना कि कोरोना बेकाबू हो गया है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष और महासचिव प्रवीण (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	48,729	↓ 64
निफ्टी	14,634	↑ 3
सोना	46,580	↑ 310 /10g
चांदी	67,429	↑ 580 /kg

क्विक न्यूज

केंद्रीय मंत्री थावरचंद गहलोत की बेटी का कोरोना से निधन

इंदौर। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थावरचंद गहलोत की 42 वर्षीय बेटी का कोरोना वायरस संक्रमण के इलाज के दौरान सोमवार को यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। मेदांता हॉस्पिटल के चिकित्सा निदेशक संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि गहलोत की बेटी योगिता सोलंकी (42) का उनके अस्पताल में हफ्ते भर से इलाज चल रहा था और मरीज के 80 प्रतिशत फेफड़ों में संक्रमण फैल गया था। उन्होंने बताया, कोरोना वायरस से संक्रमित योगिता को टोसिलिजुमैब इंजेक्शन और अन्य जीवनरक्षक दवाएं भी दी गई थी लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद उनकी जान नही बचाई जा सकी। केंद्रीय मंत्री की बेटी के निधन पर मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत कई ने शोक जताया है।

कोरोना के दुख के बीच तमिलनाडु को मिला खिलखिलाने का मौका

स्टालिन के मुख्यमंत्री बनने की उम्मीद के साथ ही छोड़े पटाखे, बंटी मिठाइयां और चल रहे गीत-संगीत के कार्यक्रम

कुमार चेलप्पन। चेन्नई

तमिलनाडु में द्रमुक की जीत के बाद पार्टी संस्थापक एम करुणानिधि के चेहरे जैसी इडली बनाकर लाए कार्यकर्ता

कोविड-19 के कारण तमिलनाडु में कई महीने से दुख भरे माहौल के बीच विधानसभा चुनाव में डीएमके की प्रचंड जीत ने कार्यकर्ताओं को जष्न का मौका दे दिया है। एमके स्टालिन के अगले मुख्यमंत्री बनने की खुशी में पूरे राज्य में रविवार शाम से ही संगीत, नृत्य और पटाखे फोड़ने का सिलसिला चल रहा है। विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद रविवार देर शाम डीएमके मुख्यालय और स्टालिन के निजी बंगले पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध कर दिए गए। पूरे मार्ग को राज्य पुलिस बल के जवानों ने अपने कब्जे में ले लिया। चुनाव नतीजों के बाद स्टालिन के घर सबसे पहले सरकारी नंबर प्लेट वाली कार लिमोजींस सबसे पहले पहुंची। इसके बाद से उनके आवास पर बधाई देने आने वालों का तांता लगा है। राज्य भर से डीएमके कार्यकर्ता पार्टी मुख्यालय की ओर चले आ रहे हैं। हर तरफसंगीत और नृत्य के कार्यक्रम चल रहे हैं। कार्यकर्ताओं की जेबों पर स्टालिन की तस्वीर वाले स्टीकर लगे हैं। वे पटाखे छोड़ रहे हैं और मिठाइयां बांट रहे हैं। तमिलनाडु के इडली किंग के नाम से मशहूर इनियावन भावी मुख्यमंत्री स्टालिन के प्रति अपना सम्मान प्रकट करने के लिए पार्टी कार्यालय आए। उनकी आमद ने ढेरों उपहारों के साथ आए कार्यकर्ताओं के लिए यह दिन यादगार बना दिया। इनियावन ने विशेष रूप से बनाई गई इडली, जिसे कालाग्निर इडली कहा जाता है, स्टालिन को उपहार में दी। पूर्व मुख्यमंत्री और स्टालिन के पिता एम करुणानिधि के चेहरे जैसी बनी इडली को पकाने में इनियावन के साथ चार अन्य कारिगरों को दस घंटे लगे। प्रसन्नता के इस माहौल में राजनीतिक दलों के नेताओं का मिलने आने का सिलसिला भी जारी रहा। इनमें वैको, थिरुमावलवन और कम्युनिस्ट पार्टी के मुखिया शामिल रहे।

उच्च न्यायालयों का मनोबल नहीं गिरा सकते न मीडिया को रोक सकते हैं : सुप्रीम कोर्ट

● कहा, मीडिया को लेकर निर्वाचन आयोग की याचिका अस्वाभाविक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

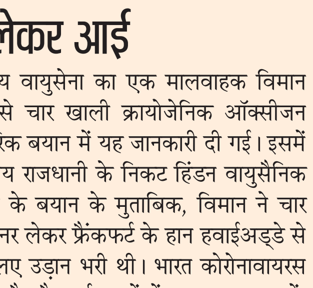

उच्चतम न्यायालय ने अदालती कार्यवाहियों में की गई टिप्पणियों की रिपोर्टिंग से मीडिया को रोकने के अनुरोध वाली निर्वाचन आयोग की याचिका को अत्यंत अस्वाभाविक करार दिया और उच्च न्यायालय के समर्थन में कहा कि वे लोकतंत्र के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, इसलिए वह उच्च न्यायालयों उनका मनोबल नहीं गिराना चाहता। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने निर्वाचन आयोग को आश्वस्त किया कि उच्च न्यायालय की टिप्पणी आयोग को कमतर दिखाने के लिए नहीं की गई थी और वह अपने आदेश में कहा कि दो संवैधानिक निकायों - उच्च न्यायालय और निर्वाचन आयोग के अधिकारों को संतुलित रखने का प्रयास करेगी। शीर्ष अदालत ने कोविड-19 के मामले बढ़ने के लिए निर्वाचन आयोग के अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराने और उनपर हत्या के आरोपों में मुकदमा चलाने जैसी मद्रास उच्च न्यायालय की टिप्पणियों के खिलाफ दायर निर्वाचन आयोग की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। पीठ ने कहा कि वह शीघ्र अपना आदेश सुनाएगी। पीठ ने वीडियो कॉन्फ्रेंस से की गई सुनवाई में कहा, मीडिया को जवाबदेही तय करने (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 4 मई 2021

नोएडा में तीन दिन में 4500 लोग संक्रमित

जनपद में सोमवार को 1446 और मिले नए मरीज, 13 लोगों की गई जान

● **पिछले 24 घंटे में 1712 लोग भी हुए ठीक**

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

तमाम प्रयासों के बावजूद गौतमबुद्धनगर में कोरोना संक्रमण का कहर जारी है। अब तक इसे रोकने में कोई खास सफलता नहीं मिली है। सोमवार शाम को जारी रिपोर्ट के मुताबिक जनपद में 1446 मरीजों की पुष्टि हुई है। साथ ही 13 लोगों की बीमारी की वजह से जान गई है। हालांकि ठीक होने वालों की संख्या नए मरीजों की संख्या से ज्यादा है।

विगत 24 घंटे में 1712 लोग कोरोना से ठीक होकर अस्पतालों से डिस्चार्ज हुए हैं। गौतमबुद्धनगर के जिला निगरानी अधिकारी डॉक्टर सुनील दोहरे ने बताया कि इस वक्त जिले में कुल 7982 सक्रिय मरीजों का विभिन्न अस्पतालों और क्वारंटीन सेंटर में इलाज चल रहा है। कोरोना की वजह से आज 13 लोगों की जान गई है। इसके साथ ही गौतमबुधनगर में कुल मृतकों की संख्या 250 हो गई है। पिछले 24 घंटे में 1712 लोग बीमारी से ठीक होकर अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुके हैं। अब तक जनपद में 37560 लोग कोरोना महामारी को मात दे चुके हैं और अब घर पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

अधिकारी ने बताया कि पिछले 1 महीने में जनपद में कोरोना वायरस संक्रमण बहुत तेजी से फैला है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इसे नियंत्रित करने की कोशिश में जुटा है। इसके लिए नाइट कर्फ्यू, वीकेंड कर्फ्यू और लॉकडाउन का सहारा लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ज्यादा से ज्यादा लोगों का टेस्ट किया जा रहा है ताकि सभी का इलाज किया जा सके। इसके अलावा टीकाकरण अभियान पर भी बल दिया जा रहा है।

जिले के लिए मई का महीना भी जानलेवा साबित हो रहा है। इस महीने के महज 3 दिनों में ही 4487 लोग कोरोना वायरस की चपेट में आ चुके हैं। अगर इसका औसत निकाला जाए तो करीब 1500 निवासी रोजाना कोरोना वायरस से संक्रमित हो रहे हैं। पिछले 3 दिनों में मौतों का आंकड़ा भी 12 और 13 के बीच में घूम रहा है। सिर्फ 3 दिनों में 30 लोगों से ज्यादा की मौत हो चुकी है। औसतन 12 मरीज रोज महामारी की वजह से दम तोड़ रहे हैं।

निगम टीम ने कोविड अस्पतालों का किया औचक निरीक्षण

गाजियाबाद। नगर स्वास्थ्य अधिकारी और उनकी टीम ने सोमवार को शहर के कोविड अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पतालों में अनेक प्रकार की अनियमितताएं पाई गई। जिसके चलते अस्पताल प्रबंधकों को न केवल फटकार लगाई गई बल्कि उनके खिलाफ जुर्माना लगाने के साथ-साथ कारण बताओ नोटिस भी जारी किए गए।

अस्पतालों के निरीक्षण के दौरान वहां कुल बेड की संख्या, उपलब्ध ऑक्सीजन बेड, आईसीयू बेड की संख्या ,मरीजों की संख्या ,उपयोग में लाई जाने वाली ऑक्सीजन सिलेंडर की संख्या व अन्य मेडिकल सुविधा हेतु निरीक्षण कर अस्पताल के प्रबंधकों से क्रॉस प्रश्नावली की गई। खास बात यह है कि इस दौरान लिक्रिस्टा अस्पताल के गेट पर फुल बेड का बोर्ड लगा हुआ पाया गया।

नोएडा छोड़ने को मजबूर हुए प्रवासी मजदूर

रोजी-रोटी का छाया संकट, गांव जाते हुए सुनाई आपबीती

कोरोना का कहर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लॉकडाउन बढ़ाने की घोषणा कर दी है। जिसके बाद अब प्रवासी मजदूर अपने गांवों के लिए पलायन करने लगे हैं। योगी आदित्यनाथ के फैसले के बाद उत्तर प्रदेश की आर्थिक शहर गौतमबुद्धनगर से सोमवार को प्रवासी मजदूर घर जाते दिखाई दिए है। दिहाड़ी मजदूरों ने पलायन करना शुरू कर दिया है, जिले की सड़कों पर पूरी तरह सन्नाटा पसरा है। मजदूर लॉकडाउन बढ़ने के कारण पलायन करने को मजबूर हो गए हैं।

मुख्यमंत्री ने अपनी टीम के साथ बैठक करते हुए फैसला लिया है कि अब उत्तर प्रदेश में गुरूवार की सुबह 7 बजे तक लॉकडाउन लागू रहेगा। योगी आदित्यनाथ के इस फैसले के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा में रहने वाले मजदूरों के लिए घर वापस जाना मजबूरी बन गया है। भारी संख्या में दिहाड़ी मजदूर पलायन कर के अपने गांवों की ओर जा रहे है। शहर की सड़कें पूरी तरह खाली पड़ी है।

सोमवार को नोएडा के छलेरा गांव में रहने वाले करीब दो दर्जन से ज्यादा मजदूर अपने घर के लिए पलायन करते हुए दिखाई दिए है। एक मजदूर ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ काफी समय से नोएडा में रह रहे हैं। उनकी जवानी नोएडा में ही कटी है। वह दादरी मंडी में काम करते हैं, जिससे वो अपने परिवार का पालन पोषण करते है। लेकिन कोरोना काल के दौरान सरकार ने लॉकडाउन लगा दिया है। जिसकी वजह से वह नोएडा में रहते हुए रोजी रोटी नहीं कमा पा रहे है। इसलिए अब वह अपने परिवार के साथ वापस अपने गांव मध्यप्रदेश जा रहे है। नोएडा के सेक्टर-37 में स्थित प्रवासी मजदूर अपने घर के लिए रवाना होते दिखाई दिए। जब उनसे पूछा कि यह कहां जा रहे हैं तो मजदूरों ने बताया कि वह वापस अपने घर जा रहे हैं। उनका अब नोएडा में रहने का कोई फायदा नहीं है। एक मजदूर ने बताया कि वह करीब 5 सालों ने नोएडा के बाजारों में ठेली लगाकर अपने परिवार का जीवन यापन कर रहे थे। लेकिन अब नोएडा में उनकी रोटी रोटी नहीं चल सकती है। हालत लगातार खराब होती जा रही है। सारे रूपए खत्म होते जा रहे है। ऐसे समय में उनके पास वापस घर जाने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है।

कारोबारी ने वीडियो अपलोड की और लटक गया फांसी पर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● **मृतक के पिता ने दर्ज कराई शिकायत**

थाना सिहानी गेट इलाके में सोमवार को शीशा कारोबारी ने एक पहले वीडियो बनाकर फेसबुक पर अपलोड की और उसके बाद फांसी पर लटक गया। मौके पर उसकी मौत हो गयी। फेसबुक पर अपलोड की गई वीडियो में कारोबारी ने पूर्व प्रेमिका के चाचा और पिता को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया है।

उसने आरोप लगाया है कि प्रेमिका को मैसेज कर खैरियत पूछने पर उसके पिता और चाचा ने फोन करके जान से मारने और केस दर्ज करवाने की धमकी दी। जिसके कारण वह अपनी जीवन लीला समाप्त कर रहा है। मामले की तहरीर मृतक के पिता ने थाना सिहानी गेट में दी है और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है।

थाना सिहानी गेट इलाके के ग्राम बौंझा में रहने वाले 26 वर्षीय शीशा कारोबारी अंकित कश्यप नाम के एक युवक का एक युवती से फेसबुक पर दोस्ती होने के बाद उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस दौरान दोनों के बीच शादी करने के वादे भी हुए। लेकिन अचानक युवती के परिजनों ने उसकी शादी कहीं दूसरी जगह कर दी तो अंकित तभी से परेशान रहने लगा।

नोएडा पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए पांचों लूटेरे। फोटो : दीपक यादव

शराब से भरे ट्रक को लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश

पुलिस की वर्दी पहनकर दिया वारदात को अंजाम

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● **लाखों रुपए के साथ 5 बदमाश गिरफ्तार**

गौतमबुद्धनगर पुलिस ने रविवार को एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एक ऐसे गैंग को दबोचा है। जिन्होंने पुलिस की वर्दी पहनकर अरुणाचल प्रदेश मार्क की एक हजार शराब की पेटी से भरे ट्रक को लूटा था। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से 2,79,000 रुपए नगद भी बरामद किए हैं।

अपर पुलिस उपायुक्त विशाल पांडे ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के थाना दादरी क्षेत्र के ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर 21 अप्रैल को 5 बदमाशों ने शराब से भरे एक ट्रक को रोका था। बदमाशों ने अपने आप को पुलिस का अधिकारी बताया और ट्रक को चेकिंग के नाम पर थाने ले जाने के लिए कहा था। पुलिस की वर्दी पहने एक अपराधी ट्रक में बैठ गया और अन्य अपराधियों ने ट्रक के चालक और परिचालक को अपनी कार में बैठा लिया था। विशाल पांडे ने बताया कि बदमाश शराब से भरे ट्रक को लेकर भाग गए। चालक और परिचालक को एक होटल के पास मारपीट करके छोड़ दिया।

मामले की जांच कर रही थाना दादरी पुलिस ने रविवार को एक सूचना के आधार पर मुजम्मिल पुत्र उम्मेद निवासी गाजियाबाद, तालिब पुत्र तहसील निवासी गाजियाबाद, रिहान पुत्र इस्तियाक निवासी गाजियाबाद, नवीन पुत्र देवेंद्र निवासी गौतमबुद्ध नगर और सागर पुत्र राकेश निवासी गौतमबुद्धनगर को गिरफ्तार किया है। लेकिन अभी इनके 5 साथी फरार है।

जिला जेल में बंद 23 कैदी हुए पॉजिटिव

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

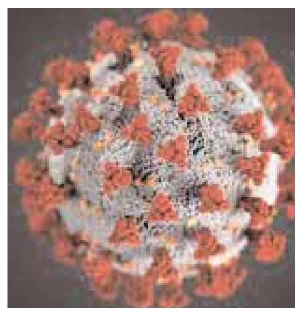

● **जेलर भी परिवार के साथ हुए संक्रमित**

गौतमबुद्धनगर स्थित लुक्सर जेल के अंदर एक बार फिर कोरोना का कहर आ गया है। लुक्सर जेल में आने वाले नए कैदियों के लिए बनाई गई अस्थाई जेल में बंद 23 कैदी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। सभी कैदियों का उपचार ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इसके अलावा लुक्सर जेल के जेलर एके सिंह भी कोरोना संक्रमित हो गए हैं। गंभीर हालत में उन्हें नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी पत्नी और बच्चे भी कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं।

लुक्सर जेल के सुपरिटेंडेंट बीएस मुकुंद ने बताया कि गौतमबुद्धनगर जिला जेल के अंदर बनाए गई अस्थाई जेल में बंद 23 कैदी जांच के दौरान कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। जिनको इलाज के लिए ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। कैदियों की हालत स्थिर बनी हुई है। इसके अलावा लुक्सर जेल के जेलर एके सिंह अपने परिवार के साथ कोविड से संक्रमित हो गए हैं। एके सिंह को उपचार के लिए नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि उनकी पत्नी, बेटा और बेटी का घर पर उपचार किया जा रहा है। जेलर एके सिंह की हालत में अब कुछ सुधार है। जेल सुपरिंटेंडेंट ने बताया कि इन 23 कैदियों में कोरोना वायरस की पुष्टि के बाद जेल में बंद करीब 200 कैदियों का कोरोना टेस्ट कराया गया है, उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। कुछ कैदियों ने बुखार होने की शिकायत की है। उनका भी टेस्ट कराया गया है। जेल में सभी बंद कैदी सुरक्षित है, उनके परिवार को परेशान होने की जरूरत नहीं है।

सीएम ने पूर्व सांसद से फोन पर जाना क्षेत्र का हाल

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चार बार सांसद रहे रमेश चंद तोमर से बातचीत की और गाजियाबाद क्षेत्र का हाल जाना। पूर्व सांसद रमेश चंद्र तोमर ने सोमवार को बताया कि मुख्यमंत्री का उनके पास फोन आया। मुख्यमंत्री ने पहले स्वास्थ्य संबंधित जानकारी ली।

उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि पूरा परिवार को कोरोना संक्रमण की चपेट में आ गया था लेकिन अब सब कुछ सही है। मुख्यमंत्री ने पूर्व सांसद को निर्देशित किया कि वह लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक करने के साथ जरूरतमंद की मदद करें।

कोरोना की भेंट चढ़े नोएडा के कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट

जनपद से प्रवासी मजदूरों के पलायन से रुका काम, होगी परियोजनाओं में देरी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोरोना के कहर से दुनिया बेहाल है। खासकर इस जानलेवा वायरस की दूसरी लहर ने देश को तबाही का वो खौफनाक मंजर दिखाया है, जिसकी स्मृतियां शायद ही कभी मनो-मस्तिष्क से विस्मृत हों।

गौतमबुद्धनगर में यह वायरस रोजाना नए रिकॉर्ड बना रहा है। बीते दिन जनपद में 1500 से ज्यादा मरीज मिले थे। इसकी वजह से शहर में जारी कई महत्वूपर्ण प्रोजेक्ट पर काम रूक गया है। अब इन सभी परियोजनाओं को पूरा होने में 6 महीने से ज्यादा की देरी होगी। नई डेडलाइन तब से लागू होगी, जब इन पर काम फिर शुरू होगा। संभावना है कि जून से इन साइट्स पर मजदूर पहुंचेंगे और काम फिर चालू हो जाएगा।

दरअसल, कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए गौतमबुद्धनगर में रह रहे प्रवासी मजदूर अप्रैल के दूसरे हफ्ते से वापस लौटना शुरू हो गए थे। इसकी वजह से कई अहम प्रोजेक्ट की साइट्स पर मजदूरों की संख्या कम होती गई। अब यहां सिर्फ कुछ मजदूर बचे हैं। मगर कोरोना की वजह से काम में रफ्तार नहीं है। इसलिए अब ये सभी प्रोजेक्ट पूर्व निर्धारित समय सीमा में नहीं पूरे हो सकेंगे। सभी प्रोजेक्ट पर कोरोना वायरस का असर दिखाई दे रहा है।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर सेक्टर-96 में अंडरपास बनाने का काम शुरू था। यह पहले इसी साल सितंबर तक बनकर तैयार होना था। लेकिन अब इसमें 6 महीने की देरी हो सकती है। क्योंकि मजदूरों के अभाव में साइट पर निर्माण का कार्य बंद है। जबकि कोविड का खतरा बरकरार रहने तक प्रवासी मजदूर गौतमबुद्धनगर आने से कतराएंगे। इसलिए अब हालात सामान्य होने के बाद ही उनकी वापसी होगी।

पर्थला गोलचक्कर पर निर्माणाधीन सिग्नेचर ब्रिज भी दिसंबर 2021 तक शुरू होना प्रस्तावित था। लेकिन यह भी कोरोना की भेंट चढ़ गया। अब यह अगले साल 2022 में शुरू होगा। फिलहाल यहां काम पूरी तरह बंद है। क्योंकि कोरोना की वजह से मजदूर पलायन कर चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

ऑनलाइन गोष्ठी में बोलते हुए वक्ता।

रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने के उपाय पर गोष्ठी

गाजियाबाद। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद द्वारा आयोजित गोष्ठी ऑनलाइन गूगल पर 'रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने के उपाय' विषय पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न हुई। यह 212वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता योगाचार्य सेवक जगवानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज संपूर्ण विश्व में कोरोना महामारी का संकट छाया हुआ है भारत में दूसरी लहर में हमारे देशवासी अपने शरीर को त्यागने के लिए विवश हो चुके हैं, लेकिन जाने से पूर्व हमारा क्या कर्तव्य है इस पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि ईश्वर प्रदत्त उपहार प्राण शक्ति हमारे शरीर के अंदर है जो की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है हमारा इम्यून सिस्टम सही कार्य करता रहे। यदि इस उपहार का सही उपयोग करें तो हम इस महामारी से बचे रह सकते हैं ऐसे समय में प्रशासन द्वारा दी गई गाइडलाइन का पालन करना चाहिए।

अंतिम संस्कार के लिए दुकान से लकड़ी खरीदकर श्मशान भिजवाने के लिए ई रिक्शा पर लदी लकड़ियां।

अंतिम संस्कार के लिए लकड़ियों का टोटा

गाजियाबाद। शहर के अधिकतर श्मशान घाटों में लगातार आ रहे अंतिम संस्कार के लिए शवों के कारण व्यवस्थाएं चरमराने लगी हैं। यहां तक कि लोगों को अंतिम संस्कार के लिए लकड़ियां तक नहीं मिल पा रही हैं। इसकी वजह से अब लोग खुद बाजारों में जाकर लकड़ियां खरीद रहे हैं। शहर के डासना गेट, घंटाघर स्थित जहां लकड़ियों की दुकानें हैं, वहां आमतौर पर लोग भट्टियों या घरों में इस्तेमाल करने के लिए लकड़ी खरीदने आते हैं लेकिन जिले में जैसे-जैसे मौतों का सिलसिला बढ़ रहा है और श्मशान घाट में लकड़ियों की किल्लत हो रही है, उसे देखते हुए अब परिजन खुद से ही बाजारों से लकड़ियां खरीद कर अंतिम संस्कार करने के लिए पहुंच रहे हैं। श्मशान घाट में अंतिम संस्कार के लिए लंबी वेटिंग हैं, उस पर अन्य सामान की व्यवस्था न होने से परिजनों को और भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

8 मई को निर्धारित राष्ट्रीय लोक अदालत स्थगित

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में कोरोना का खतरा लगातार बढ़ रहा है। रोजाना संक्रमितों की संख्या में जबरदस्त इजाफा हो रहा है। इसको देखते हुए 8 मई को निर्धारित राष्ट्रीय लोक अदालत स्थगित कर दी गई है। हालात सामान्य रहे तो अब यह 10 जुलाई को होगी। हालांकि आयोजन की तिथि घोषित करने से पहले कोविड की समीक्षा की जाएगी। उसके बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर के सचिव पूर्णकालिक विकास कुमार वर्मा ने यह जानकारी दी।

नोएडा पुलिस ने 500 वाहनों का किया चालान

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में कोरोना कर्फ्यू और कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन करना लोगों को भारी पड़ा रहा है। नोएडा पुलिस चप्पे.चप्पे पर तैनात है और हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है।

बीते रविवार को लॉकडाउन तथा कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने पर पुलिस ने 508 वाहनों का चालान किया। उनसे 19,800 रुपये बतौर समन शुल्क वसूला गया। साथ ही नोएडा पुलिस ने 31 व्यक्तियों के खिलाफ धारा 188 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने बिना मास्क पहने घूम रहे 287 लोगों का भी चालान किया है। गौतमबुद्ध नगर पुलिस के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी।

नेहरू नगर में बना 50 ऑक्सीजन बेड का अस्पताल

सेवा भारती की पहल : कोरोना मरीजों को मिलेगी मुफ्त दवा और इलाज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

फाइल फोटो

कोरोना रोगियों के लिए एक बड़ी राहत वाली खबर आ रही है। नेहरू नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी संस्था सेवा भारती ने 50 बेड का एक कोविड आइसोलेशन स्वास्थ्य केंद्र बनाया है। यह सभी बेड ऑक्सीजन युक्त होंगे और यहां सभी रोगियों को भोजन और प्राथमिक दवाइयां भी मुफ्त उपलब्ध होंगी ।

सेवा भारती प्रमुख मनोज मित्तल ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र पर किसी भी प्रकार का कोई शुल्क रोगियों से नहीं लिया जाएगा। इस संबंध में उन्होंने सेवा भारती के दो हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। इन नंबरों पर कोई भी पीड़ित या उनके परिजन संपर्क कर यहां दाखिला करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि महानगर में इसी तरह के लगभग आधा दर्जन स्वास्थ्य केंद्र खोले जाने की योजना है।

आपको बता दें कि जब भी देश में कोई आपदा आती है तो सेवा भारती के कार्यकर्ता मैदान में उतर जाते हैं। सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में यह स्वास्थ्य केंद्र एक बानगी है। सोमवार को परिसर को सबसे पहले सेवा भारती के कार्यकर्ताओं ने नगर निगम के कर्मचारियों के साथ सफाई अभियान चलाया उसके बाद यहां बैड आदि की व्यवस्था की और सभी बेड को ऑक्सीजन युक्त कर दिया गया है।

शनिवार को अभियान की शुरुआत करते हुए खोडा नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी केके भड़ाना।

आवास के लिए मिली जमीन को श्मशान के लिए किया दान

करैहड़ा गांव के रहने वाले सुशील निर्वाण की पहल की लोग जमकर कर रहे सराहना

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

सुशील निर्वाण (बीच में)

कोरोना काल मे एक तरफ जहां बेरहम और लालची लोग जमाखोरी व कालाबाजारी कर आपदा में अवसर ढूंढकर अनैतिक कमाई करने में लगे हैं तो दूसरी तरफ दयालू व दरियादिल लोगों की भारतीय समाज मे कमी नहीं है। ऐसे ही दरियादिल इंसान व सच्चा दानवीर हैं करहैड़ा गांव निवासी सुशील निर्वाण। जिन्होंने लोगों की परेशानी को देखते हुए परिवार से अपने हिस्से में आई 15 सौ गज जमीन शमशान घाट बनाने के लिए नगर निगम को दान दे दी। यह जमीन राजनगर एक्सटेंशन से लगी हुई है। जो बेशकीमती है। सुशील के इस नेक काम की सभी सम्प्रदाय के लोग प्रशंसा कर रहे हैं।

सुशील निर्वाण का कहना है कि कोविड-19 संक्रमण बड़ी संख्या में लोगों को अपनी गिरफ्त में ले रहा है और ना जाने कितने लोगों की इसके कारण जान भी जा रही है। जिसके बाद से एकाएक गाजियाबाद हिंडन नदी पर स्थित मोक्ष स्थली पर अंतिम संस्कार करने वाले शवों की लंबी कतार लगी हुई है। जिसके कारण मृतकों के परिजन बेहद परेशानी का सामना कर रहे हैं। लोगों को 10 से 12 घंटे का इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस संक्रमण से ग्रसित होने के बाद पहले लोग अस्पतालों के चक्कर काटने को मजबूर होते हैं और यदि उन मरीजों की मौत हो जाए तो अंतिम संस्कार के लिए भी भटकना पड़ रहा है। कई का तो समय से उनका अंतिम संस्कार नहीं हो पाता है। जो उनसे देखा नहीं गया और उन्होंने यह फैसला लिया कि उनके हिस्से में मकान बनाने के लिए अपनी पारिवारिक जगह नूरनगर इलाके में 1500 जमीन मिली थी। अब उन्होंने अपने परिवार वालों से वार्ता करने के बाद यह 1500 गज जमीन नगर निगम को श्मशान घाट बनाने के लिए दान कर दी है।

उन्होंने कहा कि इस फैसले के बाद उन्हें व उनके परिवार को आत्मिक शांति मिली है। सुशील निर्वाण ने कहा कि यह बेहद कठिन दौर है । इस कठिन दौर में आम लोगों को भी सरकार के ऊपर ही सब कुछ नहीं छोड़ना चाहिए । बल्कि सभी लोगों को इस दौर में जो जिस लायक है उसे पूरा सहयोग करना चाहिए, और यही सोच रखकर उन्होंने यह अपनी जमीन दान में दी है।

जिला पंचायत सदस्य चुनाव में बसपा ने लहराया परचम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● **सपा-रालोद ने भी दिखाया दम**

जिला पंचायत के चुनाव में सबसे अधिक सदस्य जीतकर बसपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। बसपा समर्थित 5 सदस्यों ने प्रतिद्वंदियों को कड़ी टक्कर देते हुए जीत हासिल कर पार्टी का परचम लहरा दिया तो वहीं रालोद और सपा के प्रत्याशियों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। जीत का लगातार दम भरने वाली भाजपा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा।

जानकारी के मुताबिक वार्ड एक से बसपा के अमरपाल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को 675 वोटों से हराकर जीत हासिल की है तो वार्ड दो से भी बसपा प्रत्याशी आसिफ चौधरी ने 3 हजार, 526 वोटों से जीत दर्ज की है। वार्ड-3 पर भी बसपा प्रत्याशी अनिल गौतम ने 970 वोटों से जीत हासिल की है। वहीं वार्ड 5 से बसपा प्रत्याशी शौकेंद्र ने वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। शौकेंद्र ने 9 हजार, 232 वोटों से जीत दर्ज की जो सबसे अधिक मत प्रतिशत माना जा रहा है।

बसपा की प्रिया सिंह ने वार्ड आठ से कम अंतरों से जीत हासिल की है। प्रिया सिंह को अपने प्रतिद्वंदी से 294 वोट अधिक मिले हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 4 मई 2021

टीका लगवाने को केंद्रों पर लंबी लाइनें

वैक्सीन की कमी के बीच 18 से अधिक उम्र के लोगों का टीकाकरण शुरू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में लगातार खतरनाक हो रहे कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए दिल्ली सरकार ने 18 साल से ऊपर के लोगों के लिए टीकाकरण की शुरु कर दिया। सोमवार सुबह से वैक्सीनेशन सेंटरों पर लोगों की लंबी लाइन लग गई। कई केंद्रों पर लोग सामाजिक दूरी के नियम का पालन करते हुए नहीं दिखे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली वालों से अपील की किए थे कि वे टीकाकरण केंद्रों पर लाइन ना लगाएं इसके बावजूद लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। इस बीच उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने वेस्ट विनोद नगर में टीकाकरण केंद्र का दौरा किया।

मनीष सिसोदिया ने तैयारियों का जायजा लेने के बाद मीडिया से बातचीत में बताया कि दिल्ली सरकार ने 76 विद्यालयों में 301 टीकाकरण केंद्र बनाए हैं। इन सभी टीकाकरण केंद्रों पर 18 से 44 वर्ष के लोगों का टीकाकरण किया जाएगा। इन केंद्रों पर आज 45 हजार लोगों का टीकाकरण किया जाएगा। दिल्ली को वैक्सीन की 4.5 लाख दोज मिली है और आने वाले समय में वैक्सीन की आपूर्ति के बढ़ने के साथ ही केंद्रों की संख्या बढ़ायी जाएगी। टीकाकरण को लेकर युवाओं में जबरदस्त उत्साह है। सरकार ने हर केंद्रों में 250 लोगों को टीकाकरण के लिए बुलाने की अनुमति दी है। इसका टर्नआउट सौ फीसदी है।

राजधानी के एक सरकारी स्कूल में बनाए गए वैक्सीनेशन सेंटर पर टीका लगवाने के लिए लगी लंबी लाईन। फोटो : रंजन

दिल्ली सरकार लगातार वैक्सीन उपलब्ध करवाने वाली कंपनियों के संपर्क में है ताकि बड़ी मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध हो और सभी लोगों को वैक्सीन लगाई जा सके। क्योंकि वैक्सीन ही कोरोना से लड़ने में हमारी मदद करेगा।

इस बीच कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने भी बाबरपुर विधानसभा क्षेत्र स्थित बाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बनाये गए वैक्सीनेशन सेंटर का दौरा कर जायजा लिया। राय ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि उनकी विस में एक केंद्र शुरू हुआ है। एक केंद्र पर तीन टीका लगाने की व्यवस्था की गई है, ताकि लोगों की भीड़ न हो, सोशल डिस्टेंसिंग का सही तरह से पालन किया जा सके। इनके अलावा दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने न्यू राजेंद्र नगर स्थित विद्या भवन सीनियर सेकेंड्री गर्ल्स स्कूल स्थित वैक्सीन सेंटर का दौरा किया।

ऑक्सीजन की समस्या है बरकरार

ऑक्सीजन संकट पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने सभी से मदद मांगी है। अभी दिल्ली में ऑक्सीजन को लेकर काफी समस्या है। रविवार को भी आवंटित कोटे की ऑक्सीजन नहीं मिली थी। सिसोदिया ने यह भी बताया कि 2 मई को आवंटित 590 मीट्रिक टन में से केवल 440 मीट्रिक टन ऑक्सीजन ही मिल पाई जबकि अभी दिल्ली को रोजाना 976 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत है।

होम आइसोलेशन में मरीज की काउंसलिंग चौबीस घंटे में शुरू करने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● पृथकवास को मजबूत करने के लिए सीएम ने अधिकारियों संग की समीक्षा बैठक

होम आइसोलेशन में मरीजों की काउंसलिंग 24 घंटे में शुरू करने का दिल्ली सरकार ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में होम आइसोलेशन को और मजबूत करने के मकसद से समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक में केजरीवाल ने निर्देश दिए रोजाना हो रहे कोरोना जांच का स्पष्ट रिकॉर्ड रखा जाए।

रिकॉर्ड में यह स्पष्ट किया जाए कि कितने लोग अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं और कितने लोग होम आइसोलेशन में घर पर ही अपना इलाज करा रहे हैं। सीएम ने यह भी कहा कि पृथकवास में इलाज करा रहे जिन मरीजों के पास ऑक्सीमीटर नहीं है, उन्हें किट के साथ ऑक्सीमीटर भी तुरंत मुहैया कराई जाए। केजरीवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनहें होम आइसोलेशन प्रणाली को और अधिक मजबूत करने की जरूरत है, ताकि घर पर इलाज करा रहे मरीजों को समय से अच्छी काउंसलिंग के साथ अच्छा इलाज मिल सके। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को इस पर विशेष ध्यान देने को कहा। अधिकारियों ने सीएम को होम आइसोलेशन में इलाज करा रहे लोगों को दी जा रही सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी।

वेस्ट विनोद नगर में टीकाकरण केंद्र का जायजा लेने पहुंचे उपमुख्यमंत्री।

रेमडेसिविर बनाने वाली सभी कंपनियों को दवा बेचने की दी जाए अनुमति

अदालत ने याचिका पर केंद्र सरकार से मांगा जवाब मांगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को केंद्र और विभिन्न दवा कंपनियों से उस जनहित याचिका पर जवाब देने को कहा जिसमें रेमडेसिविर बनाने वाली सभी दवा कंपनियों को घरेलू बाजार में इसकी बिक्री करने की अनुमति देने का अनुरोध किया गया है। इस दवा का इस्तेमाल कोविड-19 के मरीजों के उपचार के लिए किया जाता है।

मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने इस याचिका पर स्वास्थ्य मंत्रालय, सीडीएससीओ, विदेश व्यापार महानिदेशक और सिप्ला, जाइडस एवं कैडिला जैसी विभिन्न दवा कंपनियों को नोटिस जारी किये। इस याचिका में दावा किया गया है कि केवल कुछ ही कंपनियों को घरेलू बाजार में दवा बेचने की अनुमति है।

याचिकाकर्ता दिनकर बजाज ने कहा कि शेष कंपनियां निर्यात करने के लिए यह दवा बनाती थीं। उन्होंने कहा कि रेमडेसिविर का निर्यात केंद्र ने प्रतिबंधित कर दिया है और निर्यात के लिए यह दवा बनाने वाली कंपनियों को इसे बनाने एवं घरेलू बाजार में बेचने की अनुमति दी जानी चाहिए।

पुलिस ने बुजुर्ग व बेटे को आग से बचाया

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के सीआर पार्क इलाके में सोमवार को पुलिस ने 75 वर्षीय एक व्यक्ति और उसके बेटे को आग से बचाया। अधिकारियों ने बताया कि रात करीब तीन बजे चित्तरंजन पार्क थाने में एक घर में आग लग जाने की सूचना प्राप्त हुई। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, जब पुलिस वहां पहुंची तब मकान मालिकन कल्याणी चटर्जी ने बताया कि उनका बेटे अग्निभा (31) मनोरोगी है और उसने कथित रूप से घर में ही आग लगा दी। चटर्जी ने पुलिस से कहा कि मधुमेह के रोगी उनके पति सोमीर और बेटे घर के अंदर हैं।

अधिकारी ने बताया कि दरवाजा तोड़कर सोमीर को बेडरूम से निकाला गया। इसी बीच पुलिस को अंदर के कमरे से मदद की गुहार वाली आवाज सुनाई दी, लेकिन तेज आग और धुएं के कारण पता नहीं चल रहा था। बाद में पुलिस अंदर बेडरूम के लकड़ी के दरवाजे को तोड़ा और अग्निभा को भी बचा लिया। पुलिस के अनुसार एहतियात के तौर पर अग्निभा को एम्स के ट्रामा सेंटर ले जाया गया।

टीकाकरण केन्द्रों की सूची में पूर्वी निगम के केन्द्रों का नाम नहीं : महापौर

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के महापौर निर्मल जैन ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य सरकार कोरोना के संकट की इस घड़ी में केवल राजनीति कर रही है। कोरोना की रोकथाम के लिए 18 से 44 आयु वर्ग के लोगों के टीकाकरण के लिए सरकार ने 77 टीकाकरण केन्द्रों की जो सूची जारी की है उसमें पूर्वी दिल्ली नगर निगम के टीकाकरण केन्द्रों का नाम शामिल नहीं किया गया है। महापौर ने कहा कि मुख्यमंत्री इस विकट समय में भी राजनीतिक द्वेष की भावना से काम कर रहे है।

गांधी नगर में टीका केंद्र नहीं होने से विधायक नाराज

वैक्सीनेशन सेंटर नहीं बना तो करेंगे भूख हड़ताल : अनिल बाजपेयी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गांधी नगर में 18 साल से ऊपर वालों के लिए टीकाकरण केंद्र नहीं बनाए जाने से स्थानीय विधायक नाराज है। उन्होंने कहा कि अगर टीकाकरण केंद्र नहीं बनाए गए तो वह इसके लिए भूख-हड़ताल करेंगे।

उन्होंने कहा कि गांधी नगर विधानसभा क्षेत्र में 6 अलग-अलग जगहों पर टीकाकरण केंद्र खोले जाए, इसके लिए उपराज्यपाल और शाहदरा डीएम को कई बार पत्र भी लिख चुकें हैं लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। भाजपा विधायक अनिल बाजपेयी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि इस मुश्किल समय में अनजान व्यक्ति भी एक-दूसरे की मदद के लिए तैयार है, लेकिन केजरीवाल द्वारा सिर्फ इसलिए गांधी नगर विधानसभा क्षेत्र में टीकाकरण केंद्र नहीं खोला गया है क्योंकि यहां भाजपा विधायक है जबकि इसके ठीक विपरीत बाकी विधानसभाओं में टीकाकरण केंद्र खोले गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि गांधी नगर की जनता दिल्ली से बाहर की है।

बाजपेयी ने कहा कि केजरीवाल उन्हें आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा से जुड़ने की सजा दे रहे हैं। श्री बाजपेयी ने कहा कि वह खुद दिल्ली की पहली पोलोक्लीनिक जो उनके विधानसभा कान्ति नगर में है और मोहल्ला क्लिनिक व स्कूलों में टीकाकरण केंद्र खोलने की बात कह चुके हैं लेकिन उस पर आज तक सरकार ने संज्ञान नहीं लिया।

दिल्ली दंगों ने दिलाई बंटवारे के समय हुए नरसंहार की याद : कोर्ट

उच्च न्यायालय ने हमला करने वाले की जमानत याचिका खारिज की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने 2020 के दिल्ली दंगों को विभाजन के समय हुए नरसंहार की याद दिलाने वाला बताया है। अदालत ने व्यापक पैमाने पर हुई हिंसा के दौरान दूसरे मजहब के एक लड़के पर हमला करने के आरोपी शख्स की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की।

गिरफ्तारी के भय से, सिराज अहमद खान ने अदालत का रुख कर मामले में अग्रिम जमानत का अनुरोध करते हुए दावा किया कि उसे इसमें गलत तरीके से फंसाया गया और उसका कथित अपराध से कोई लेना-देना नहीं है।

अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव ने कहा कि आरोपी के खिलाफ लगे आरोप गंभीर प्रकृति के हैं और सांप्रदायिक दंगे की आग भड़काने एवं उसकी साजिश रचे जाने का पर्दाफाश करने के लिए उसकी मौजूदगी बहुत जरूरी है।

पिछले साल फरवरी में नागरिकता संशोधन कानून के समर्थकों और विरोधियों के बीच झड़पों के अनियंत्रित हो जाने से उत्तर-पूर्व दिल्ली में सांप्रदायिक हिस्सा भड़क गई थी, जिसमें कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई थी और करीब 200 लोग घायल हो गए थे।

न्यायाधीश ने अपने 29 अप्रैल के आदेश में कहा, च्यह सबको पता है कि 24/25 फरवरी 2020 के मनहूस दिन उत्तर-पूर्व दिल्ली के कुछ हिस्से सांप्रदायिक उन्माद की भेंट चढ़ गए, जो विभाजन के दिनों के नरसंहार की याद दिलाते हैं। न्यायाधीश ने कहा कि जल्द ही, दंगे जंगल की आग तरह राजधानी में फैल गया और नये इलाके इसकी चपेट में आ गए और बहुत सी मासूम जानें जाती रहीं।

उन्होंने कहा कि मौजूदा मामले में, एक किशोर रमन पर दंगाई भीड़ ने 25 फरवरी को निर्मम तरीके से महज इसलिए हमला कर दिया था क्योंकि वह दूसरे समुदाय से था।

न्यायाधीश ने कहा कि मामले में जांच अधिकारी के जवाब से साफ है कि सीसीटीवी फुटेज में आवेदक अपने हाथों में भाला लिए साफ-साफ दिख रहा है और मामले में अन्य आरोपी उसके दो बेटे अरमान और अमन अब तक फरार हैं।

एचआरसीटी जांच की कीमतें सीमित करने को याचिका

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● अदालत ने दिल्ली सरकार से पक्ष रखने को कहा

दिल्ली उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर कर कोविड-19 के मरीजों के फेफड़ों में संक्रमण की मौजूदगी एवं गंभीरता का पता लगाने में इस्तेमाल होने वाली हाई रेजोल्यूशन कंप्यूटराइज्ड टोमोग्राफी (एचआरसीटी) की कीमतों को सीमित करने का दिल्ली सरकार को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर इस संबंध में अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है।

पीठ ने अधिवक्ता शिवलीन पसरीचा की याचिका पर यह नोटिस जारी किया। इस याचिका में दावा किया गया है कि संदिग्ध या संभावित मरीजों में कोविड-19 का पता लगाने के लिए सबसे आम जांच आरटी-पीसीआर है।

याचिका में कहा गया कि वर्तमान में दिल्ली में एचआरसीटी कराने की कीमत पांच से छह हजार रुपये के बीच है। इसलिए, इस समय इसकी कीमतों का नियमन इस वक्त बेहद जरूरी है।

इसमें कहा गया कि दिल्ली में मौजूदा गंभीर परिस्थितियों के मद्देनजर एचआरसीटी की कीमतों को नियमित करना अत्यंत आवश्यक है।

अधिवक्ता अमरेश आनंद के माध्यम से दायर याचिका के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी में एचआरसीटी की कीमत च्अनियमित और बहुत ज्यादा है और सामान्य लोगों के लिए इतनी कीमत चुकाना बहुत मुश्किल है।

ऑक्सीजन आपूर्ति 447 मीट्रिक टन रही

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सोमवार को मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति 447 मीट्रिक टन रही जो केंद्र की तरफ से आवंटित 590 मीट्रिक टन से बहुत कम है। यह जानकारी दिल्ली सरकार के सूत्रों ने दी। सूत्रों ने बताया कि कोविड-19 के गंभीर मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मेडिकल ऑक्सीजन की काफी कमी और केंद्र से लगातार मांग के बावजूद आपूर्ति नहीं हो पा रही है। सूत्र ने कहा कि आपूर्ति 28 अप्रैल को 431 मीट्रिक टन से बढ़ाकर दो मई को 447 मीट्रिक टन हो गयी लेकिन मांग प्रतिदिन 900 मीट्रिक टन से अधिक हो गई है।

राजधानी के कोविड केंद्रों में सिर्फ 27 आईसीयू बेड खाली

संजय राय। नई दिल्ली

● बेड की किल्लत से जूझ रहे हैं मरीज

राजधानी दिल्ली में लॉकडाउन के बाद भी कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कमी नहीं आ रही है। यहां हर दिन कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ रही है लेकिन अस्पताल में ना तो बेड्स हैं, ना ही ऑक्सीजन। होम आइसोलेशन में इलाज कराने वाले मरीजों को भी ऑक्सीजन सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है।

ऐसे में संकट बढ़ता जा रहा है। दिल्ली सरकार रोजाना बेड्स बढ़ाने के दावे कर रही हो, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। मरीजों को एक एक बेड के लिए तरसना पड़ रहा है। सोमवार शाम 8 बजे दिल्ली सरकार की दिल्ली कोरोन एप पर 1333 कोविड-19 बेड्स और 27 आईसीयू बेड्स खाली होने की जानकारी थी। इन आंकड़ों से इतर अभी भी राजधानी में संघर्ष जारी है। सिर्फ एक बेड ही नहीं बल्कि ऑक्सीजन का संकट भी खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है।

ऑक्सीजन मुहैया कराने की गुहार लगा रहे अस्पताल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● बत्रा अस्पताल में मरीजों को भर्ती करना किया बंद

राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को भी कई निजी अस्पतालों के अधिकारी अपने ऑक्सीजन भंडार को भरने के लिए मदद की गुहार लगाते नजर आए। प्राण वायु की कमी के कारण कोविड-19 संक्रमित काफी संख्या में मरीजों की जिंदगी अधर में लटकी हुई है।

रोहिणी में 50 बिस्तरों वाले धर्मवीर सोलंकी अस्पताल के डॉ. पंकज सोलंकी ने कहा कि वह एसओएस कॉल (जीवन रक्षा संदेश) करके थक चुके हैं और हताश महसूस कर रहे हैं। अस्पताल में ज्यादातर ऑक्सीजन का संकट बना रहता है। अब दस मरीजों को ऑक्सीजन मुहैया कराना मुश्किल हो रहा है। कई लोगों ने अस्पतालों का सहयोग करने के लिए सोशल मीडिया पर गुहार लगाई है। इस बीच आम आदमी पार्टी के विधायक राघव चड्ढा ने कहा कि दिल्ली सरकार ने सोमवार दोपहर राजघाट रिस्पॉन्स प्वाइंट से अस्पताल को चार डी-टाइप ऑक्सीजन सिलेंडर का आवंटन किया है।

उन्होंने ट्वीट कर कहा कि हरेक जीवन रक्षा संदेश का समाधान करने में वह कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। लेकिन दिल्ली सरकार भी एसओएस (जीवन रक्षा संदेश की गुहार) ही लगा रही है। उनकी सरकार केंद्र से आवंटित ऑक्सीजन की पूर्ति करने की मांग लगातार कर रही है।

बत्रा अस्पताल में कार्यकारी निदेशक सुधांशु बनकटा ने कहा कि वह बिस्तरों की संख्या कम करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने बताया बिस्तरों की संख्या 307 से घटाकर 276 कर दी है। ऑक्सीजन आपूर्ति को देखते हुए इसे कम कर 220 करेंगे। अस्पताल ने रविवार को रोगियों को भर्ती करना बंद कर दिया था।

संक्षिप्त समाचार

बदरपुर के एक स्कूल में वैक्सीनेशन सेंटर पर टीका लगवाने आए लोगों को पानी और जूस बांटते विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी।

वैक्सीनेशन सेंटर बांटा पानी और जूस

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बदरपुर के एक स्कूल में 18+ उम्र के लोगों के वैक्सीनेशन का जायजा लिया। उन्होंने गर्मी में आए लोगों को पानी और जूस बांटा। साथ ही वैक्सीनेशन करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित भी किया। इस मौके पर बिधड़ी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से कोविड-19 की जांच और वैक्सीनेशन सेंटर बढ़ाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि पर्याप्त जांच के अभाव में लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम दस वैक्सीनेशन केंद्र खोलने की मांग की। वैक्सीनेशन केंद्र कम होने से कोरोना के खिलाफ जंग पूरी ताकत से लड़ पाना मुश्किल है।

पत्रकारों को मिले कोरोना वारियर्स का दर्जा

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. नरेश कुमार ने उपराज्यपाल अनिल बैजल को पत्र लिखकर कोरोना वारियर्स का दर्जा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी में पत्रकार अपनी जान जोखिम में डालकर काम कर रहे हैं। ऐसे में वे किसी वरियर्स से कम नहीं है। उन्होंने एलजी से अनुरोध कि कोरोना काल में नौकरी गंवा चुके पत्रकारों को दिल्ली सरकार से बीस हजार प्रतिमाह आर्थिक मदद दिलाने की व्यवस्था करें। इस माहमारी में जान गंवाने वाले पत्रकारों के परिजनों को दस लाख रुपया मुआवजे के रूप में दिया जाना चाहिए। साथ वैक्सीनेशन में उनको प्राथमिकता दी जाए।

केजरीवाल सुविधा दें तो बंद पड़े इंदिरा गांधी अस्पताल को शुरू कर देंगे : प्रवेश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● सांसद ने कहा वर्ष 2017 में शुरू हो जाना चाहिए था अस्पताल

भाजपा सांसद प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सुविधा मुहैया कराएं तो वह बंद पड़े इंदिरा गांधी अस्पताल को जल्द चालू कर देंगे। द्वारका स्थित इंदिरा गांधी अस्पताल का दौरा करने के बाद सांसद ने कहा कि जिस अस्पताल को वर्ष 2017 में शुरू हो जाना चाहिए था वह आज भी बंद पड़ा है।

केजरीवाल सरकार, दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था को विश्व स्तरीय बताती है। अभी तक इस अस्पताल को शुरू नहीं कर पाई। अस्पताल का भवन और ऑक्सीजन प्लांट भी किसी काम का नहीं है क्योंकि अभी तक वहां सेवाएं शुरू नहीं हो पाई है।

केंद्र द्वारा अस्पताल के लिए पूरा बजट देने और डीडीए द्वारा जमीन देने के बाद भी अस्पताल को शुरू न करना केजरीवाल की लापरवाही का एक नमूना है। उन्होंने कहा कि अगर दिल्ली सरकार अनुमति दे और डॉक्टरों की व्यवस्था करें तो वह कल से ही 50 ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर बेड के साथ अस्पताल को शुरू कर देंगे।

गुरुद्वारा रकाबगंज में 6 मई से शुरू होगा कोरोना केयर सेंटर

अस्पताल में पहले चरण में 100 और बाद में जोड़े जाएंगे 150 और बेड

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गुरुद्वारा रकाबगंज में छह मईसे शुरू होगा कोरोना केयर सेंटर, यहां पहले चरण में सौ और बाद में 150 बेड्स की सुविधा होगी। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने कहा कि सभी बेड्स पर ऑक्सीजन की सुविधा होगी। जिन मरीजों को वेंटिलेटर की जरूरत होगी उन्हें दाखिला नहीं मिलेगा।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार मनजिन्दर सिंह सिरसा ने सोमवार को बताया कि कमेटी की तरफ से गुरुद्वारा रकाबगंज साहब में भाई लक्खी शाह वणजारा हाल में कोरोना केयर सेंटर 6 मई से शुरू हो जाएगा। यहां पर 250 बिस्तरों की सुविधा होगी। पहले चरण में 100 और इसके बाद 150 बेड्स की सुविधा अगले हफ्ते शुरू होगी।

गुरुद्वारा रकाबगंज में बनाए गए कोविड केयर सेंटर का जायजा लेते दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा।

सिरसा ने स्पष्ट किया कि यह कोरोना केयर सेंटर सिर्फ आक्सीजन की सुविधा प्रदान करने के लिए बनाया गया है। यहां उन मरीजों को दाखिल नहीं मिलेगा जिनको वेंटिलेटर की जरूरत होगी। जिन कोविड मरीजों का ऑक्सीजन स्तर कम होगा। उन्हें यहां भर्ती किया जाएगा लेकिन गंभीर मरीजों को भर्ती नहीं किया जाएगा।

हर बैड के साथ आक्सीजन की सुविधा साथ साथ दवाएं और लंगर प्रदान किया जाएगा और किसी मरीज से कोई पैसा नहीं लिया जाएगा। अमरीका से 100 के करीब आक्सीजन कंसेंट्रेटर अब तक आ गए हैं जिनका इस्तेमाल इस कोरोना केयर केंद्र में किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने दौरा कर लिया सिविल अस्पताल में सुविधाओं का जायजा

बोले, प्रत्येक जिले में जरूरत अनुसार ऑक्सीजन की सप्लाई सुनिश्चित की गई है

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में कोविड-19 के संबंध में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ मीटिंग करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने सोमवार को जिला पलवल का दौरा कर कोविड-19 की तैयारियों और प्रबंधों की समीक्षा कर उन्हें संतोषजनक बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ऑक्सीजन के वितरण की मात्रा को बढ़ाया गया है और इस समय जरूरत अनुसार सभी जिलों को उचित मात्रा में ऑक्सीजन की सप्लाई की जा रही है। ऑक्सीजन की सप्लाई सुचारू रूप से जारी रखने के लिए सभी जिला में अधिकारियों की टीमें बनाई गई हैं, जो अपनी निगरानी में जरूरत अनुसार अस्पतालों को ऑक्सीजन की आपूर्ति करवा रही हैं। अब सरकार का प्रयास है कि अस्पतालों में ऑक्सीजन की आपूर्ति के बाद डॉक्टर के परामर्श अनुसार मरीजों को व्यक्तिगत रूप से भी ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध करवाई जाए।

मुख्यमंत्री ने अपने दौरे के दौरान सबसे पहले पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में कोविड-19 के संबंध में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ मीटिंग की और इसके बाद नागरिक अस्पताल पलवल का दौरा कर सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समय सभी ओर कोविड-19 के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है, इसे देखते हुए हरियाणा प्रदेश में स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं का और अधिक विस्तार जा रहा है। मरीजों के लिए आक्सीजन बेड्स व साधारण बेड्स की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। प्रत्येक जिले में जरुरत अनुसार आक्सीजन की सप्लाई सुनिश्चित की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 की परिस्थितियों के मद्देनजर जिला प्रशासन के अधिकारी जिले में आवयश्क वस्तुओं, दवाइयों की सप्लाई पर भी नजर रखें और इन वस्तुओं की कालाबाजारी बिल्कुल भी न होने दें।

अगर कोई व्यक्ति या दुकानदुार आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी करता है, निर्धारित दरों से अधिक रेट पर बिक्री करता है या वस्तुओं का अनावश्यक रूप से स्टोर करता है तो उनके खिलाफ कानूनी कारईवाई अमल में लाई जाए। जिले में महंगाई पर पूरी तरह से नियंत्रण रहना चाहिए। इस संबंध में व्यापरियों व आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई करने वाले विक्रेताओं की बैठक बुलाकर उन्हें जरूरी दिशा-निर्देश दिए जाएं। जिले में जागरुकता कार्यक्रम भी चलाए जाए ताकि लोगों को लॉकडाउन की परिस्थितियों के मद्देनजर जरूरी दिशा-निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करवाई जाए। जिले में बेड व ऑक्सीजन की उपलब्धता का निरंतर ऑडिट होना चाहिए।

सावधानी से गाइडलाइन का करें पालन

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को कोविड-19 की परिस्थितियों को समझते हुए बहुत ही सावधानी से रहना होगा तथा सभी गाइडलाइन व प्रोटोकोल की अनुपालना गंभीरता के साथ करनी होगी, ताकि संक्रमण को नियंत्रित रखा जा सके। अगर लोग सावधानी बरतेंगे तो निश्चित रूप से कोरोना का जल्द हराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन की सप्लाई पूरी करने के बाद अब वैंटीलेटर की संख्या बढ़ाई जा रही है तथा अगर किसी जगह पर वैंटीलेटर का उपयोग नहीं हो पा रहा है तो ऐसे वैंटीलेटर को जरूरत वाले स्थानों पर भेजा जाएगा, ताकि अधिक से अधिक मरीजों को जरूरी सुविधा मिल सके। इस अवसर पर पुरातत्व एवं संग्राहलय व श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री अनूप धानक, विधायक पलवल दीपक मंगला, विधायक हथीन प्रवीण डागर, अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंदरू, जिला नगर आयुक्त मोनिका गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त सतेंद्र दूहन, एसडीएम हथीन वकील अहमद, एसडीएम होडल लक्ष्मी नारायण, सिविल सर्जन डा. ब्रह्मदीप, जिला अध्यक्ष भाजपा चरण सिंह तेवतिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

लॉकडाउन के दौरान दुकानदारों ने अनोखे तरीके अपनाकर बेचा माल

तावडू। जिले में लोक डाउन लगते ही बाजार पूरी तरह बंद कर दिए गए हैं। लेकिन तावडू में लोकडाउन के दौरान बाजार में दुकानदारों द्वारा अभी भी अनोखे तरीके अपनाकर प्रशासन को गुमराह कर गैर जरूरी कारोबार को अंजाम देकर अपना माल बेचा जा रहा है। सोमवार को जैसे ही लॉकडाउन की शुरुआत हुई तो तावडू शहर में सुबह के समय लॉकडाउन का उल्लंघन भी देखने को मिला। ज्यादातर फल सब्जी की रेहड़ियां आम दिनों की तरह बाजार में नजर आ रही थी। वहीं प्रशासन की आंखों में धूल झोकने का प्रयास करते हुए कुछ दुकानदारों ने अपनी दुकान का शटर बंद कर काम करना शुरू कर दिया। नगर के पटौदी रोड पर सोमवार को शराब की एक दुकान में शराब बेचने का एक अनोखा तरीका देखने को मिला। जहां पर शराब विक्रेता द्वारा दुकान की शटर में एक छेद किया हुआ था। विक्रेता शटर को पूरी तरह बंद कर दुकान में ही मौजूद था। वह एक-एक कर ग्राहकों को शटर में किए गए छेद की मदद से शराब बेचकर बोतलें थमा रहा था। वहीं नगर के पटौदी रोड पर सैलून की दुकानों में भी यही हाल देखा गया। सुबह के समय बड़ी संख्या में सैलून की दुकान खुली हुई नजर आई जिनमें बड़ी संख्या में युवा मौजूद थे। पुलिस पेट्रोलिंग के दौरान इन दुकानदारों द्वारा शटर को नीचा कर पूरे दिन कार्य को अंजाम दिया गया और प्रशासन की आंखों में खूब धूल झोकी गई। वही पत्रकारों के कैमरे के सामने शराब विक्रेता द्वारा सैलून की दुकान चलाने वालों ने दुकानों को पूरी तरह बंद कर दिया। जिले में कोरोना संक्रमण को बढ़ते हुए सरकार द्वारा लॉकडाउन लगाने का निर्णय लिया गया है, लेकिन तावडू क्षेत्र में लोग अभी भी कोराना जैसी महामारी को हल्के में ले रहे हैं। जो एक कभी भी अपना घातक रूप ले सकती है। आपको बता दें कि जिले के अंतर्गत नूंह शहर के बाद तावडू शहर में ही सबसे ज्यादा कोरोना संक्रमित मरीजों का आंकड़ा अब तक रहा है। जो एक बेहद ही चिंता का विषय है। लेकिन तावडू में दुकानदारों द्वारा लालच में पर्दे के पीछे से अभी भी लॉक डाउन के उल्लंघन का खेल खेला जा रहा है।

स्लोगन लिख कर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का अभिवादन

फरीदाबाद। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में प्रेस संवाददाताओं, संपादकों और फोटोग्राफरों ने हमेशा घटनाओं के पीछे की सच्चाई के लिए अपनी प्रतिष्ठा और जीवन को जोखिम में डाला है। इस तरह के कार्यों के लिए स्वतंत्रता की एक डिग्री की आवश्यकता होती है जो लोकतांत्रिक देशों के गठन और मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा की गारंटी है। प्रत्येक वर्ष तीन मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस इसी उद्देश्य के लिए मनाया जाता है। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में जूनियर रेडक्रॉस, सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड और गाइड्स ने राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एन एच तीन फरीदाबाद में ऑनलाइन प्रेस दिवस मनाया। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने बताया कि 1993 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने तीन मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के रूप में घोषित किया था। यह घोषणा 1991 में यूनेस्को के छब्बीसवें आम सम्मेलन सत्र में की गई एक सिफारिश के बाद हुई। यह घोषणा भी 1991 विंडहोक घोषणा के परिणामस्वरूप हुई जब अफ्रीकी पत्रकारों द्वारा प्रेस की स्वतंत्रता के बारे में जिसे यूनेस्को द्वारा आयोजित एक सेमिनार में प्रस्तुत किया गया था 3 मई को संपन्न हुआ। जूनियर रेडक्रॉस और ब्रिगेड प्रभारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि विश्व प्रेस दिवस 2021 की थीम - एक सार्वजनिक सूचना के रूप में सूचना है अर्थात यूनिस्को ने वर्ष 2021 में विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की थीम लोगों के अच्छे के लिए सूचना उद्घोषित की है। यह विशेष रूप से प्रेस के लिए महत्वपूर्ण है, जो वैश्विक स्तर पर जानकारी के साथ पत्रकारों को सशक्त बनाने के लिए विश्व नागरिकता का प्रभावी ढंग से उपयोग और प्रसार करने के लिए प्रदान करता है। आज विद्यालय की बालिकाओं नेहा, हर्षिता, निशा, स्नेहा, अंकिता, जिया, अंजुम, प्रिया, खुशी, आरती और भूमिका ने प्राध्यापिका जसनीत कौर और प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा के मार्गदर्शन में प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक प्रेस में कार्यरत सभी मीडियाकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन के सम्मान में वर्चुअल सलोगन लिखे और उन्हें वर्तमान और भविष्य में निर्भीकता से अपने कार्य पर डटे रहने के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

जरूरतमंदों के लिए मुनाफाखोरों के खिलाफ उठाएंगे आवाज

फरीदाबाद। कोरोना की दूसरी लहर ने पूरे देश को अपनी चपेट में ले लिया है और प्रत्येक दिन नए मामलों की संख्या चार लाख को पार कर गई है। विशेष रूप से महामारी की दूसरी लहर का जवाब देने के लिए दवाओं और टीकों समेत विभिन्न चिकित्सा उत्पादों को देश में सस्ती कीमत पर उपलब्ध कराने की तत्काल आवश्यकता है। यद्यपि रेमेडिसवीर, फेविपवीर, कोवेक्सिन और कोविशील्ड का स्थानीय उत्पादन हो रहा है और कंपनियों ने स्वेच्छा से मूल्यों में कमी भी की है लेकिन समस्या की गंभीरता के कारण बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उपलब्ध मात्रा अत्यधिक अपर्याप्त है तथा मूल्य अत्यधिक है। स्वदेशी जागरण मंच के उत्तर क्षेत्र के संपर्क प्रमुख सतेन्द्र सौरोत ने कहा कि इस संदर्भ में, स्वदेशी जागरण मंच वैश्विक कॉरपोरेट बिल गेट्स के उस कथन का पुरजोर विरोध करता है, कि वे वैक्सीन फार्मूला, भारत और अन्य देशों के साथ साझा करने के खिलाफ हैं। यह सदी की भीषणतम महामारी के समय वैश्विक कॉरपोरेट जगत के अनैतिक और अनुचित लालच का उदाहरण है। इस समय देश को कम से कम 70 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण करने के लिए लगभग 195 करोड़ खुराक की आवश्यकता है। इसलिए राज्य सरकारों और निजी अस्पतालों के लिए घोषित कीमतों को कम किए जाने की तुरंत आवश्यकता है अन्यथा भारत में टीकाकरण की गति धीमी हो सकती है।

चार दिन बाद लगनी शुरू हुई कोविड वैक्सीन

सोहना। नागरिक अस्पताल में चार दिन के बाद कोविड वैक्सीनेशन शुरू किया गया। पंजीकरण कराने वालों को ही वैक्सीन लगाई गई। पहली और दूसरा बार टीका लगवाने से पहले अब ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा। नागरिक अस्पताल में 28 अप्रैल के बाद सोमवार से कोविड टीकाकरण शुरू किया गया। कोविड टीका लगवाने वालों की लाइन सुबह नौ बजे से ही लगनी शुरू को गई। सोमवार को टीका लगवाने के लिए लाइन में लगे लोगों में से 60 फीसदी लोगों ने पंजीकरण नहीं कराया था। इस कारण उन्हें टीका नहीं लगाया गया।

एक दिन में 100 को लगेगा टीका: कोविड टीका सेंटर पर अब एक दिन में 100 लोगों को ही लगेगा। पहले 100 लोगों को पंजीकरण के बाद अन्य का पंजीकरण 24 घंटे के बाद ही होगा। नागरिक अस्पताल में लोग अपना पंजीकरण करने का प्रयास करने में लगे हैं।

गुरुग्राम से सोहना पहुंचे टीका लगवाने : नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉ. नवल किशोर ने बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण कराने के बाद उपभोक्ता का नंबर जिले के किसी भी सेंटर पर नंबर आ सकता है। सोमवार को गुरुग्राम से कोविड टीका लगवाने के लिए सोहना के नगारिक अस्पताल में पहुंचे थे। अब टीका लगवाने वाले को स्वयं ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा।

कोविड नियमों की अवेहलना करने पर एक आरोपी गिरफ्तार

पलवल। नाइट कर्फ्यू के दौरान धारा-144 व कोविड-19 के नियमों की धज्जियां उड़ाते एक युवक को कैंप थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जबकि आरोपी का दूसरा साथी रात के समय अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी राधेश्याम के अनुसार कोविड़-19 की दुसरी लहर के चलते सरकार द्वारा धारा-144 के साथ-साथ नाइट कर्फ्यू के आदेश जारी किए हुए हैं। 3 मई से दस मई तक एक सप्ताह का संपूर्ण लॉकडाउन लगाया हुआ है। रविवार रात्रि एएसआई नियाज मोहम्मद व हेड कांस्टेबल रणजीत न्यू कॉलोनी में गश्त पर मौजूद थे। उसी दौरान करीब एक बजे दो युवक सड़क पर घूमते दिखाई दिए जिनमें से एक युवक को मौके पर ही काबू कर लिया गया जबकि दूसरा युवक अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो गया।

सोहना के कूड़ा केंद्र पर लगी आग

आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है

24 घंटे में तीन स्थानों पर बुझाई गई आग

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोमवार को सोहना के वार्ड-13 में बना अस्थाई कूड़ा केंद्र पर लगी आग को काबू करते दमकल कर्मी।

शहर के वार्ड-13 में बने कूड़ाकेन्द्र में लगी आग को दो घंटे में काबू किया गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका। बीते 24 घंटों में तीन स्थानों पर लगी आग को काबू किया है।

सोमवार दोपहर बाद शहर के वार्ड-13 की पहाड़ कॉलोनी में अरावली पहाड़ी के साथ बने नगर परिषद के अस्थाई कूड़ा केन्द्र में आग लग गई। आग की सूचना मिलने पर अग्निशमन विभाग की दमकल मौके पर पहुंच गई। अग्निशमन विभाग सेंटर के प्रभारी जयवीर भड़ाना ने बताया कि टीम के कर्मचारियों को आग पर काबू पाने में डेढ़ से दो घंटे का समय लगा। जिसमें तीन से चार दमकलों से पानी का छिड़काव किया गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

अभयपुर में लगी आग

रविवार दोपहर गांव अभयपुर और दमदमा के बीच जंगल की भूमि पर खड़े पेड़-पौधों में आग लगी। जिससे गर्मी के मौसम में सूखी झाड़ियों, छोटे पेड़, काबली कीकर की कटी हुई लकड़ियों में आग लग गई। आग तक पहुंचने में दमकल को रास्ता न होने के कारण बहुत ही मशक्कतों से पहुंचाया गया। सोमवार सुबह गांव सिलानी में पलवल-सोहना मार्ग के साथ पड़ा कूड़े-कचरे में आग लग गई। जिसकी सूचना ग्रामीणों ने सोहना अग्निशमन विभाग और सदर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे।

नहरी पानी पीने से इंकार कर रहे वार्ड-20-21 के बाशिंदे

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

वार्ड 20-21 की महिलाएं निजी सबमर्सिबल पंप से पीने के लिए पानी भरती हुई।

सोहना के वार्ड-20-21 के निवासी अपनी ही गलतियों से गंदा पानी पीने के लिए मजबूर हो रहे हैं। पीने के पानी की एक-एक बूंद इकट्ठा करने के लिए महिलाएं दर-दर की ठोकरें खा रही हैं। वार्ड निवासी पेयजल सप्लाई को नहरी पानी से जोड़ने नहीं दे रहे हैं।

शहर के वार्ड 20-21 में पिछले छह माह से पेयजल सप्लाई का संकट छाया हुआ है। वार्ड में होने वाली पेयजल सप्लाई के पानी से पूर्ति नहीं हो पा रही है। क्योंकि पानी की सप्लाई वार्ड में लगे जनस्वास्थ्य विभाग के ट्यबवेल से होती है। एक मात्र ट्यबवेल से करीब 500 घरों में पानी की आपूर्ति नहीं होती है। जिसके कारण महिलाएं निजी घरों में लगे सबमर्सिबल पंपों से पानी लाने के लिए दर-दर भटकती हैं।

क्या कहना है वार्ड की महिलाओं का

वार्ड निवासी कमलेश का कहना है कि नहरी पानी बदबूदार होता है। ट्यूबवेल का पानी मिट्टी देता है। जिससे स्थानीय निवासियों को प्रयाप्त मात्रा में पीने का पानी नहीं मिल रहा है। इतनी आबादी के बीच में एक मात्र ट्यूबवेल लगा है। जनस्वास्थ्य विभाग अधिकारियों को कई बार दूसरे ट्यूबवेल लगाने की मांग की गई है। यशोदा का कहना है कि पानी की सप्लाई 30 से 40 मिनट तक सही आती है। उसके बाद मिट्टी आने लगती है।

क्या कहते हैं अधिकारी : जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सइएन प्रेमसिंघल ने बताया कि शहर की 80 फीसदी आबादी नहरी पानी पी रही है। जिस ट्यूबवेल से वार्ड-20-21 में सप्लाई होती है। उसे वार्ड के निवासी जब चाहें अपने आप चला देते हैं। जिससे उसका पानी कम हो जाता है। जबकि नहरी पानी से सप्लाई को जोड़ने के लिए दो से तीन बार प्रयास किया है।

मकान में चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

पलवल। गांव दीघौंट स्थित एक मकान से रात के समय चोर दस हजार रुपये, मोबाइल फोन और चार्जर चोरी कर ले गए। सदर थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर गांव के ही तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तीसरे आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

पुलिस जांच अधिकारी नेपाल के अनुसार गांव दीघौंट निवासी विकास ने शिकायत दर्ज कराई है कि 30 अप्रैल की रात वह परिवार के साथ घर में सोया हुआ था। रात के समय घर से दस हजार रुपये, एक मोबाइल फोन और चार्जर चोरी हो गया। पीड़ित ने शिकायत में कहा है कि इस चोरी की वारदात को अंजाम गांव निवासी भगती, कुलदीप व दीपक ने दिया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपी भगती व कुलदीप को गांव से ही गिरफ्तार कर लिया। गहन पूछताछ के बाद आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन बरामद कर लिया। दोनों आरोपियों को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सीआरपीएफ कैंप कादरपुर में बनेगा सौ बेड का अस्थाई अस्पताल

सोहना। कादरपुर स्थित सीआरपीएफ कैंप में 100 बेड का अस्थाई अस्पताल बनाया जाएगा। जिसमें सीआरपीएफ के जवान, उनके परिजन और आसपास के ग्रामीण लोगों का उपचार किया जाएगा।

कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ने और इसकी गति रोकने के लिए सीआरपीएफ के जवान और उनके परिजनों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए कादरपुर स्थित कैंप में 100 बेड का अस्थाई अस्पताल बनाया जाएगा। अस्थाई अस्पताल बनाने के लिए स्वास्थ विभाग की टीम ने सोमवार को सीआरपीएफ कैंप का दौरा किया। इस दौरान अस्पताल बनाने वाले स्थान सहित दाखिल होने वाले रोगियों को चिकित्सा सुविधा आसानी से उपलब्ध कराने के संसाधन देखे गए। यहां आने वाले रोगियों को शौचालय से लेकर उनके खान-पान की सुविधा। रोगियों को लाने व लेकर जाने की सुविधा और ऑक्सीजन उपलब्ध होने की सुविधा का बारीकी से टीम ने देखा।

ग्रामीणों का भी होगा उपचार

सीआरपीएफ कैंप से लगते आसपास के गांव कादरपुर, नया गांव, रिठौज, सहजावास, भोंडसी, उल्लावास आदि में कोरोना संक्रमित का भी अस्थाई अस्पताल में उपचार किया जाएगा।

सीआरपीएफ की ने की थी मांग

घंघोला एसएमओ डॉ. विकास स्वामी ने बताया कि सीआरपीएफ कैंप के उच्चाधिकारियों ने परिसर में कोरोना संक्रमित होने वाले जवान और उनके परिजनों को चिकित्सा सुविधा दिए जाने के लिए अस्थाई अस्पताल बनाने की मांग की थी। कैंप की तरफ से सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था। सीआरपीएफ कैंप परिसर का सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने निरीक्षण किया है। जल्दी ही अस्थाई अस्पताल चालू कर दिया जाएगा।

सम्पूर्ण लॉकडाउन : पहला दिन अफरा-तफरी का रहा

सोहना में सम्पूर्ण लॉकडाउन के पहले दिन 11 बजे के बाद बंद हुए बाजार

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

प्रदेश में लागू सम्पूर्ण लॉकडाउन का पहला दिन अफरा-तफरी से भरा रहा। सुबह 11 बजे तक बाजरा खुलने पर सामान खरीदारों की भीड़ रही। सबसे ज्यादा भीड़ सब्जी मंडी में रही।

सोमवार से 7 दिन के लिए प्रदेश में सम्पूर्ण लॉकडाउन के आदेश होने से सुबह बाजार में किराना, सब्जी, दूध, मेडिकल स्टोर, अस्पताल, फल आदि दुकानें सुबह 11 बजे तक खुलीं। घरों से अपना जरूरी सामान की खरीद करने निकले लोगों की भीड़ रही। किराना की दुकानें व सब्जी मंडी में भीड़ रही। सब्जी मंडी में लॉकडाउन के नियमों को तार-तार कर दिया। सामाजिक दूरी का पालन देखने को भी नहीं मिला। मंडी में सब्जी लेकर आने वाले किसानों से लेकर ग्रामीण क्षेत्र से आए दुकानदार और आढ़तियों ने निमय दरकिनार करते हुए अन्य दिनों की तरह अपने-अपने कार्य में मस्त रहे। सब्जी मंडी नियम से 10 बजे बंद कर दी गई, लेकिन सब्जी मंडी की भीड़ शहर में कोरोना को बढ़वा देने में बारूद का काम कर रही है।

लाइनों में बेचा सामान : किराना की दुकानों पर ग्राहकों को दुकानदारों ने लाइनों में खड़ा करके सामान दिया। वहीं ग्राहक भी सामाजिक दूरी के नियम का पालन करते नजर आए। किराना का सामान खरीदने वालों की चहल कदमी रही। ग्राहकों आज के बाद सात दिन तक सामान न मिलने की उम्मीद से घर के राशन का कोटा पूरा कर रहे थे।

11 बजे बाद बाजारों में पसरा सन्नाटा : सोमवार को जो दुकानें सुबह छह बजे खुली थी, वे दुकानदार 11 बजे तक दुकान का शटर डाल अपने घरों को चले गए। 11 बजे के बाद कच्चे सामान दूध, दही, हलवाई की दुकानें खुली रही। बाजारों में पूरे दिन सन्नाटा पसरा रहा।

तावडू शहर में हार्डवेयर की दुकान से ढाई लाख की चोरी

तावडू। शहर में एक हार्डवेयर स्टोर की दुकान से ढाई लाख रुपये चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित दुकान मालिक की शिकायत पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस ने मामले में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अनिल कुमार निवासी वार्ड नंबर 12 तावडू ने बताया कि तावडू शहर में पुराना बस स्टैंड के नजदीक उनकी जिंदल हार्डवेयर स्टोर के नाम से दुकान है। उन्होंने बताया कि 26 अप्रैल की शाम को उन्होंने दुकान बंद की थी और मंगलवार को अवकाश होने के कारण बुधवार सुबह उन्होंने दुकान खोली तो उन्हें दुकान का शटर टूटा हुआ मिला।

हास्य दिवस : हंसने से छह गुना अधिक ऑक्सीजन मिलती है

पायनियर मसाचार सेवा। फरीदाबाद

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस, गाइड्स और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड ने प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में विश्व हास्य दिवस पर एक विशेष वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया।

प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि विश्व हास्य दिवस को अस्तित्व में लाने का श्रेय योग आंदोलन के संस्थापक डॉक्टर मदन कटारिया को जाता है। 11 जनवरी 1998 को उन्होंने पहली बार विश्व हास्य दिवस मनाया था। इसके पीछे उनका उद्देश्य समाज के बढ़ते तनाव को कम करके उन्हें सुखी जीवन जीने की सीख देना था। मनचंदा ने बताया कि कोरोना काल में लोगों के चेहरों से हंसी कहीं गायब सी हो गई है। चेहरे पर चिंता की लकीरें खिंची हुई हैं। तनाव मानव जीवन का अभिन्न अंग जरूर है लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण है कि हम रिएक्ट कैसे करते हैं। नकारात्मक ऊर्जा मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत असर डालती है, इसलिए सकारात्मक रहें। सकारात्मक रहेंगे तो इम्यूनिटी भी बेहतर रहेगी। कोरोना से बचाव को इम्यूनिटी अच्छी होना बहुत जरूरी है। मनचंदा ने कहा कि तनाव होने पर शरीर को आक्सीजन की अधिक जरूरत पड़ती है, जिससे फेफड़ों पर अधिक जोर पड़ता है। मेडिकल साइंस कहती है कि हंसने से हमारा ब्लड सर्कुलेशन ठीक रहता है। इससे हम कई बीमारियों से बचे रह सकते हैं, जिससे हमारा इम्यून सिस्टम बेहतर बना रहेगा। कार्यक्रम में प्राध्यापिका जसनीत कौर और छात्रा श्वेता, नेहा, हर्षिता, निशा, स्नेहा, अंकिता, जिया, अंजुम, प्रिया, खुशी, आरती आदि मौजूद थे।

बीके : ऑक्सीजन प्लांट से सिर्फ बिस्तरों पर होगी आपूर्ति

ऑक्सीजन सिलेंडर और टैंकरों में नहीं भरी जा सकती

कविता। फरीदाबाद

शहर के बादशाह खान सिविल अस्पताल में शुरू होने वाले ऑक्सीजन प्लांट से पूरे जिले में सप्लाई करने के दावे किए गए थे, लेकिन इस प्लांट से केवल अस्पताल के बिस्तरों पर भर्ती मरीजों को ही ऑक्सीजन दी जा सकेगी। इस प्लांट में मशीनें लगा रहे कर्मचारियों ने बताया कि यह ऑक्सीजन सिलेंडर और टैंकरों में नहीं भरी जा सकती। यह केवल बिस्तरों पर ही दी जा सकती है। क्योंकि यहां बनने वाली ऑक्सीजन का लेबल कम होगा। वह सिलेंडर व अन्य किसी चीज में नहीं डाली जा सकती।

जानकारी के मुताबिक जहां एक तरफ जिले में ऑक्सीजन गैस को लेकर लोग रात-रात भर प्लांटों के बाहर सिलेंडर लेकर खड़े होकर अपने नम्बर का इंतजार कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ जिले के बीके अस्पताल में बन रहे ऑक्सीजन प्लांट से भी उन्हें काफी उम्मीदें थीं। क्योंकि जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से दावे किए गए थे कि यहां ऑक्सीजन प्लांट बन जाने के बाद पूरे जिले में सिविल अस्पतालों समेत स्वास्थ्य केन्द्रों पर ऑक्सीजन की सप्लाई होगी। लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। क्योंकि यहां बन रहे प्लांट में बनने वाली ऑक्सीजन केवल बीके अस्पताल के मरीजों को ही उपलब्ध होगी। बीके अस्पताल में मशीनों को फिट कर रहे कर्मचारी हरमीत ने बताया कि यह ऑक्सीजन केवल अस्पताल में ही सप्लाई की जा सकेगी। सिलेंडरों में यह भरी नहीं जा सकेगी।

200 लीटर एक मिनट में होगी तैयार

हरमीत ने बताया कि यहां तैयार हो रहे प्लांट में हर एक मिनट में 200 लीटर ऑक्सीजन गैस तैयार होगी। इस ऑक्सीजन का प्रेसर इतना होगा कि यहां मौजूद बीके अस्पताल के सभी बिस्तरों तक ऑक्सीजन दी जा सकेगी। उन्होंने एक प्रश्न के जवाब में बताया कि यह गैस कनटेनरों और सिलेंडरों में नहीं भरी जा सकेगी। क्योंकि इस ऑक्सीजन का प्रेसर कम है। सिलेंडर और कनटेनरों में भरने के लिए अधिक प्रेसर की जरूरत होती है। यह गैस यहां हवा से बनेगी, वह सिलेंडर में नहीं भरी जा सकेगी।

रेडक्रॉस जल्द शुरू करने जा रही है कोविड केअर सेंटर

फरीदाबाद। कोविड- 19 महामारी के बढ़ते केसों के कारण बिस्तर, ऑक्सीजन और दवाइयों का अभाव होता जा रहा हैं जिससे दिन प्रतिदिन मानव जीवन की हानि हो रही है। इसी को मद्देनजर रखते हुए मानवीय संस्था भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ से प्राप्त निर्देश अनुसार यशपाल उपायुक्त फरीदाबाद के मार्गदर्शन में जिला रेडक्रॉस सोसायटी के द्वारा फरीदाबाद में बेड के अभाव को देखते हुए रेडक्रॉस नशामुक्ति केंद्र सेक्टर 14 फरीदाबाद के प्रांगण मे स्थित विभिन्न भवनों में 40 बिस्तरो वाला कोविड केयर सेंटर बनाने जा रही है। केंद्र संचालन की रूपरेखा तैयार करने को सोसाइटी के सचिव विकास कुमार, सहसचिव बिजेंद्र सौरोत, विमल खंडेलवाल समंवयक प्लाज्मा, पुरषोत्तम सैनी की संयुक्त टीम ने प्रस्तावित केंद्र के लिए विभिन्न जरूरत की चीजों के लिए जगह का मुआयना किया।

संक्षिप्त समाचार

मंडी में लगी आग से ट्रक हुआ जलकर खाक

फरीदाबाद। जिले की सबसे बड़ी डबुआ सब्जी मंडी में सोमवार दोपहर को किसी कारणवश एक ट्रक में आग लग गई थी। जिसके कारण आग भयंकर रूप से फैल गई। मार्केट कमेटी सचिव विपिन यादव की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। क्योंकि उन्होंने हाल ही मैं सरकार के आदेश पर डबुआ सब्जी मंडी में मासखोरों और फुटकर विक्रेताओं पर प्रतिबंध लगा दिया था। कोरोना महामारी को देखते हुए मार्केट कमेटी के सचिव विपिन कुमार यादव ने सब्जी मंडी के अंदर सोशल डिस्टेंसिंग का बहुत ही अच्छे से ख्याल रखा था। हर एक आढ़त की दुकान के बाहर एक आढ़त की दुकान को खाली जगह पर माल बेचने के लिए शिफ्ट करवा दिया था। जिससे कि मंडी के अंदर सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा पालन हो सके। यदि समय रहते मार्केट कमेटी सचिव विपिन कुमार यादव ने अपनी सूझबूझ से यह से यह फैसला नहीं लिया होता तो सोमवार को बहुत सी गाड़िया और बहुत सी दुकानें जलकर राख हो जातीं, लेकिन दूरी की वजह से आग जहां पर लगी थी वह ज्यादा दूर तक नहीं फैल सकी और समय रहते कुछ देर में अग्निशमन विभाग की तीन गाड़ियों ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पा लिया। परंतु एक ट्रक और कुछ खाली पड़ी हुई प्लास्टिक की क्रेट जलकर राख हो गई।

46 केंद्रों पर लगी 5333 लोगों को वैक्सीन

फरीदाबाद। जिले में 18 से ऊपर की उम्र के लोगों वैक्सीन न लगने से वे पिछले दो दिनों से परेशान थे। वहीं तीसरे दिन सोमवार को स्वास्थ्य विभाग ने उन्हें वैक्सीन लगानी शुरू कर दी है। जिले में मौजूद 46 स्वास्थ्य केन्द्रों समेत सिविल अस्पताल में वैक्सीन की डोज लोगों को लगाई गई, लेकिन यहां लोगों की भीड़ इतनी अधिक बढ़ गई कि यहां सोशल डिस्टेसिंग की धज्जियां उड़ती नजर आई। वहीं केन्द्रों पर घायलों को भी लम्बी लाइन में लगने को मजबूर होना पड़ा। ऐसा ही नजारा बीके सिविल अस्पताल के वैक्सीनेंशन सेंटर के बाहर देखने को मिला। जहां एक पैर में फैक्चर होने के कारण व्यक्ति वॉकर से पहुंचकर लाइन में खड़ा नजर आया। एक मई 400 से अधिक वैक्सीन लगाई गई। दो मई को 600 से अधिक वैक्सीन लोगों को लगाई गई। सोमवार को कुल 5333 लोगों को वैक्सीन लगाई गई। इन 46 केंद्रों में 18 वर्ष से अधिक उम्र के 4412 लोगों को वैक्सीन लगाई गई। शेष स्वास्थ्य कर्मियों, बुजुर्गों, फ्रंट लाइन वर्करों और 45 वर्ष से ऊपर के लोगों को लगाई गई।

साईंधाम करवा रहा कोरोना मरीजों को भोजन

फरीदाबाद। कोरोना महामारी के चलते हर तरफ डर का माहौल है। हर तरफ दु:ख और पीड़ा दिखाई दे रही है। कोविड मरीजों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। लोगों को अस्पतालों में जगह नहीं मिल रही है। लोग घरों में रह कर अपना इलाज करा रहे हैं। कोरोना से पीड़ित लोग खाने के लिए भी दूसरों की आस लगाए बैठे रहते हैं। खाना प्राप्त करने के लिए भी दूसरों की मदद की जरूरत होती है। कोविड मरीजों को ध्यान में रखते हुए तिगांव रोड स्थित शिरडी साईं बाबा टेंपल सोसयटी ने 19 अप्रैल 2021 से प्रतिदिन कोविड मरीजों को जो कोरेन्टाइन हैं उनको उनके घर पर दिन और रात का निशुल्क खाना उपलब्ध कर रही है। भोजन के पैकेट में दाल, चावल, सब्जी जैसी जरूरी और पौष्टिक चीजें शामिल की गई हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए भोजन की सेवा शुरू की है। ताकि कोविड मरीजों भोजन की दिक्कत न हो। कोविड मरीज जब तक स्वस्थ न हो जाएं तब भोजन मंगवा सकते हैं। कोविड मरीज संस्था में फोन करके अपने लिए खाना मंगवा सकता है। साईंधाम के संस्थापक डॉ. मोतीलाल गुप्ता ने कहा कि लोगों की सेवा ही ईश्वर की सेवा है। सेवा को परमों धर्म माना गया है। साईं धाम हमेशा से ही लोगों की सहायता करता आ रहा है और करता रहेगा। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि वे अपने आसपास के जरूरतमंद लोगों सहायता करें। संस्था प्रतिदिन 300-400 मरीजों के घर भोजन पहुंचा रही है। इस कार्य में शिरडी साईं बाबा टेंपल सोसायटी के स्टाफ मेंम्बर प्रिसिंपल बीनू शर्मा, सीमा गुलाटी, विकास राय, जय त्रिपाठी, विनोद शर्मा, जयदेव सिंह, भोला प्रसाद, जगदीश कपूर, किशोरी नन्दन, विक्रांत वर्मा, इंदरजीत, गौरव, विकास आदि इस नेक कार्य में अपना अमूल्य सहयोग दे रहे हैं।

वैक्सीन रजिस्ट्रेशन के नाम पर हो रही धोखाधड़ी : सीपी

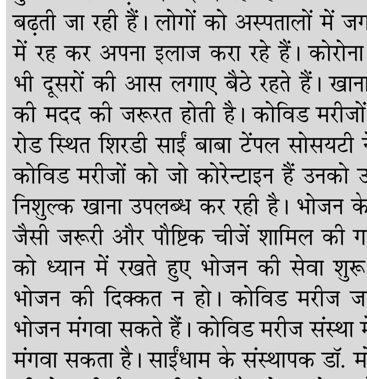

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त ओपी सिंह ने कोरोना वायरस के दौरान कोविड वैक्सीन रजिस्ट्रेशन के नाम पर होने वाले साइबर अपराधों के प्रति जागरूक होकर इस प्रकार की धोखाधड़ी से बचने की हिदायत दी है। इसके बारे में ट्विटर पर साझा की गई पोस्ट के माध्यम से उन्होंने बताया कि इस महामारी में एक तरफ जहां लोग अपनी जान को सुरक्षित रखने के लिए जूझ रहे हैं वही कुछ गलत प्रवृत्ति के लोग ऐसे समय में भी लोगों के साथ धोखाधड़ी करने से बाज नहीं आ रहे। इस कठिन समय में साइबर ठगों ने धोखाधड़ी का नया तरीका अपनाते हुए कोरोना वैक्सीन रजिस्ट्रेशन के नाम पर लोगों के साथ फ्रॉड करना शुरू कर दिया है जिसमें वह वैक्सीन रजिस्ट्रेशन के नाम पर लोगों को बेवकूफ बनाकर उनके खातों से पैसे उड़ा लेते हैं। उन्होंने कहा कि नागरिक अपने मोबाइल पर प्राप्त हुए ओटीपी को किसी भी व्यक्ति के साथ साझा न करें। यदि आपका ओटीपी साइबर ठगों के पास पहुंच गया तो नागरिकों को काफी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा। यदि कोई भी व्यक्ति आपको फोन करके वैक्सीन के नाम पर आपके बैंक खातों, क्रेडिट या डेबिट कार्ड संबंधित कोई भी जानकारी मांगता है तो तुरंत कॉल को डिस्कनेक्ट कर दें और इसकी शिकायत साइबर क्राइम से संबंधित वेबसाइट cybercrime.gov.in पर करें। पुलिस आयुक्त ने कहा कि साइबर अपराधों से बचने का सिर्फ एक ही तरीका है और वो है इसके प्रति जागरूक होना। साइबर अपराधों के प्रति जागरूक होकर आप अपने साथ-साथ अपने साथियों को भी साइबर अपराध का शिकार होने से बचा सकते हैं।

विधायक ने छापा मार किया ऑक्सीजन की कालाबाजारी का पर्दाफाश

सिलेंडर की कालाबाजारी में युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

राजेश दास। फरीदाबाद

विधायक नीरज शर्मा ने सिलेंडर की जमाखोरी का किया पर्दाफाश।

ऑक्सीजन सिलेंडर ब्लैक में बेचने वाला आरोपी पैसों के साथ।

जिला प्रशासन के लाख प्रयासों के बावजूद जिले में ऑक्सीजन गैस और सिलेंडरों की कालाबाजारी का गौरखधंधा रुक नहीं रहा है। वहीं लोग अपने बीमार परिजनों को बचाने के लिए ऑक्सीजन के लिए मारे-मारे फिर रहे हैं। एनआईटी के विधायक नीरज शर्मा ने सेक्टर 31 स्थित ऑक्सीजन गैस सिलेंडर के गोदाम में छापामारी कर जमाखोरी करने का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस गोदाम से 50 से ज्यादा भरे हुए सिलेंडर बरामद किए हैं। वहीं दूसरी तरफ पुलिस ने सेक्टर तीन से ऑक्सीजन गैस के सिलेंडर की कालाबाजारी करने के आरोप एक एसी मैकेनिक को गिरफ्तार किया है।

सिलेंडरों का जखीरा बरामद

विधायक नीरज शर्मा ने बताया कि जिले में ऑक्सीजन के सिलेंडरों की कालाबाजारी करने की उन्हें लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इस दौरान उन्होंने कुछ प्रयास भी किए, लेकिन आरोपी हाथ नहीं आए। जमाखोरी और मुनाफाखोरी करने वालों को पकड़ने के लिए उन्होंने अपने स्तर पर जाल बिछाया हुआ था। सोमवार दोपहर को उन्हें सूचना मिली सेक्टर 31 स्थित एक गोदाम में ऑक्सीजन सिलेंडरों का जखीरा मौजूद है। जहां से हर रोज बड़े पैमाने पर सिलेंडरों की कालाबाजारी की जा रही है। उन्होंने तुरंत मौके पर पहुंच कर संबंधित अधिकारियों को फोन किया। फोन रिसीव न होने पर उन्होंने डीजीपी मनोज यादव को फोन किया।

डीजीपी के आदेश विधायक की मौजूदगी में पुलिस ने गोदाम का ताला तोड़ा तो अंदर गैस सिलेंडरों का जखीरा मौजूद था। विधायक नीरज शर्मा ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

मैकेनिक गिरफ्तार

जवाहर कॉलोनी निवासी संदीप गोयल ने पुलिस को बताया कि कोरोना वायरस से पीड़ित एक मरीज के लिए उसे ऑक्सीजन की जरूरत है। ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए उसने सेक्टर-तीन निवासी सचिन से बात की है। सचिन सिलेंडर देने के लिए 50 हजार रुपये मांग रहा है। संदीप ने पुलिस को बता कर दोबारा आरोपी से सौदेबाजी की तो वह 45 हजार रुपये में तैयार को हो गया। संदीप ने जैसे ही रुपये दिये, पुलिस ने छापा मारकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

ऑक्सीजन सिलेंडरों को गैस प्लांट तक ले जाते लोग।

रियलिटी है यह

वहीं दूसरी तरफ मरीजों के तीमारदारों को गैस उपलब्ध नहीं हो रही है। उन्हें एम्बुलेंस में ही सिलेंडर लाकर गैस भराने के लिए कहा जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ मरीजों की लाइफ बचाने वाली एम्बुलेंसों जो निजी चल रही हैं, उन्हें भी गैस न मिलने के कारण मरीजों की जान बचाना भारी पड़ रहा है। एम्बुलेंस चालक गुड्डू, सुरजीत ने बताया कि रात-रात भर गैस प्लांट के बाहर खड़े रहने पर भी उन्हें सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं।

आपदा को अवसर न बनाएं भाजपा नेता : नीरज शर्मा

आक्सीजन के 13 सिलेंडर भाजपा विधायक के घर पहुंचाने का उठाया मुद्दा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विधायक नीरज शर्मा ने कहा कि जहां आज देश कोरोना की महामारी से जूझ रहा है। खासतौर पर फरीदाबाद में लोग ऑक्सीजन गैस की कमी के कारण रात-रात भर गैस के प्लान्टों पर खड़े होकर गैस लेकर आ रहे हैं, ताकि वे अपने मरीज की जान बचा सकें। वहीं गत एक मई को शाम छह बजे उपायुक्त फरीदाबाद द्वारा आन-लाइन जूम एप पर मीटिंग की। जिसमें केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, मूलचंद शर्मा, कैबिनेट मंत्री हरियाणा सरकार और फरीदाबाद के सभी विधायक उपस्थित थे। मीटिंग में नरेन्द्र गुप्ता, विधायक फरीदाबाद द्वारा कहा गया कि उपायुक्त मेरे द्वारा संगठन के लोगों के लिए 15 सिलेन्डर मांगे गए थे, लेकिन मेरे को 13 ही मिले।

इस आपदा की घड़ी में एक विधायक के कहने पर उनकी पार्टी के संगठन को सिलेन्डर देना बिल्कुल गलत है। इस आपदा के समय में सभी व्यक्ति समान हैं। सिलेन्डर सिर्फ पीडित व्यक्ति को ही दिए जाएं। विधायक के कहने पर 15-15 सिलेन्डर देने की राजनीति से प्रशासन को बचना चाहिए। विपदा की इस घड़ी में राजनीति करने से भी बचना चाहिए। ऐसी घटिया राजनीति से हमारा मनोबल टूटता है। सिर्फ हमारा मनोबल ही नहीं टूटता बल्कि उस व्यक्ति पर क्या बीतती होगी जिसका परिजन ऑक्सीजन नहीं मिलने पर काल का ग्रास बना। नरेन्द्र गुप्ता विधायक द्वारा जो बातें जूम मीटिंग में कही गईं, उन्हें आप भी उपायुक्त कार्यालय में मौजूद मीटिंग की रिकॉर्डिंग में देख सकते हैं।

महोदय, आपको बताना चाहूंगा कि इसमें समय और साधन दोनों की बर्बादी हुई है क्योंकि गैस सिलेन्डर लेने के लिए लोगों को आठ-आठ घंटे लाइन में खड़े रहना पड़ा। कई मरीजों की तो इसीलिए मौत हो गई कि उनके परिजन समय पर उन्हें आक्सीजन मुहैया नहीं करा पाए। विधायक फरीदाबाद नरेन्द्र गुप्ता का यह तो एक मामला सामने आ गया। ऐसा प्रशासनिक अधिकारियों ने न जाने कितने सत्तापक्ष के लोगों के कहने पर किया होगा। यह आम जनता के साथ धोखाधड़ी है। जिसके कारण जरूरतमंद के पास तक सिलेन्डर नहीं पहुंच पाए और उनकी मौत भी हो गई। इस तरह के मामलों के दोषी नेताओं, अधिकारियों और संगठन के लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया जाए।

कोरोना : 44 मौत पर सरकारी आंकड़ा चार 1805 नए मरीज

1037 मरीजों को ठीक होने पर घर भेज दिया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में रोज भारी संख्या में कोविड मरीजों की मौत हो रही है। जिले में सोमवार को 44 मरीजों की मौत हो गई। श्मशान, कब्रिस्तान में मृतकों के शवों के अंतिम संस्कार, दफनाने तक को स्थान नहीं मिल रहा है। जिस कारण सभी धर्मो के नियम और रस्मों को तोड़ते हुए उन्हें पीएनजी शवगृहों का रुख करने को मजबूर होना पड़ रहा है। सोमवार को एक समुदाय विशेष के 34 वर्षीय मृतक को कब्रिस्तान में दफनाने की जगह न मिली तो परिजनों ने अजरौंदा के श्मशानघाट में पीएनजी के माध्यम से अंतिम संस्कार कराया। जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों में 44 के बजाय मात्र चार मौतें दर्शाई गई। वहीं जिले में कोरोना पीड़ित 1805 नए मरीज पाए गए हैं। जबकि 1037 मरीजों को ठीक होने पर घर भेज दिया गया है। मरीजों के स्वस्थ्य होने की दर 81.07 प्रतिशत रह गई है।

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल जांचे	: 680852
अब तक पॉजिटिव	: 78079
अब तक नेगेटिव	: 600009
रिपोर्ट आनी शेष	: 2764
ऑक्सीजन पर है	: 648
वैंटीलेटर पर है	: 116
अब तक मौत	: 524
अब तक ठीक	: 63798
जिले में एक्टिव	: 13757

यहां से पॉजिटिव

1855 पॉजिटिव पाए गए है। जिसमें डबुआ कॉलोनी से 11, सेक्टर-9 से 32, सेक्टर-15 से 33, सेक्टर-11 से 2, सेक्टर-10 से 16, सेक्टर-14 से 5 मरीज है। चावला कॉलोनी से 5, सेक्टर-3 से 11, सेक्टर-5 से 24, सेक्टर- 37 से 21, सेक्टर-35 से 4 मरीज है। सेक्टर-34 से 4, सेक्टर-32 से 7, सेक्टर-17 से 24, सेक्टर-16 से 21, सेक्टर-19 से 20, सेक्टर-21 से 21, जवाहर कॉलोनी से 19, सेक्टर-8 से 63, सेक्टर-7 से 64, एनएच-1 से 21, सेक्टर-42 से 5, सेक्टर-49 से 28, सेक्टर-89 से 11, एनएच-दो से 4, एनएच-3 से 6, सेक्टर-30 से 14, सेक्टर-28 से 22, सेक्टर-31 से 13, सेक्टर-3 से 8, सेक्टर-81 से 9, सेक्टर-82 से 19, सेक्टर-88 से 20, सेक्टर-86 से 15, सेक्टर-75 से 7, सेक्टर-89 से 9 मरीज है। सेक्टर-77 से 15, एनएच-5 से 20, सेक्टर-22 से 20 मरीज है। सेक्टर-23 से 20, सेक्टर-48 से 8, सेक्टर-15ए से 17, सेक्टर-65 से 10, सेक्टर-64 से 11, सेक्टर-62 से 8 और अन्य एरियों से 1098 मरीज शामिल है।

प्रार्थना सभा में रोटेरियन जेपी सिंह को श्रद्धांजलि दी

जूम एप पर आयोजित सभा में दिवंगत आत्मा को याद किया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

रोटरी क्लब फरीदाबाद मिडटाउन ने अपने निवर्तमान प्रधान रोटेरियन जेपी सिंह मक्कड़ को यहां जूम पर आयोजित प्रार्थना सभा में श्रद्धांजलि दी। क्लब की मींटिंग में चार्टर प्रेजीडेंट रोटेरियन जेपी मल्होत्रा सहित रोटेरियन बंधुओं ने जहां दिवंगत आत्मा को याद किया। वहीं परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की गई।

उल्लेखनीय है रोटेरियन जेपी सिंह मक्कड़ का स्वर्गवास कोविड के कारण 30 अप्रैल को हो गया था। रोटेरियन जेपी मल्होत्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वे वास्तव में एक समर्पित सेवादार थे जिन्होंने समाज व मानव कल्याण के कार्यों में सदैव आगे बढ़कर काम किया। सतीश गोंसाई ने उनके निधन को रोटरी लहर व समाज के प्रति ऐसा नुकसान बताया जिसकी पूर्ति संभव नहीं। क्लब के प्रधान पंकज गर्ग ने स्वर्गीय मक्कड़ को एक आदर्श रोटेरियन के रूप में याद किया। क्लब के पूर्व प्रधान मनोहर पुनयानी, सुनील गुप्ता, जीपी एस चौपड़ा, अनिल बहल, सुधीर जैनी, अमरजीत लाम्बा, जितेंद्र सिंह छाबड़ा, पीजेएस सरना ने रोटेरियन मक्कड़ को याद करते हुए उनके कार्यों का उल्लेख किया। प्रेसीडेंट नोमिनी विजय राघवन, रोटेरियन राजेश कुमार, राकेश जैन, ललित हसीजा, दिनेश जांगड़, आशीष वर्मा ने भी रोटेरियन मक्कड़ को याद किया। इस अवसर पर एक मिनट का मौन भी रखा गया।

मींटिंग में विजेंद्र गोयल, सतींद्र छाबड़ा, सचिन जैन, सचिन खोसला, उपेंद्र सिंह, सतेंद्र चौहान, दीपा कपूर, जेके मनोचा, इंद्रपाल लाल, ऋषभ जैन, सिमर सरना, प्रतिभा गोंसाई, अनिता मल्होत्रा, सुदेश लाम्बा, मिनी चौपड़ा, रितु गुप्ता, विभा खोसला, मीनल गर्ग, डाक्टर पुनीता हसीजा, नूपुर जैनी, अनु छाबड़ा, गुनीत कौर, पूनम बहल, ओ पी भाटिया, अशोक बुद्धिराजा, चेतन साहनी, विजी राघवन सहित फरीदाबाद चैम्बर आफ कामर्स के प्रधान एच के बत्तरा, जिला गवर्नर संजीव राय मेहरा, पीडीजी विनय भाटिया, डीजीएन अशोक खंतूर, मोहित भाटिया ने भी स्वर्गीय जेपी एस मक्कड़ को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

सरकार ऑक्सीजन और दवाओं की कमी नहीं होने देगी : मूलचंद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रदेश में तेजी से बढ़ी कोरोना महामारी के चलते लोगों को ऑक्सीजन की कोई कमी न हो इसके लिए हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने सोमवार को फरीदाबाद स्थित आर्गन एयर गैसेस कृष्णा कॉलोनी और भागीरथी ऑक्सीजन गैस प्लांट सेक्टर 24 का अचानक दौरा कर फरीदाबाद जिले में सप्लाई की जा रही ऑक्सीजन का ब्योरा लिया। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार ऑक्सीजन और दवाओं की कोई कमी नहीं रहने देगी।

उन्होंने बताया कि जिले में अभी 16 टन ऑक्सीजन आ रही है और जल्द ही 20 टन की सप्लाई शुरू हो जाएगी। मूलचंद शर्मा ने इस मौके पर अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा है कि प्रसाशन द्वारा यदि कोई लापरवाही की गई तो कार्रवाई की जाएगी। फरीदाबाद जिले के लिए जो ऑक्सीजन आ रही है फरीदाबाद जिले में जहां-जहां जितनी जरूरत है उसके मुताबिक पहुंचाई जाएगी। मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार के दिशा निर्देश अनुसार बल्लभगढ़ की एसडीएम आईएएस अपराजिता ने अच्छी पहल करते हुए ऑक्ससीजन नाम से ऐप लॉन्च की है। जिसकी सराहना करते हुए मंत्री उन्होंने कहा की अब ऑक्ससीजन लेने के लिए लोग अपना रजिस्ट्रेशन इस ऐप के माध्यम से करा टोकन ले सकते हैं और लोगों को घंटे भर लाइन में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ेगी और ऑक्सीजन गैस आसानी से मिल जाएगी। इस मौके पर बल्लभगढ़ की एसडीएम आईएएस अपराजिता और फरीदाबाद के अतिरिक्त उपायुक्त सतवीर मान एसपी दलवीर सिंह के अलावा ऑक्ससीजन प्लांट पर ड्यूटी दे रहे अधिकारी भी मौजूद रहे। परिवहन मंत्री ने सिलेंडर को लेकर ऑक्सीजन भरवाने आए लोगों से भी बात की और उनकी समस्याएं जानीं।

उन्होंने कहा कि सभी लोग कोरोना से बचाव के नियमों का पालन करते हुए डिस्टेंस से लाइन में मास्क लगाकर खड़े हों ताकि यह महामारी की चेन फैलने से रोका जा सके। उन्होंने लोगों को हिम्मत से काम लेने की बात कही है और कहा कि सभी को ऑक्सीजन और दवाएं देना सरकार की प्राथमिकता है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में लगातार प्रदेश को ऑक्सीजन और दवाइयां देने के लिए तमाम प्रशासनिक अधिकारी मेहनत और लगन से अपने काम में जुटे हुए हैं।

कोरोना का संकट
खराब हुई छवि

कोरोना महामारी के कारण दुनिया भर में भारत की छवि को भारी धक्का लगा है। समय आ गया है कि हम दुनिया को अपनी असली शक्ति दिखा दें। विदेशी मीडिया ने कोविड-19 को सनसनी की तरह पेश कर हमें दुनिया अश्पृश्य जैसा बना दिया है। महामारी फैलने के कारण नई दिल्ली से हवाई संपर्क तोड़ लिए गए हैं और भारत इस समय ऐसी चुनौती का सामना कर रहा है जैसी स्वतंत्रता के बाद बहुत कम आई है। किसी महामारी, विदेशी आक्रमण या घरेलू अव्यवस्था के कारण आर्थिक मंदी का कुछ समय सामना करना एक बात है, लेकिन इस आयाम की विभीषिका का सामना करना एकदम अलग है। बढ़ते मामलों और मौतों के कारण स्वाभाविक रूप से विदेशी मीडिया ने अपना फोकस ट्रंप युग की समाप्ति के बाद अमेरिका में मची अफरातफरी के बाद अब भारत पर कर लिया है। ट्रंप अपने कार्यकाल में खबरों की भूखी मीडिया को काफी मसाला देते रहते थे, पर अब महामारी पर नियंत्रण के बाद व्हाइट हाउस पर मीडिया का ज्यादा ध्यान नहीं है और वैश्विक खबरिया मीडिया ने अपना ध्यान तेज घटनाक्रम वाले भारत की ओर मोड़ दिया है। फुटपाथों पर मर रहे मरीजों, कुत्तों के श्मसान में अंतिम संस्कार, अस्पतालों में बिस्तरों व आक्सीजन सिलिंडरों की कमी तथा ब्लैक मार्केट में 10 गुना दाम पर बिक रहे रेमेडेसेविर इंजेक्शनों की दु:खद खबरों ने मीडिया में जगह बना ली है। कुछ राज्यों द्वारा सोशल मीडिया पर सूचना साझा करने के खिलाफ तुगलकी आदेशों से मामला और खराब हो गया है। महाकुंभ और विधानसभा चुनावों ने विदेशी मीडिया को धर्म और राजनीति का एक काकटेल परोस दिया है।

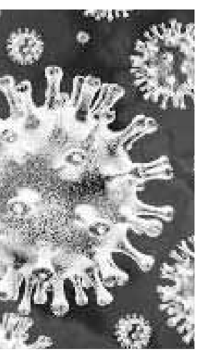

संदेहवादी विदेशी मीडिया कवरेज को पूर्वाग्रही व षडयंत्र से प्रेरित कह सकते हैं, पर तथ्य यह है कि पश्चिमी मीडिया अपनी प्रकृति से साधारण चीजों को सनसनीखेज तरीके से पेश करता है। ऐसे में वे यह अवसर क्यों छोड़ेंगे जहां सभी प्रकार की चीजें हैं। इसके परिणामस्वरूप दर्जनों देशों ने भारत से संपर्क काट लिए हैं और अपने नागरिकों को घर लौटने के लिए कहा है। बिगड़ते स्वास्थ्य ढांचे और अराजकता के कारण भारत को आज अश्पृश्य देश की तरह देखा जा रहा है। यह वही देश है जो कोरोना-पूर्व के दिनों में दुनिया की महाशक्तियों के लिए चुनौती के रूप में उभरा था। लेकिन कोरोना ने जल्दी ही इस छवि को एकदम उलट दिया है। विदेशी मीडिया में हो रही बहस में ज्यादातर ध्यान सुशासन के कथित अभाव पर दिया जा रहा है, वहीं इस तथ्य को अनदेखा किया गया है कि सड़कों पर चलने वाले लोग भी वायरस के प्रसार के लिए समान रूप से जिम्मेदार हैं।

यह स्पष्ट है कि हम भारतीय प्रोटोकालों और निर्देशों का पालन तभी करते हैं जब इनको दंडात्मक उपायों के माध्यम से हमारे ऊपर थोप दिया जाता है। ऐसे में यह उल्लेख करना भी महत्वपूर्ण है कि हमारे नेताओं ने भी आत्मानुशासन का उदाहरण नहीं पेश किया है। लेकिन इसमें कुछ भी नया नहीं है। भारत इस समय एक गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है, जिसमें नेताओं और आम जनता को एकसाथ आ कर उपयुक्त कदम उठाने चाहिए तथा यह छवि बदलने का प्रयास करना चाहिए। विश्व समुदाय को सही संदेश देने के लिए मजबूत राजनीतिक एकता स्थापित करना अत्यधिक दूरगामी कदम होगा। समय आ गया है कि सभी पार्टियों को समझना होगा कि देश उनके राजनीतिक लक्ष्यों से बड़ा है। वे और केवल वे ही जनता को लामबंद कर सकते हैं कि दुनिया में हमारी खराब हो रही छवि ठीक करने की दिशा में उचित कदम उठाए जाएं।

छोटी फर्मों को प्रोत्साहन देना आवश्यक

न केवल छोटी फर्मों को धन मुहैया कराने के लिए बल्कि वित्तीय संसाधनों के प्रबंधन में उनकी मदद करने अनुकूल नीतियां बनाने की आवश्यकता है।

हिमा बिंदू कोटा
(लेखिका एमिटी विश्वविद्यालय में सह प्रोफेसर हैं)

किसी भी व्यवसाय की जीवन रेखा वित्त है। धन का आवंटन और उपयोग - तकनीकी रूप से पूंजी बजट के रूप में जाना जाता है - किसी भी व्यवसाय के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक निर्णयों में से एक है। लेकिन क्या यह निर्णय बड़ी कंपनियों की तुलना में छोटी कंपनियों के लिए अलग है? बड़े उद्यमों की तुलना में छोटे उद्यमों में पूंजी का आवंटन अक्सर अधिक महत्वपूर्ण होता है - पूंजी बाजारों तक उनकी कमी को देखते हुए - क्योंकि गलती को ठीक करने के लिए आवश्यक धन उपलब्ध नहीं हो सकता है। इसके अलावा, बड़ी कंपनियां कई परियोजनाओं के लिए पूंजी आवंटित करती हैं, इसलिए एक में गलती दूसरों में सफलता से ऑफसेट हो सकती है।

जबकि पूंजी निवेश छोटी फर्मों के लिए एक प्रासंगिक क्षेत्र है, पिछले चार दशकों के दौरान किए गए अधिकांश अध्ययनों में बड़े उद्यमों के पूंजीगत बजट निर्णयों पर ध्यान केंद्रित किया गया है और छोटे संगठनों के लिए समान सबूत मौजूद नहीं हैं। इसलिए, छोटे व्यवसायों के पूंजी बजट प्रथाओं के बारे में बहुत कम जाना जाता है। दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं में छोटी कंपनियों के अनुपात और महत्व को देखते हुए और प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए संसाधनों के अधिक कुशल उपयोग के लिए उनकी निरंतर प्रेरणा के लिए, छोटी कंपनियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली विधियों पर जानकारी की निश्चित आवश्यकता होती है ताकि उनकी दुर्लभ पूंजी जमा और आवंटित की जा सके।

लघु और मध्यम उद्यम (एसएमई) क्षेत्र किसी भी बढ़ती अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसे विकास के इंजन के रूप में पहचाना जाता है - लगभग 70 प्रतिशत रोजगार और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महत्वपूर्ण योगदान। इस क्षेत्र के योगदान को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से देखा जा सकता है, जो दर्शाता है कि यह विनिर्माण सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 6.11 प्रतिशत और सेवाओं से सकल घरेलू उत्पाद में 24.6 प्रतिशत योगदान देता है। इसके अलावा, भारत से कुल निर्यात में इसकी 45 प्रतिशत हिस्सेदारी है और लगभग 120 मिलियन लोगों को रोजगार प्रदान करता है। यह 8,000 से अधिक विविध उत्पादों का विनिर्माण करता है, जिसमें कम-तकनीकी वस्तुओं से लेकर तकनीकी रूप से उन्नत वाले भी शामिल हैं। विश्व स्तर पर, दुनिया के सभी उद्यमों का 99.7 प्रतिशत एसएमई है और शेष 0.3 प्रतिशत बड़े पैमाने पर उद्यम हैं। भारत में एसएमई क्षेत्र में सभी औद्योगिक इकाइयों का 95 प्रतिशत हिस्सा है। चूंकि यह क्षेत्र किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर रूप से महत्वपूर्ण है, इसके अस्तित्व के लिए उचित वित्तीय प्रबंधन का अत्यधिक महत्व है। यह एक ज्ञात तथ्य है कि वित्तीय समस्याएं अक्सर छोटे व्यवसायों की विफलता का एक प्रमुख कारण होती हैं। दो प्रमुख समस्याएं, अंडरकैपिटलाइजेशन और बाहरी वित्त सहायता प्राप्त करने में कठिनाई, अक्सर खराब वित्तीय प्रबंधन से संबंधित होती हैं। गरीब और कुछ मामलों में पारंपरिक ऋण देने के स्रोतों से लाभ उठाने के लिए उचित वित्तीय रिकॉर्ड रखने वाली छोटी फर्मों की कमी है क्योंकि ये व्यवसाय उनकी वित्तीय व्यवहार्यता को प्रदर्शित नहीं कर सकते हैं। स्टार्ट-अप चरण में कई एसएमई, एक व्यवसाय के संचालन की लागत को कम करते हैं और इस प्रकार नकदी प्रवाह और आवश्यक परिचालन पूंजी की मात्रा का प्रबंधन करने में विफल होते हैं। कई अध्ययनों ने एसएमई प्रदर्शन और विशिष्ट वित्तीय प्रथाओं के बीच सहयोग के अस्तित्व को स्थापित करने का प्रयास किया है। सबूत बताते हैं कि एसएमई द्वारा सफल वित्तीय प्रदर्शन का वित्तीय मामलों के प्रभावी प्रबंधन, जैसे कि नियोजन, वित्तीय रिकॉर्डों का रखरखाव, बाहरी वित्त प्राप्त करना, पेशेवर वित्त सलाह और अन्य कारकों के साथ एक सकारात्मक जुड़ाव है।

पूंजी बजट सिद्धांत कुछ मान्यताओं पर आधारित है जैसे सभी सकारात्मक शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) परियोजनाओं में निवेश करके और नकारात्मक एनपीवी वाले लोगों को अस्वीकार करके शेयरधारकों के धन को अधिकतम करना; और संपूर्ण वित्तीय बाजारों तक पहुंच, यह सभी मूल्य वर्धित परियोजनाओं को वित्त करने की अनुमति देता है। हालांकि, छोटी कंपनियों के लिए इन धारणाओं की प्रयोज्यता संदिग्ध हो सकती है। पृथक्करण सिद्धांत, जिसमें कहा गया है कि निवेश के निर्णयों को शेयरधारकों के स्वाद और वरीयताओं से स्वतंत्र किया जा सकता है, बारीकी से आयोजित और छोटे व्यवसायों के लिए नहीं है। एनपीवी तकनीक के तहत, अगर एनपीवी सकारात्मक है, तो यह स्वीकार कर लिया जाता है, अगर नकदी बहिर्वाह भविष्य के नकदी प्रवाह के मौजूदा मूल्यों से कम है, जो पूंजी की फर्म की लागत पर छूट देता है। हालांकि, चूंकि छोटी फर्मों के शेयर आसानी से बाजार में नहीं आते हैं, इसलिए छोटे व्यवसायों में बाजार निर्धारित छूट दरें अनुचित हैं। बड़ी और छोटी कंपनियों के लिए पूंजीगत बजट के बीच सबसे महत्वपूर्ण अंतर यह है कि पूर्व के निर्णयों में स्टॉकहोल्डर्स के दृष्टिकोण से स्वतंत्र रूप से किया जा सकता है, लेकिन बाद में, यह आवश्यक है कि मालिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल हों। छोटी कंपनियों को पूंजी बाजार से धन जुटाने में भी कठिनाई होती है। वास्तव में, इक्विटी और दीर्घकालिक फंडों की कमी देश में एसएमई के विकास को रोकती है। इसके अलावा, अनुसंधान से पता चलता है कि छोटी कंपनियां अपनी सूचना-अपारदर्शिता और मजबूत बैंकिंग संबंधों की कमी के कारण बैंक ऋणों का उपयोग करने में सक्षम नहीं हैं। इसके अलावा, कुछ छोटे उद्यमों के लिए, सार्वजनिक मुद्दे के माध्यम से धन जुटाना असंभव है और दूसरों के लिए यह निषेधात्मक रूप से महंगा हो सकता है। उपर्युक्त नकदी की कमी छोटे उद्यमों को किसी भी संभावित आकर्षक निवेश अवसर के लिए पर्याप्त नकदी संतुलन बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करती है। यद्यपि एसएमई क्षेत्र समग्र अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख तरीके से योगदान देता है, पिछले चार दशकों में वित्तीय अनुसंधान ने खुद को बड़े संगठनों द्वारा पसंद की जाने वाली पूंजी बजट तकनीकों को समझने तक सीमित कर दिया है और एनपीवी, आंतरिक दर वापसी (आईआरआर) जैसे परिष्कृत उपकरणों के उपयोग का अध्ययन किया है।), लाभप्रदता सूचकांक (पीआई) और पेबैक जैसे आसान उपकरण। भारत में 333 छोटी फर्मों पर किए गए एक शोध में, यह स्पष्ट हो गया कि देश में छोटे व्यवसाय पूंजी निवेश सिद्धांत द्वारा अनुशंसित लोगों की तुलना में संभावित निवेश का विश्लेषण करने के लिए कम परिष्कृत तरीकों को नियुक्त करते हैं। विशेष रूप से, सर्वेक्षण के परिणाम बताते हैं कि ये फर्म कैश फील, पेबैक अवधि और रिटर्न की लेखांकन दर की तुलना में कम कैश डिस्काउंट फ्लो (डीसीएफ) विश्लेषण का उपयोग करती हैं।

हालांकि 46 प्रतिशत उत्तरदाताओं के पास पेशेवर डिग्री है, वे आर्थिक रूप से साक्षर नहीं हो सकते हैं और उनकी छोटी प्रबंधन टीम एक पूंजी बजट विश्लेषण करने के लिए पर्याप्त सक्षम नहीं हो सकती है। इसके अतिरिक्त, डीसीएफ तकनीकों को लागू करने के लिए एक बाहरी सलाहकार को नियुक्त करना छोटी कंपनियों के लिए महंगा साबित हो सकता है। चूंकि पूंजी परियोजनाएं आकार में अपेक्षाकृत छोटी होती हैं, इसलिए उनका विश्लेषण करने की लागत को बनाए रखना किफायती नहीं हो सकता है। इससे पता चलता है कि छोटी परियोजनाओं के साथ छोटी फर्मों को समझ में आ सकता है जब वे कम परिष्कृत तकनीकों पर या मालिकों के सहज एहसास पर निर्भर करते हैं। चूंकि छोटी फर्में बुनियादी अस्तित्व से संबंधित हैं, वे नकदी-उन्मुख होते हैं और इसलिए पेबैक तरीकों पर जोर दे सकते हैं।

छोटे व्यवसाय के मालिक भी तत्काल भविष्य से परे पूर्वानुमान बनाने में सहज नहीं हैं क्योंकि वे नकदी प्रवाह और पूंजी बजट में अधिक अनिश्चितता का सामना करते हैं। शिक्षा, सरकार की नीतियों और वास्तविक व्यापारिक दुनिया के बीच एक अंतर मौजूद है। पारंपरिक व्यावसायिक शिक्षा ज्यादातर बड़ी फर्मों के वित्तीय प्रबंधन पर केंद्रित है। हालांकि, प्रमुख ध्यान अब छोटे व्यवसायों के वित्तीय प्रबंधन में स्थानांतरित करना है। इसके अलावा, अनुकूल नीतियों को न केवल छोटी फर्मों को धन प्रदान करने के लिए, बल्कि उन्हें धन के प्रबंधन में मदद करने के लिए भी तैयार किया जाना है।

नेपाल सरकार की दिशाहीन नीतियां

ऋषि गुप्ता
(लेखक जेएनयू में शोधार्थी हैं)

नेपाली राजनीति का एक सामान्य तत्व राजनीतिक दृष्टिकोण से अनिश्चित होना तथा उसका अनुमानों से परे काम करना है। उसके ये कदम राष्ट्रीय कल्याण से बहुत दूर हैं तथा उन्होंने देश की राजनयिक पहल को नुकसान पहुंचाया है। केपी ओली नीत वर्तमान सरकार न घरेलू मामलों पर ध्यान दे पा रही है और न उसने देश की विदेश नीति मजबूत करने की चिन्ता की है। इस समय नेपाल में कोविड-19 के मामले भी बढ़ रहे हैं और वह भारत या चीन से मिलने वाली वैक्सीनों का ठीक से प्रबंधन नहीं कर पा रहा है। नेपाल इस समय राजनयिक अलगाव का सामना कर रहा है। नई दिल्ली में होने वाले रायसीना डायलाग, चीन में बीओएओ फोरम बैठक तथा अमेरिका में जलवायु परिवर्तन पर हुए सम्मेलन में नेपाल की अनुपस्थिति से यह बहस तेज हो गई है कि क्या नेपाल सरकार विदेश नीति के मामले में गंभीर है। हालांकि, अभी नेपाल भारत को ज्यादा सहयोग का आश्वासन देने में विफल रहा है, पर लगता है कि चीन भी रणनीतिक हितों के मामले में ओली सरकार पर आंखें मूंद कर विश्वास करने पर पुन: विचार कर रहा है। दूसरी ओर अमेरिका भी ओली से इसलिए नाराज है कि उन्होंने मिलीनियम चैलेंज कोआपरेशन-एमसीसी में शामिल होने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई क्योंकि चीन इसे एक सैनिक मंच मानता है, जबकि इससे नेपाल को सस्ते व हरित परिवहन, बिजली, क्षेत्रीय सुरक्षा, शांति व विकास के नए रास्ते मिल सकते हैं।

नेपाल गंभीर जलवायु परिवर्तन चुनौतियों का सामना कर रहा है। 2015 में भूकंप से आई भयानक विभीषिका के साथ ही माउंट एवरेस्ट पर पड़ने वाले प्रभाव, जंगलों में लगने वाली आग, हवा की गुणवत्ता खराब होने तथा देश में स्वच्छ जल सप्लाई में कमी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां नेपाल को अंतरराष्ट्रीय सहायता की आवश्यकता है। अमेरिका की बाइडेन सरकार ने जलवायु परिवर्तन तथा पेरिस घोषणा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि की है।

हालिया जलवायु शिखर सम्मेलन इस दिशा में नई शुरुआत है। नेपाल को इस सम्मेलन में आमंत्रित करना अपरिहार्य था, पर एमसीसी पर ठीक राजनयिक व्यवहार न करने वाली आत्मकेन्द्रित ओली सरकार ने नेपाल की बात रखना ठीक नहीं समझा। अमेरिका ने अक्सर नेपाल से एमसीसी को प्राथमिकता देने को कहा है, लेकिन नेपाल की सभी कम्युनिस्ट सरकारों ने इसे अमेरिका बनाम चीन जैसा मामला बना दिया है। सरकार ने घोषणा की थी कि सागरमाथ संवाद या एवरेस्ट संवाद बहुपक्षीय संवाद मंच होगा जिसकी प्रतिबद्धता प्रमुख वैश्विक, क्षेत्रीय व राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर विचार करना होगी। पहले संवाद का आयोजन 2-4 अप्रैल को होना था, पर इसे महामारी के कारण टाल दिया गया। हालांकि, नेपाल ने इसमें होने वाली चर्चा में भाग लेने के लिए अमेरिका, भारत व चीन को आमंत्रित किया है, पर नेपाल द्वारा जलवायु सम्मेलन में भाग न लेने से वाशिंगटन में नेपाल के बारे में बेचैनी बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि नेपाल ने जलवायु परिवर्तन को 2016 में घोषित अपनी पहली राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में 'राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे' की तरह पेश किया है। यह नीति इस उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय फंड प्राप्त करने की इच्छा प्रकट करती है। ओली ने इस बात के सारे प्रयास किए हैं कि भारत के साथ खराब हुए संबंधों को ठीक किया जाए। निकटतम पड़ोसी के रूप में भारत हमेशा सभी संकटों में नेपाल के साथ खड़ा हुआ है। भारत ने पहाड़ियों से माओवादी छापामार समूहों को हटाने तथा उन्हें संवाद के लिए मजबूर करने का काम किया था जिसका परिणाम अंतत: नेपाल में लोकतंत्र की स्थापना के रूप में सामने आया। इसके बावजूद नेपाल की सभी पूर्व सरकारों तथा ओली नीत सरकार ने राजनीतिक लाभ उठाने के लिए भारत द्वारा व्यक्त सद्भावना का दुरुपयोग किया। जब भारत ने नेपाल को कोविड-19 के खिलाफ संघर्ष में सहायता की, उसी समय ओली चीन को खुश करने के लिए भारत के साथ सीमा समस्या भड़का रहे थे। एक जिम्मेदार पड़ोसी के रूप में नेपाल को भारत के साथ सीमा मुद्दों पर चर्चा के लिए राजनयिक माध्यमों का प्रयोग करना चाहिए था, पर उसने इसके बजाय भारत को राक्षस की तरह पेश करने का प्रयास किया।

नेपाली प्रधानमंत्री भले ही भारत के साथ तथाकथित 'शांतिपूर्ण इरादों' की बात करते हुए चीन के साथ सहयोग को बढ़ावा दें तथा नेपाल के घरेलू मामलों के माइक्रोमैनेजमेंट का प्रयास करें, लेकिन इन सारी चीजों के बावजूद बीजिंग ओली से खुश नहीं है। उसने 2019 में नेपाल में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को आमंत्रित करवा कर तथा अनेक समझौतों पर हस्ताक्षर कर एक शातिर चाल खेली है।

हालांकि, चीन को शी की यात्रा के समय इच्छित चीज नहीं मिली। बीजिंग काठमांडू के साथ प्रत्यावर्तन संधि करना चाहता था। इससे चीन को तिब्बती शरणार्थियों के 'फ्री तिब्बत' आंदोलन पर लगाम लगाने का ज्यादा मौका मिल जाता और वह नेपाल में रह रहे तिब्बती शरणार्थियों का प्रत्यावर्तन करवा लेता। लेकिन यूएनएचसीआर व मानवाधिकार संगठनों के अंतरराष्ट्रीय दबाव तथा देश में विपक्ष के बढ़ते दबाव के कारण अंतिम समय इस संधि पर वार्ता को टाल दिया गया। चीन को यह बात पसंद नहीं आई। संयुक्त बयान में चीन ने आशा प्रकट की थी कि जल्द ही यह संधि हो जाएगी। हालांकि, ओली नीत कम्युनिस्ट सरकार ने भले ही चीनी हितों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया हो, पर बीजिंग अपनी तिब्बत नीति को देखते हुए प्रत्यावर्तन संधि से कम किसी चीज के लिए तैयार नहीं है।

राजनीति और राजनय एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और सिक्का बनाते समय उन पर समान रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए। लेकिन नेपाल में व्यक्तिगत और पार्टी हितों को राष्ट्रीय हितों पर प्राथमिकता दी गई है। ओली जैसे नेताओं ने भारत के साथ 'विशेष संबंधों' का लाभ चुनावी लाभ के लिए उठाया और चीनी हितों के लिए राजनयिक स्वायत्तता का बलिदान कर दिया। नेपाल चारों ओर भूमि से घिरा देश है और उसे भारत तथा अन्य मित्र देशों की सहायता की आवश्यकता है, पर उसका राजनयिक व्यवहार संकुचित दृष्टिकोण वाला रहा है। भारत और अमेरिका के साथ संबंध नेपाल को चीन के साथ संतुलन बनाने में सहायता कर सकते हैं। लेकिन नेपाल की राजनीति और राजनेता अविश्वसनीय बने हुए हैं। इस कारण नेपाली जनता को भविष्य तय करने का काम अपने हाथ में लेना होगा।

आप की बात

भारत-जापान संबंध

हाल ही में जापान के प्रधानमंत्री और भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने उच्च प्रौद्योगिकी कौशल विकास और कोविड-19 बीमारी से लड़ने सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इसमें महामारी से उत्पन्न चुनौतियों को दूर करने के लिए भारत जापान सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला गया यह हमारे लिए एक बहुत अच्छी खबर है इससे दोनों देशों के संबंधों को नई मजबूती मिलेगी। साथ ही साथ दोनों देशों के बीच 5त्र सबमरीन केबल औद्योगिक प्रतिस्पर्धा को और मजबूत करने के साथ ही अन्य विकास परियोजनाओं के विविधीकरण में भी यही सहयोग की संभावनाएं है। इसके साथ ही भारत और जापान के बीच बहुत सारे भागीदारी समझौते हुए हैं जिससे कि दोनों देशों को अपनी अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में स्थिति मजबूत करने में सहायक है और भारत को वह हर क्षेत्र में तरक्की प्रदान योग्य हैं। हमारे लिए एक बहुत अच्छी खबर है। अधिक सहयोग और सहभागिता दोनों देशों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। भारत और जापान दोनों ही उभरती अर्थव्यवस्था है और दोनों को अपने समावेशी विकास की ओर ध्यान देना होगा इसके लिए भारत जापान संबंधों में मजबूती एक बहुत ही अच्छी बात है।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

वाहन ध्यान से चलाएं

बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं में लापरवाही के कारण जान माल की हानि होती है, जिसे कई वर्षों से रोकने हेतु प्रयत्न किये गए मगर दुर्घटनाएं कम नहीं हुई। सड़क पर चलते हुए या गाड़ी चलाते हुए मोबाइल पर बात कर रहे लोगो की आए दिन दुर्घटना की खबर पढ़ने को आती है। अधिकांश लोग वाहन चलाते समय चालक अपने मोबाइल को कान और कंधे के बीच दबाकर बातचीत करते हुए वाहन चलाते है उनका ध्यान बातचीत पर ही ज्यादा रहता ही। पीछे हार्न देने वाले की भी वो सुनते नहीं ऐसे में दुर्घटना संभव है। शराब पीकर के वाहन न चलाएं ,सर पर हेलमेट अवश्य पहने चाहे थोड़ी दूर जाना हो तब भी। इसके अलावा यातायात के नियमों का पालन अवश्य करें। तहसील स्तर और जिला स्तर पर जहां यातायात का दबाव ज्यादा हो वहां पर मुख्य चौराहों पर यातायात सिग्नल अवश्य लगाए जाना चाहिए। ताकि यातायात व्यवस्थित हो सकें। मोबाइल एवं स्वयं की सुरक्षा के साथ दूसरों का भी ख्याल रखे। परिवार के लोग आप के घर आने की राह देख रहे हैं। सुरक्षित चलें ,लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के लिए निर्धारित गति से ज्यादा गति में वाहन चलाना ,एवं यातायात के नियमों का पालन नही करने से दुर्घटनाएं होती हैं।

– **संजय वर्मा**, मनावर, मप्र

स्पुतनिक वरदान

देश में कोरोना संक्रमण के आंकड़े गतिमान अवस्था मे होते जा रहे है। कोरोना से त्रस्त जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित है। इस बीच रूसी वैक्सीन स्पुतनिक -वी की पहली खेप भारत मे मिलने से पुन: वेक्सीनेशन गतिमान अवस्था मे आएगा। भारत मे इस कोरोना काल मे 3 वैक्सीन को मौजूदगी से निश्चित ही कोरोना संक्रमण महामारी में नियंत्रण के आसार नजर आएंगे। भारत मे रूस के राजदूत ने कहा कि स्पुतनिक कोरोना के नए स्ट्रेन पर भी प्रभावी है। बहुत अच्छी और राहत भरी पहल है कि कोरोना में स्पूतनिक वरदान साबित होगी। वैसे देश मे कोरोना संक्रमण महामारी को परास्त करने के लिए एडी से चोटी तक कि जोर आजमाइश की जा रही है। निश्चित ही कोरोना को जल्द से जल्द परास्त किया जाएगा। बस कमी है लोगो की समझदारी की वो अगर कुछ समय अपने आप को साध ले ,बेवजह घर से बाहर नही निकले , मास्क की ,और् दो गज दूरी की अनिवार्यता को समझ ले तो हम अतिशीघ्र ही कोरोना से मुक्त हो सकते हैं।

– **योगेश जोशी**, बड़वाह, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

उत्तर प्रदेश में जो हो रहा है वह मानवता के विरुद्ध अपराध से कम नहीं है और मुख्य चुनाव अधिकारी भी साथ में शामिल हैं।

– **प्रियंका गांधी**
कांग्रेस नेता

संकट के पिछले बीते दौर में भारत ने अन्य देशों की मदद करने के मामले में विशालहृदयता का परिचय दिया है और अब भारत की समस्या खत्म करने में सहयोग देने की जिम्मेदारी अन्य देशों की है।

– **एंथनी एस फॉसी**
अमेरिकी मुख्य चिकित्सा सलाहकार

अपने साहस एवं वंचितों की सेवा करने के लिए किए जाने वाले प्रयासों के चलते गुरु तेग बहादुर जी सारे विश्व में सम्मान के पात्र हैं। उन्होंने तानाशाही एवं अन्याय के विरुद्ध झुकने से इनकार कर दिया।

– **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 4 मई, 2021

कोरोना की लड़ाई में सारथी बने फ्रंटलाइन वर्कर्स को बड़ा तोहफा

● स्वास्थ्य विभाग के फ्रंटलाइन वर्कर्स के मानदेय में 25 फीसदी की अतिरिक्त बढ़ोत्तरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोविड की लड़ाई में रात-दिन जुटे स्वास्थ्य विभाग के फ्रंटलाइन वकर्स के मानदेय में 25 फीसदी की भारी बढ़ोत्तरी का तोहफा योगी सरकार ने दिया है। कोविड कार्यों में लगे स्वास्थ्य कर्मियों, डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ, हाउसकीपिंग स्टाफ, स्वच्छता कर्मी, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकताओं को सरकार के इस अतिरिक्त मानदेय का फायदा मिलेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को टीम 9 के साथ कोरोना की समीक्षा बैठक में कहा कि अस्पतालों में सेवारत डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ को कोविड सेवा के दिनों के लिए वर्तमान वेतन-मानदेय का 25 फीसदी अतिरिक्त देय होगा। उन्होंने कहा कि अन्य कोरोना वॉरियर्स के लिए भी अतिरिक्त मानदेय प्रदान किया जाएगा। यह अतिरिक्त मानदेय ड्यूटी के उपरांत इनके आइसोलेशन अवधि के लिए भी दिया जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि मेडिकल नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र छात्राओं की सेवाएं भी कोविड सेवा कार्य में ली जाएंगी, सेवानिवृत्त स्वास्थ्य कर्मियों, अनुभवी डॉक्टरों, एक्स सर्विस मैन के अनुभवों का भी लाभ लिया जाए, उन्हें भी कोविड कार्य से जोड़ा जाए। सभी को नियमानुसार मानदेय प्रदान किया जाएगा। इस संबंध में शीघ्र आदेश जारी कर दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सभी लोग अपने अपने माध्यम से सेवा दे रहे हैं। प्रमुख रूप से स्वास्थ्य विभाग के फ्रंट लाइन वर्कर्स का इस जंग में बड़ा योगदान है। वे सीधे कोरोना से संक्रमित मरीजों के इलाज में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि कोरोना के खिलाफ प्रदेश में शुरू हुई लड़ाई में फ्रंटलाइन वर्कर्स ने जो मोर्चा संभाला है। जिसका नतीजा है कि प्रदेश में कोरोना की जांच में रिकार्ड बढ़ोत्तरी होने के साथ ही अस्पतालों व होम आईसोलेशन में बड़ी संख्या में रोगी ठीक होकर वापस अपने घर लौटने लगे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना हारेगा, भारत अवश्य जीतेगा को पूरी तरह से साकार करने में फ्रंट लाइन वर्कर्स जुटे हैं। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने जनता से भी यही अपील की है कि कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में आप सभी का दायित्वपूर्ण भागीदारी कोरोना मुक्त समाज की स्थापना के लिये अत्यंत आवश्यक है। मानवता की रक्षा के लिये अपना अपना प्रयास जारी रखिये। इसी क्रम में योगी सरकार की ओर से प्रदेश के समस्त ज़िलों में मैनपावर बढ़ाने के लिए युद्धस्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिसका फायदा बड़े पैमाने पर ग्रामणी जनता को मिलेगा। इस मैनपॉवर का उपयोगी कोरोना के खिलाफ लड़ाई में बड़ी सफलता दिलाएगा। सीएम योगी की ओर से स्वास्थ्य विभाग के फ्रंटलाइन वर्कर्स के मानदेय में बढ़ोत्तरी करने के फैसले का कर्मचारी वर्ग ने दिल से स्वागत किया है। यूपी फार्मासिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव और राजकीय नर्सेज संघ के महामंत्री अशोक कुमार ने मुख्यमंत्री का आभार जताया। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्णय से वर्तमान की कठिन परिस्थितियों में अस्पतालों में सेवा में जुटे कर्मियों का मनोबल बढ़ेगा और एक बार फिर से वे पूरी स्फूर्ति और ताकत से कोरोना को हराने की जंग में तब तक जुटे रहेंगे जब तक संक्रमण का पूर्ण खात्मा नहीं हो जाता।

गौरतलब है कि वर्तमान में प्रदेश में 8 हजार से अधिक फार्मासिस्ट, इतनी ही संख्या में नर्सेज, 12 हजार से अधिक डॉक्टरए तीन हजार से अधिक लैब टेक्नीशियन, एक हजार से अधिक एक्सरे टेक्नीशियन, एनएमएच के लगे दो हजार स्वास्थ्य कर्मी है। कोविड केयर ड्यूटी में लगे स्टाफ डॉक्टर, नर्स, वार्ड ब्वॉय और अन्य पैरामेडिकल स्टाफ को बेसिक आय का 25 फीसदी अतिरिक्त मानदेय दिया जाएगा। कोविड 19 में स्वयंसेवक के रूप में सेवा करने वाले लोगों को प्रति दिन प्रचलित एनएचएम दर से 25 फीसदी अतिरिक्त मानदेय मिलेगा।

बड़े पैमाने पर होगी मेडिकल स्टाफ की भर्ती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● रिटायर मेडिकल स्टाफ की भी ली जाएंगी सेवाएं, बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग के अंतिम वर्ष के छात्रों को भी मानदेय पर रखा जाएगा

कोरोना संक्रमण की लड़ाई को मजबूती से लड़ने के लिये योगी सरकार ने बड़े पैमाने पर मेडिकल स्टाफ को मानदेय पर रखने का फैसला लिया है। इसके तहत नर्स, वार्ड ब्वाय, सुपरवाईजर, चिकित्सक, अन्य पैरा मेडिकल स्टाफऔर स्वास्थ्य कर्मियों को रखा जाना है। सरकार के निर्णय को धरातल पर उतारने के लिये जल्द ही शासनादेश जारी होगा। विदित हो कि सीएम योगी ने निर्देश दिया है कि अतिरिक्त मैनपावर के लिए अस्पतालों में बड़ी संख्या में मानदेय पर मेडिकल और नर्सिंग अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं की सेवाएं ली जाएं। इसके अलावा रिटायर स्वास्थ्य कर्मियों, अनुभवी चिकित्सकों, एक्स सर्विस मैन को कोविड ड्यूटी से जोड़ा जाए। विभाग की ओर से इसके लिए कार्यवाही शुरू कर दी गई है। सीएम के निर्देश पर बीएससी नर्सिंग और एमएससी नर्सिंग के अंतिम वर्ष के छात्रों को भी कोविड सेवाओं से जोड़ा जाएगा। ऐसे ही अंतिम वर्ष के एमबीबीएस चिकित्सकों को मानदेय मिलेगा। मानदेय के साथ ही इन्हे निशुल्क खाना और निशुल्क क्वारंटीन रहने की व्यवस्था सरकार करेगी। कोरोना वालंटियर को प्रतिदिन एनएचएम की दर से 25 फीसदी अतिरिक्त मानदेय दिया जाएगा। सरकार की योजना मेडिकल और पैरा मेडिकल तक की पढ़ाई कर रहे अंतिम वर्ष के छात्रों को विशेष पैकेज देकर कोरोना की लड़ाई में उतारने की है। अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रहे छात्रों के सरकार के साथ इस लड़ाई में शामिल होने से काफी मदद मिल सकती है। इन छात्रों को अनुभव के साथ सीधे फील्ड में उतरने का मौका भी इनके कॅरियर के लिए कारगर सिद्ध हो सकता है। इसके लिए इन छात्रों को विशेष पैकेज भी सरकार की ओर से दिया जाएगा।

पंचायत चुनाव परिणाम से बीजेपी तय करेगी 2022 का रोडमैप

● भाजपा विधायकों व सांसदों का भी तय होगा कद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में पंचायत चुनाव के परिणाम से ही भाजपा अगले विधान सभा चुनाव के लिए रणनीति तय करेगी। 2022 में होने वाले विधान सभा चुनाव में 9 माह का समय शेष है। ऐसे में सत्तारूढ़ दल बीजेपी की चिंता और अधिक बढ़ जाती है कि पंचायत चुनाव परिणाम यह बताएंगे हवा का रुख क्या है। यही नहीं संगठन ने जिन पदाधिकारियों और विधायक, सांसदों को जिम्मेदारी दी थी उसमें वह कहां तक सफल हुए हैं यह भी तय हो जाएगा। भाजपा ने पंचायत चुनाव लड़ने की पूरी घोषणा की थी और पूरी ताकत से चुनाव लड़ा भी है। इसलिए यह तय है कि इस चुनाव परिणाम के ही जरिए भाजपा 2022 का रोडमैप तय करेगी।

दरअसल संगठन ने पंचायत चुनाव में जाने से पहले पूरी तैयारी की थी और जिले स्तर पर पदाधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय कर दी थी। यही नहीं स्पष्ट किया था कि कोई पदाधिकारी पंचायत चुनाव नहीं लड़ेगा यदि उसे चुनाव लड़ना होगा तो उसकी सूचना वह क्षेत्रीय अध्यक्ष को देगा। बीजेपी ने जिला पंचायत सदस्यों के उम्मीदवारों की सूची भी जारी कर यह निर्देश संगठन के पदाधिकारियों को दिए थे कि वह पार्टी प्रत्याशी को चुनाव जीताने में पूरी मदद करें। अब यदि जिलों में इस जिम्मेदारी का निर्वावन पूरी तरह से यदि कोई नहीं कर पाता है तो यह लाजिमी है कि अगले चुनाव में उस पदाधिकारी को मौका नहीं दिया जाएगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस चुनाव में बीजेपी को न सिर्फ जमीनी पकड़ का अंदाज मिलेगा बल्कि सांगठनिक कमजोरियों का भी संकेत मिल जाएगा। इन्हीं संकतों को भांपकर पार्टी के रणनीतिकार अगले चुनाव के लिए तैयारी करेंगे। इन चुनाव के जरिए पार्टी इस बात को भी जानने का प्रयास करेगा कि 2017 के विधान सभा चुनाव के बाद 2019 में जनाधार घटा है या फिर बढ़ा है। औसतन चार से छह जिला पंचायत सदस्यों को मिलाकर विधानसभा के एक क्षेत्र हो जाता है। ऐसे में जिला पंचायत सदस्यों को मिलने वाले वोट को आधार बनाकर भाजपा यह जानने की कोशिश करेगी कि जनाधार को और कैसे बेहतर किया जा सके। जाहिर है कि इसको लेकर संगठन में बदलाव भी होगा। कमजोर इलाकों में न सिर्फ नए और प्रभावी लोगों को जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है बल्कि वर्तमान सेक्टर तथा बूथ कमेटियों के पुनर्गठन का काम भी शुरू किया जा सकता है। पार्टी की मानें तो हर जिले के जो भी परिणाम होंगे उनकी समीक्षा की जाएगी। क्षेत्रवार, जातिवार नतीजों पर मंथन के आधार पर आगे की रणनीति बनाई जाएगी। भाजपा ने प्रदेश में दो तिहाई बहुमत की सरकार और एक लाख 55 हजार बूथों पर संगठन की शक्ति के बूते सभी 75 जिला पंचायतों में कमल खिलाने की योजना बनाई है। दरअसल पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक भगवा फहराने की रणानीति के तहत ही जिला पंचायत सदस्यों की जीत के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष कौन होगा यह पार्टी भविष्य के चुनाव को देखते हुए तय करेगी। संगठन को प्राथमिकता दी जाएगी। वह इसलिए जो जिला पंचायत अध्यक्ष बनेगा उसी पर अगले चुनाव की जिम्मदरी भी होगी। भाजपा ने इन अध्यक्षों के जरिए गांवों के जमीनी विकास की योजना को अमली जामा पहनाकर काम करने वाली सरकार का संदेश देने की तैयारी की है ताकि विधानसभा चुनाव में उसका लाभ मिल सके।

जेल महकमा गरीब बंदियों के कोरोना ग्रस्त परिजनों की भी मदद करेगा

● जेल वार्डर बन्दियों के बीमार परिजनों के निवास पर जाकर जेल डॉक्टर से ऑडियो-वीडियो कांफ्रेंसिंग के ज़रिए लक्षणों के आधार पर निशुल्क उपलब्ध करा रहे कोरोना का पूरा पैकेज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना महामारी की विभीषिका के इस दौर में एक साथ भारी संख्या में लोगों के संक्रमित होने और स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ रहे दबाव को दृष्टिगत रखते हुए जेल महकमे ने गरीब कैदियों के कोरोना से संक्रमित परिजनों की देखरेख व इलाज का बीड़ा उठाया है। डीजी जेल आनन्द कुमार ने प्रदेश के सभी जेल अधिकारियों को निर्देशित किया है कि इस अभूतपूर्व संकट काल में हमें अपने दायित्यों से आगे बढ़कर पीड़ित मानवता की सेवा करनी है। न सिर्फ जेल के बन्दियों के प्रति बल्कि निर्बल असहाय बन्दियों के कोविडग्रस्त परिजनों को भी यथाशक्ति बचाना है।

मार्च 2020 में हुए लाकडाउन के साथ ही जेलों में कोरोना संक्रमण को रोकने के उद्देश्य से परिजनों से मुलाकात पर जो रोक लगाई तो उसका अनुपालन आज भी जेलों में सख्ती से कराया जा रहा है। हालांकि कोरोना की पहली लहर के कमजोर पड़ने पर पिछले कुछ महीनों में बन्दियों के परिजनों की ओर से मुलाकात पर प्रतिबंध हटाने की भी मांग हुई किन्तु व्यापक बन्दी स्वास्थ्य हित में ऐसा नहीं किया गया। मुलाकात बंद होने की वजह से बंदी सिर्फ जेल में संचालित पीसीओ से टेलीफोन पर परिजनों से बात करते हैं। जेल मुख्यालय के प्रवक्ता संतोष कुमार वर्मा ने बताया कि यूपी की जेलों में कुल कैदियों की संख्या 1,11,882 के करीब है। जेल महकमा इस बात के पूरे प्रयास कर रहा है की कैदियों कोरोना संक्रमित होने से बचाया जा सके। इसके साथ ही डीजी जेल आनंद कुमार ने सभी जेल अधीक्षकों को स्पष्ट रूप से निर्देशित कर दिया है कि गरीब और असहाय बंदियों के परिजनों का भी जेल अस्पतालों के माध्यम से पूरा ख्याल रखा जाए। उनके निर्देशों के अनुरूप प्रयागराज, सोनभद्र, फिरोजाबाद, मथुरा जेल के जेल अधीक्षकों द्वारा जेल में निरुद्ध बन्दियों के कोविड ग्रस्त माता पिता और निकट परिजनों को उनके घर-गांव में दवाएं, चिकिसकीय सहायता उपलब्ध करायी गयी है। इस व्यवस्था के तहत जेल वार्डर बन्दियों के बीमार परिजनों के निवास पर जाकर जेल डॉक्टर से ऑडियो वीडियो कांफ्रेंसिंग के ज़रिए उनके लक्षणों के आधार पर कोरोना का पूरा पैकेज निशुल्क उपलब्ध करा रहे हैं। यद्यपि अनेक जेल कर्मी भी संक्रमण झेल रहे हैं तथापि इस व्यवस्था का जेल अधिकारियों ने स्वागत किया है और अधिक से अधिक जेलों द्वारा इसे लागू किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

गांवों में कोरोना से बचाव के तरीकों को लेकर जागरूकता फैलाएंगे शिक्षक

● महानिदेशक बेसिक शिक्षा ने जारी किए आदेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए यूपी में शिक्षकों को अब गांवों में कोरोना संक्रमण से संबंधित जागरूकता फैलानी होगी। शिक्षकों को अभिभावकों व विद्यार्थियों के साथ मिल कर कोरोना संक्रमण के बचाव के तरीकों पर चर्चा करनी होगी। इस संबंध में महानिदेशक बेसिक शिक्षा विजय किरन आनंद ने आदेश जारी कर दिए है।

महानिदेशक की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि शिक्षकों द्वारा कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए साफ सफाई, मास्क पहनना, दूरी बनाए रखना और साबुन से हाथ धोना आदि संदेशों को जनआंदोलन बना कर लोगों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा है कि इस अभियान को पूरे मिशन मोड में चलाया जाएगा और यूनाइट टु फाइट कोरोना हैशटैग के साथ इसकी तस्वीरें ट्वीट की जाएं ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इससे प्रेरणा मिले। जिलों में अन्य विभागों को भी इस अभियान से जोड़ा जाए। इसके स्थानीय भाषा में संदेश विभिन्न माध्यमों से पहुंचाए जाए। डिजिटल माध्यम जैसे दूरदर्शन चैनल, रेडियो या ई लर्निंग साइट पर भी प्रचार किया जाए। कई तरह के पोस्टर व क्रिएटिव तैयार किया जाएं और स्कूल के अंदर व बाहर इसे लगाया जाए। इन्हें ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान भी दिखाया जाए। चूंकि प्राइमरी स्कूल के शिक्षक की पहुंच गांव के ज्यादातर घरों में होती है लिहाजा वे इस अभियान को पूरे जोर से चलाएं और हर घर में कोरोना से बचाव के तरीके से अवगत कराएं।

उत्तर प्रदेश में नहीं सुधर रहे कोरोना संक्रमण के हालत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के हालत सुधर नहीं रहे हैं। प्रदेश में सांसों का आपातकाल जारी है। मुख्यमंत्री के झूठे दावों की रोजाना अस्पतालों से आ रही डरावनी तस्वीरें पोल खोल रही हैं। भाजपा सरकार को इससे अब शर्मिंदगी भी नहीं होती है। वस्तुत: सत्तादाल ने चार साल में कोई काम तो किया नहीं। उसने खुद आइसोलेशन में रहते रहते पूरे प्रदेश को ही आइसोलेशन में पहुंचा दिया है। अखिलेश ने कहा कि कितने घरों में आज चूल्हा बुझ चुका है। माँ बाप का साया उठ चुका है। पूरे का पूरा परिवार संक्रमित है पर कोई देखने वाला नहीं है। अस्पतालों में जिंदा को मुर्दा बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री की टीम-9 और टीम-11 कहां है क्या कर रही है पता नहीं। सख्ती के आदेश-निर्देश सब कूड़े के ढेर में जा रहे हैं। न कहीं ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति हो रही है और न कहीं बेड बढ़ रहे हैं। सरकारी अस्पतालों में जब मनमानी चल रही है तब प्राइवेट नर्सिंग होम तो सर्व स्वतंत्र की भूमिका में रहेंगे ही। अखिलेश ने कहा सच तो यह है कि लोग कोरोना से ज्यादा भाजपा सरकार की लापरवाही और बदइंतजामी से दम तोड़ रहे हैं। लोगों की इस मौत के लिए भाजपा सरकार नैतिक और प्रशासनिक दोनों स्तर पर जिम्मेदार है। घड़ियाली आंसू बहाने से परिवारों को उजाड़ने से बचाया नहीं जा सकता है।

आक्सीजन की कमी के चलते नहीं चालू हो पा रहे अस्पतालः अनुपम मिश्रा

लखनऊ। कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज को लेकर अवध शिल्प ग्राम में डीआरडीओ की तरफ से तैयार किये गए 500 बेड के अस्थाई हॉस्पिटल के आक्सीजन के अभाव में न चालू होने पर राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनुपम मिश्रा ने प्रदेश सरकार को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने कहा है कि लखनऊ में आम जनमानस कोरोना के कहर से एक एक सांस को तड़प रहा है, ऐसे समय में ऑक्सीजन की कमी व अनुपलब्धता के कारण यह अस्पताल मरीजों का दाखिला नहीं ले सका। जबकि मुख्यमंत्री हर रोज बड़े-बड़े झूठ बोलकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। अनुपम मिश्रा ने शहर के कई बड़े अस्पतालों की सूची जारी करते हुए सरकार से पूछा कि क्या कारण है कि एसजीपीजीआई में वीआईपी को ही प्राथमिकता मिल रही है। महामारी के इस दौर में जब एसजीपीजीआई को पूर्व में निर्देशित किया जा चुका था कि उसे बेडों की संख्या 1500 से अधिक बढ़ानी है।

गरीबों के इलाज का पूरा खर्च उठाने की केंद्र से मांग करें सभी पार्टियां

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि सभी पार्टियों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर केन्द्र सरकार से यह माँग करनी चाहिए कि कोरोना पीड़ित गरीबों व कमजोर वर्गों के इलाज का पूरा खर्च केन्द्र स्वयं वहन करे तथा इनको कोरोना वैक्सीन भी मुफ्त में ही लगवाए।

सोमवार को सोशल मीडिया अकाउंट पर ट्वीट करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने लिखा कि देश में अति भीषण व दर्दनाक रूप धारण करते कोरोना प्रकोप के कारण सभी पार्टियों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर केन्द्र सरकार से यह माँग करनी चाहिए कि कोरोना पीड़ित गरीबों व कमजोर वर्गों के इलाज का पूरा खर्च केन्द्र स्वयं वहन करे तथा इनको कोरोना वैक्सीन भी मुफ्त में ही लगवाए। साथ ही, बीएसपी का यह भी कहना है कि यदि केन्द्र की सरकार इस अनुरोध को स्वीकार नहीं करती है तो फिर सभी राज्य सरकारों को अपने गै़र जरूरी खर्चों में कटौती की पहल करके इस जिम्मेवारी को इन्हें खुद ही उठाना चाहिये। मायावती ने आगे लिखा कि इतना ही नहीं बल्कि यदि इस मामले में दलगत राजनीति से अलग हटकर सभी दल मिलकर व आगे आकर जो भी पहल करते हैं तो फिर बीएसपी इसका स्वागत करेगी और इसमें हर संभव अपना पूरा सहयोग करेगी। यही समय की जरूरत भी है।

खनन पट्टों की मई माह की मासिक किस्त में की गई शिथिलता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सचिव, भूतत्व एवं खनिकर्म डॉ रोशन जैकब ने समस्त जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उत्तर प्रदेश खनिज परिहार नियमावली में उल्लिखित प्राविधानों के अंतर्गत खनन पट्टों के देय माह मई की मासिक किस्त में शिथिलता प्रदान करते हुए खनिजों की निकासी की मात्रा के आधार पर बिड दर के अनुसार पट्टा धारक से अग्रिम भुगतान प्राप्त कर खनिजों की निकासी की अनुमति प्रदान की जाए। डॉ जैकब ने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 में कोरोना वायरस की दूसरी लहर के संक्रमण से कोविड काल में विकास कार्यों के प्रभावित होने के फलस्वरूप उत्पन्न परिस्थितियों के दृष्टिगत प्रदेश में आम जनमानस को सुगमता से उपखनिजों की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने तथा खनन उद्योग एवं परिहारधारकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

पिछड़े जिलों के धार्मिक स्थलों को लगे विकास के पंख

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सरकार पिछड़े जिलों में स्थित सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों को दुनिया भर में पहचान दिलाने में जुटी है। पहली बार श्रावस्ती, बलरामपुर, देवीपाटन और गोण्डा जिलों के दर्शनीय स्थलों को पर्यटन के रूप में विकसित करने का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है।

सरकारी प्रवक्ता का कहना है कि पिछली सरकारों की उपेक्षा के कारण अभी तक ये यह सभी स्थल पर्यटकों की नजर से दूर थे। अब उनको विकसित कर यहां पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के साथ साथ युवाओं और यहां के व्यवसाय और शिल्पकलाओं को बढ़ावा देने के प्रयास शुरू हो गये हैं। योगी सरकार ने अपने चार साल के कार्यकाल में पर्यटकों के लिए यूपी में अनूठे और आकर्षक पैकेज भी तैयार किये हैं। जिससे पर्यटन की संभावनाओं को पंख लगना शुरू हो गये हैं। इन स्थलों पर पर्यटन को बढ़ावा मिलने से रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। गाइड के रूप में स्थानीय लोगों को रोजगार मिलना शुरू हुआ है। पर्यटन स्थलों के आसपास वहां की स्थानीय चीजों की बिक्री भी पहले से बढ़ी है और स्थानीय शिल्पकारों को रोजगार मिलना शुरू हा गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पर्यटन को बढ़ावा देने की योजनाओं पर जोर दिये जाने का ही नतीजा है कि आज बौद्ध सर्किट में श्रावस्ती, कपिलवस्तु और कुशीनगर और रामायण सर्किट में चित्रकूट एवं श्रृंगवेरपुर में पर्यटन सुविधाओं का विकास शुरू हो चुका है। योगी सरकार ने अपने चार सालों में पर्यटन स्थलों के लिये ऐसी अनूठी और आकर्षक पहल की है जिसको दुनिया भर में सराहना मिली है। मुख्यमंत्री के अथक प्रयासों का ही परिणाम है कि विश्व का सबसे बड़ा सांस्कृतिक गौरव प्रयागराज कुम्भ 2019 के आयोजन को यूनेस्को की सरहना के साथ भव्य रूप से सम्पन्न कराया गया। इसके साथ ही अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भूमि पूजन सम्पन्न कराना भी इतिहास में दर्ज हो गया।

योगी सरकार ने तीर्थ स्थलों के विकास को बढ़ावा देने और उनको दुनिया के नक्शे में स्थान दिलाने का काम अपने चार साल के कार्यकाल में किया। इसी का परिणाम है कि अयोध्या दीपोत्सव ने लगातार दो वर्षों में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड बनाया। अयोध्या में दीपोत्सव, मथुरा में कृष्णोत्सव, बरसाना में रंगोत्सव, वाराणसी में शिवरात्रि एवं देव दीपावली के आयोजन ने भारतीय संस्कृति को दुनिया भर में पहचान बनाने का काम किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने चार साल के कार्यकाल में बृज तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद नैमिषारण्य तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद विंध्य तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद, शुक्रधाम तीर्थ विकास परिषदए चित्रकूट तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद और देवीपाटन तीर्थ विकास परिषद के गठन का भी अभूतपर्व कार्य कर दिखाया है। इसके अलावा योगी सरकार में पर्यटन को बढ़वा देने की रणनीति के तहत शक्तिपीठ सर्किट एवं आध्यात्मिक सर्किट से जुड़े स्थलों का विकास बहुत तेज गति से किया जा रहा है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का विकास भी इसमें शामिल है। महाभारत सर्किट के अन्तर्गत महाभारत से जुड़े स्थलों का विकास इसका उदाहरण बन गया है। जैन तथा सूफी सर्किट के तहत आगरा एवं फतेहपुर सीकरी में पर्यटन सुविधाओं भी चार सालों में बेहतर हो गई हैं।

संकटकाल में जनता के साथ खड़ी हो सरकारः कांग्रेस

● फ्री अनाज देने की व्यवस्था के साथ ही न्यूनतम प्रतिमाह 6000 रुपए की नकद आर्थिक सहायता तत्काल उपलब्ध कराई जाए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस ने भाजपा की उत्तर प्रदेश में योगी सरकार पर आरोप लगाया है कि कोरोना संक्रमण से निपटने में वह पूरी तरह विफल हो चुके हैं।

कोरोना के पहले फेज में लॉक डाउन के बाद बदले हालात में निर्धन, बेसहारा, निम्न व मध्यम वर्ग अत्यंत बदहाली व आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहा है। वर्तमान में दूसरे कोरोना फेज के बाद उसकी आर्थिक दशा दयनीय होने की तरफ बढ़ चली है, ऐसे बदले हालात में सावर्जनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से फ्री अनाज देने की व्यवस्था के अतिरिक्त न्यूनतम प्रतिमाह 6000 रुपए की नकद आर्थिक सहायता तत्काल उपलब्ध कराए। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता अशोक सिंह ने राज्य की योगी सरकार से मांग करते हुए कहा कि पिछले 14 महीने में प्रदेश की एक बड़ी आबादी बेरोजगारी का दंश झेल रही है। रोजगार के अवसर सरकार उपलब्ध कराने में असमर्थ हो चुकी है। बड़ी संख्या में लोग लॉकडाउन के चलते अन्य राज्यों से वापस अपने गांव आ रहे हैं। आपात परिस्थितियों में काम आने वाली मनरेगा जैसी योजना में दिहाड़ी कुशल, अकुशल श्रमिकों को रोजगार नहीं मिल रहा है। काम की गारंटी न होने से समाज के सभी वर्गों में आर्थिक तंगी है। यह राज्य का दायित्व है कि वह अपने लोगों की मदद करे। अशोक सिंह ने कहा कि कोरोना टेस्टिंग, ट्रेसिंग, ट्रीटमेंट देने में पूरी तरह विफल हुई राज्य की योगी सरकार की गलतियों की पीड़ा, दर्द, मौत का मातम उत्तर प्रदेश देख रहा है।

देवेश कुमार को मुख्य अभियंता बरेली व योगेश कुमार को मुरादाबाद का अस्थाई प्रभार

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने सोमवार को देवेश कुमार तिवारी अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग बरेली वृत को मुख्य अभियंता बरेली क्षेत्र का अस्थाई प्रभार व योगेश कुमार मुख्य अभियंता अलीगढ़ क्षेत्र एवं अधीक्षण अभियंता आगरा का अतिरिक्त प्रभार को मुख्य अभियंता मुरादाबाद क्षेत्र का अस्थाई प्रभार सौंपा है। इसके अलावा अशोक कुमार मुख्य अभियंता (सम्बद्ध प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग मुख्यालय) एवं अधीक्षण अभियंता पीएमजीएसवाई वृत्त गोरखपुर का (अतिरिक्त प्रभार) को मुख्य अभियंता पीएमजीएसवाई लोक निर्माण विभाग प्रयागराज का अस्थाई प्रभार सौंपा गया है। इस संबंध में उपमुख्यमंत्र केशव प्रसाद मौर्य द्वारा सभी संबंधित अभियंताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने कार्यों के साथ साथ, जो अन्य पदों के प्रभार दिए गए हैं ,उनका भी पूरी निष्ठा और कर्तव्यपरायणता के साथ निर्वहन करेंगे।

बंगाल चुनाव परिणाम ने दिखाया कि मोदी-शाह अजेय नहीं हैं: शिवसेना

भाषा। मुंबई

शिवसेना ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम ने साबित कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अजेय नहीं हैं। शिवसेना के मुखपत्र सामना में प्रकाशित संपादकीय में कहा गया कि जिन राज्यों (पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और केरल) और केंद्रशासित प्रदेश (पुडुचेरी) में हाल में चुनाव हुए, उनमें से सभी की निगाहें पश्चिम बंगाल पर थीं।

पार्टी ने कहा, कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने के बजाए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत पूरी केंद्र सरकार (मुख्यमंत्री) ममता बनर्जी को हराने के लिए पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार में लगी थी। बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में लगातार तीसरी बार तृणमूल कांग्रेस को रविवार को जीत दिलाई। मराठी समाचार पत्र ने कहा, परिणाम से साबित होता है कि पूरा तंत्र और सभी प्रौद्योगिकियां पास होने के बावजूद मोदी-शाह अजेय नहीं हैं। शिवसेना ने पश्चिम बंगाल चुनाव नहीं लड़ा था, लेकिन बनर्जी को समर्थन दिया था। उसने आरोप लगाया कि भाजपा ने बनर्जी को हराने के लिए धन, शक्ति और सरकारी तंत्र का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम का एक पंक्ति में विश्लेषण यह है कि भाजपा हार गई और कोरोना वायरस जीत गया।

शिवसेना ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जीत हासिल करने के एकमात्र लक्ष्य के साथ मोदी और शाह चुनाव प्रचार में उतरे तथा उन्होंने कोविड-19 संबंधी सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करते हुए बड़ी रैलियां एवं रोडशो किए। उन्होंने कहा कि मद्रास उच्च न्यायालय ने कोविड-19 की ताजा लहर के लिए निर्वाचन आयोग को दोषी ठहराया है।

शिवसेना ने सवाल किया कि चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन की जिम्मेदारी कौन लेगा। उसने कहा कि असम और पुडुचेरी को छोड़कर भाजपा ने (अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों में) अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। संपादकीय में कहा गया है, पश्चिम बंगाल के लोगों की प्रशंसा की जानी चाहिए कि वे कृत्रिम लहर के झांसे में नहीं आए और अपनी प्रतिष्ठा के लिए एकजुट होकर खड़े रहे। देश को बंगाल से सीखना चाहिए।

जबरन शादी समारोह रूकवाने वाले जिलाधिकारी को पद से मुक्त किया गया

अगरतला। पश्चिम त्रिपुरा के जिलाधिकारी (डीएम) को उनके आग्रह के बाद पद से मुक्त कर दिया गया है। उन्होंने कोविड-19 प्रोटोकॉल को लागू कराने के दौरान जबरन शादी समारोह रूकवा दिया था। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि शैलेश कुमार यादव ने मुख्य सचिव मनोज कुमार को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू हो गई है, लिहाज़ा पश्चिम त्रिपुरा डीएम के पद से उन्हें मुक्त किया जाए। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। पीटीआई-भाषा के पास मौजूद पत्र में यादव ने कहा कि त्रिपुरा सरकार ने 26 अप्रैल 2021 की रात को हुई घटनाओं की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया है। पत्र के मुताबिक, यह घटनाएं अगरतला में कोरोना रात्रि कर्फ्यू का उल्लंघन कर मणिक्या कोर्ट और गोलप बगान में विवाह समारोहों के दौरान हुई थी।

जयपुर में हवा महल क्षेत्र में कोविड लॉकडाउन के बाद लोगों की चेकिंग करते हुए पुलिस सुरक्षाकर्मी।

फोन टैपिंग मामला: प्राथमिकी के खिलाफ उच्च न्यायालय पहुंची आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला

मुंबई। आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला ने कथित फोन टैपिंग और पुलिस तबादलों से संबंधित संवेदनशील दस्तावेज लीक किए जाने के मामले में मुंबई पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी के खिलाफ सोमवार को बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया। शुक्ला के अधिवक्ता ने याचिका पर अविलंब सुनवाई की अपील करते हुए कहा कि 1988 कैडर की वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को इस मामले में गिरफ्तार किए जाने की आशंका है। नांगरे ने अदालत से अनुरोध किया कि वह पुलिस को शुक्ला के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्वाई न करने का निर्देश दे।

प्रशासन की मंशा याचिकाकर्ता को झूठे और मनगढ़ंत मामले में फंसाने की है। शुक्ला सीआरपीएफ के दक्षिण जोन की अतिरिक्त महानिदेशक के तौर पर हैदराबाद में तैनात हैं। खुफिया विभाग की शिकायत पर मुंबई के बीकेसी साइबर थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ अवैध रूप से फोन टैपिंग और गोपनीय दस्तावेज लीक करने के आरोप में सरकारी गोपनीयता कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कथित फोन टैपिंग उस समय हुई थी, जब शुक्ला राज्य की खुफिया विभाग की प्रमुख हुआ करती थीं। देवेन्द्र फडणवीस ने पुलिस तबादलों में कथित भ्रष्टाचार को लेकर कथित रूप से शुक्ला द्वारा पुलिस महानिदेशक को लिखे पत्र का हवाला देते हुए इस मामले का खुलासा किया था। टैप की गईं उन कॉल की जानकारी दी गई थी, जिसके बाद हंगामा खड़ा हो गया था। शिवसेना नीत सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं ने आरोप लगाया था कि शुक्ला ने बिना अनुमति के फोन टैप किए। मुख्य सचिव सीताराम कुंटे ने मुख्यमंत्री को सौंपी गई एक रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि ऐसा प्रतीत होता है कि शुक्ला ने खुद ही वह गोपनीय रिपोर्ट (फडणवीस के साथ) साझा की।

निर्वाचन आयोग को भंग किया जाए, इसके सदस्यों की जांच हो: आनंद शर्मा

नई दिल्ली। आनंद शर्मा ने सोमवार को कहा कि वर्तमान निर्वाचन आयोग को भंग किया जाए और इसके सदस्यों के कदमों की जांच होनी चाहिए क्योंकि इसने मतदाताओं के विश्वास के साथ कथित तौर पर धोखा किया है। उच्चतम न्यायालय की एक संविधान पीठ को मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्तियों के लिए पात्रता के बारे में फैसला करना चाहिए। वर्तमान निर्वाचन आयोग को भंग किया जाना चाहिए और इसके सदस्यों के कदमों की जांच होनी चाहिए। निर्वाचन आयोग ने खुद को कलंकित किया है और मतदाताओं के विश्वास के साथ धोखा किया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के लिए संख्या तथा पात्रता पर निर्णय करने तथा आयोग के निष्पक्ष एवं स्वतंत्र ढंग से काम करने के लिए दिशानिर्देश तय करने को लेकर सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ को फैसला करना चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग ने अनुच्छेद 324 के तहत मिले अधिकार का हनन किया है।

पूनावाला धमकियों के बारे में शिकायत दर्ज कराएं: महाराष्ट्र के मंत्री

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र के एक मंत्री ने सोमवार को कहा कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को कथित रूप से जो धमकियां मिली हैं, उनके बारे उन्हें पुलिस में शिकायत दर्ज करानी चाहिए तथा सरकार उनकी सघन जांच कराएगी। भारत में कोविड-19 टीके की बढ़ती मांग के संबंध में कथित धमकियों से बचने के लिए ब्रिटेन चले गए पूनावाला ने कहा है कि वह कुछ दिनों में लौट आएंगे। हाल ही में वहां द टाइम्स के साथ साक्षात्कार में पूनावाला ने आरोप लगाया था कि भारत में उन्हें धमकियां मिल रही हैं, ऐसे में वह और उनका परिवार कोविड-19 टीके की मांग को लेकर अप्रत्याशित दबाव एवं आक्रामक स्थिति उत्पन्न होने के बाद देश से चले आए।

पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ऑक्सफोर्ड एस्ट्राजेनेका के कोविड-19 टीके कोविशील्ड का उत्पादन कर रहा है। महाराष्ट्र के गृह राज्यमंत्री शंभुराजे देसाई ने संवाददाताओं से कहा, पूनावाला को शिकायत दर्ज कराके धमकी का ब्योरा देना चाहिए , उन्हें वह फोन नंबर भी बताना चाहिए जहां से उनके पास ऐसे कॉल आए। हम उनकी गहराई से जांच कराएंगे। इस बीच कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने पूनावाला से भारत लौट आने की अपील की और आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी उनकी सुरक्षा की जिम्मेदार लेगी।

लोगों की जान महत्वपूर्ण है और टीका उत्पादन भारत में ही होना चाहिए। केंद्र पहले ही उन्हें वाई श्रेणी सुरक्षा दे चुका है। यदि जरूरत हुई तो उन्हें और सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी। पटोले की पार्टी कांग्रेस महाराष्ट्र में शिवसेना एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन कर सत्तासीन है। हालांकि राकांपा नेता और महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री नवाब मलिक ने दावा कि पूनावाला आज जिस स्थिति में हैं, उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार हैं और कोई उन्हें बदनाम नहीं कर रहा है। मलिक ने कहा, पहले, उन्होंने केंद्र सरकार के लिए 150 रूपए, राज्यों के लिए 400 रूपए और निजी अस्पतालों के लिए 700 रूपए (प्रति कोविशील्ड खुराक की) घोषणा की। बाद में उन्होंने ट्वीट करके बताया कि वह राज्यों के लिए दर 400 रूपए से घटाकर 300 रूपए कर रहे है। मंत्री ने कहा कि इससे संशय पैदा हुआ और लोगों के दिमाग में ढेर सारे सवाल आए। राकांपा मंत्री और महाराष्ट्र के आवास मंत्री जितेंद्र अव्हाद ने पहले कहा था कि देश को पूनावाला को मिली कथित धमकियों के पीछे का सच जानने की जरूरत है।

क्विक न्यूज

सेंट्रल विस्टा परियोजना को जारी रखने का सरकार का कदम हास्यास्पद : एचुरी

नई दिल्ली। माकपा महासचिव सीताराम एचुरी ने कोरोना वायरस महामारी के बावजूद सेंट्रल विस्टा परियोजना को जारी रखने की सरकार की योजनाओं को हास्यास्पद बताया है। एचुरी ने परियोजना के तहत शेष भवनों के लिए केंद्र द्वारा आवश्यक पर्यावरण मंजूरी देने संबंधी रिपोर्ट का जिक्र करते हुए मंजूरी के समय को लेकर सवाल किया। उन्होंने ट्वीट किया, यह हास्यास्पद है। ऑक्सीजन और टीकों के लिए पैसे नहीं हैं जबकि हमारे भाई और बहन अस्पताल में बेड के लिए इंतजार करते करते दम तोड़ रहे हैं। लेकिन मोदी अपनी दंभी महत्वकांक्षा को पूरा करने के लिए जनता के पैसों की बर्बादी करेंगे। इस अपराध को बंद करिए। विपक्षी दल कोरोना वायरस महामारी के दौरान संसद के नए भवन के निर्माण को लेकर सेंट्रल विस्टा परियोजना पर सरकार की आलोचना करते रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी में दूसरे सप्ताह भी लॉकडाउन जारी रहने के बीच परियोजना का कार्य जारी रहा, जबकि लॉकडाउन के दौरान अधिकतर निर्माण स्थलों पर कार्य ठप रहा। निर्माण कार्य को आवश्यक सेवाओं में शामिल किया गया, जिसकी विपक्ष ने आलोचना की है।

पश्चिम बंगाल में अहंकार, धन बल और विभाजनकारी एजेंडे की हार हुई: सिब्बल

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की प्रचंड जीत की सराहना करते हुए सोमवार को कहा कि अहंकार, धन बल और विभाजनकारी एजेंडे की हार हुई है। सिब्बल ने ट्वीट किया, पश्चिम बंगाल में अहंकार, ताकत, धन बल, राजनीति के लिए जय श्रीराम के इस्तेमाल, विभाजनकारी एजेंडे और निर्वाचन आयोग की हार हुई है। सिब्बल ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तारीफ करते हुए कहा कि इनके सामने वह खड़ी हुईं और जीतीं। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध ताजा आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस 210 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है और तीन पर आगे है, जबकि भाजपा ने 77 सीटें जीती हैं। राज्य में 292 सीटों पर चुनाव हुआ था।

कोविड संक्रमण के कारण अनाथ हुए बच्चों के बारे में जानकारी दें राज्य: एनसीपीसीआर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) सोमवार को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कहा कि वे ऐसे बच्चों के बारे में जानकारी दें जिन्होंने कोरोना वायरस संक्रमण के कारण अपने माता-पिता को खो दिया है। एनसीपीसीआर के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने प्रदेशों के मुख्य सचिवों के नाम लिखे पत्र में कहा, आयोग को पता चला है कि कई गैर सरकारी संगठन ऐसे बच्चों के बारे में विज्ञापन दे रहे हैं जो जिन्होंने कोरोना वायरस के कारण अपने माता-पिता को खो दिया है। किशोर न्याय कानून-2015 के तहत यह सुनिश्चित किया गया है कि ऐसे बच्चों की उचित देखभाल की जाए और उनके अधिकारों की रक्षा की जाए। कानूनगो ने राज्यों से कहा, ऐसे में यह जरूरी है कि अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को जिले के बाल संरक्षण प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किया जाए तथा इनके बारे में सूचना साझा की जाए।

कन्याकुमारी लोस सीट पर कांग्रेस का कब्जा बरकरार

चेन्नई। कांग्रेस ने तमिलनाडु की कन्याकुमारी लोकसभा सीट के उपचुनाव में जीत हासिल करते हुए इस सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखा है। कांग्रेस उम्मीदवार विजय वसंत ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार पोन राधाकृष्णन को।,37,950 मतों के अंतर से पराजित किया। पिछले साल कांग्रेस सांसद एच वसंत कुमार के निधन के कारण यहां उपचुनाव हुआ। वसंत कुमार का निधन कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से हुआ था। वसंत कुमार के पुत्र विजय वसंत को कांग्रेस ने इस उपचुनाव में उम्मीदवार बनाया था। भाजपा की ओर से राधाकृष्णन को टिकट दिया गया जो 2014 में कन्याकुमारी से चुनाव जीते थे। कांग्रेस उम्मीदवार विजय वसंत को 52.5 फीसदी वोट मिले तो भाजपा उम्मीदवार को 39.92 फीसदी वोट से ही संतोष करना पड़ा।

गुवाहाटी में एजीपी अध्यक्ष अतुल बोरा और पार्टी वर्किंग अध्यक्ष केशव महंता ने नए पार्टी विधायकों के चुने जाने के बाद पार्टी मुख्यालय में किया स्वागत।

केरल में एकमात्र सीट भी जीतने में नाकाम रही भाजपा, श्रीधरन एवं राज्य प्रमुख भी हारे

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा चुनाव में कम से कम 35 सीटें जीतने का दावा करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत रविवार को अपनी एकमात्र नेमोम सीट भी नहीं बचा पाई और मेट्रोमैन के नाम से प्रसिद्ध ई श्रीधरन और पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख के सुरेंद्रन समेत उसके सभी बड़े उम्मीदवारों को हार का सामना करना पड़ा। राज्य की राजधानी स्थित नेमोम सीट पर पुन: जीत हासिल करने की जिम्मेदारी मिजोरम के पूर्व राज्यपाल कुमानम राजशेखरन के कंधों पर थी, लेकिन वह 2016 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने वाले पार्टी नेता ओ राजागोपाल की तरह जादू चलाने में नाकाम रहे और उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

सत्तारूढ़ माकपा नेता और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) उम्मीदवार वी सिवनकुट्टी ने 3,949 मतों के अंतर से राजशेखरन को हराया। इससे पहले 2016 में सिवनकुट्टी को राजागोपाल ने मात दी थी। नेमोम सीट पर जीत बरकरार रखना भगवा दल के लिए प्रतिष्ठा की बात थी, क्योंकि सत्तारूढ़ माकपा ने 140 सदस्ईय विधानसभा में भाजपा को पैर जमाने से रोकने से कोई कसर नहीं छोड़ी। चुनाव से मात्र एक सप्ताह पहले मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा था कि माकपा राज्य में भाजपा की एकमात्र सीट को भी इस बार छीन लेगी। अपनी एकमात्र नेमोम सीट हारने के अलावा, भगवा दल पलक्कड़, मालमपुझा, मांजेश्वरम और काझाकुट्टम जैसी अहम सीटों पर भी खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। 88 वर्षीय श्रीधरन ने पलक्कड़ सीट पर शुरुआती बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन अंततः युवा विधायक शफी परमबिल ने उन्हें 3,859 मतों के अंतर से हरा दिया। अभिनेता से सांसद बने सुरेश गोपी त्रिशुर में शुरुआत में कई दौर की गणना के बाद पहले स्थान पर बने हुए थे, लेकिन अंतिम परिणाम आने तक वह तीसरे स्थान पर खिसक गए।

असम में भाजपा को 33.21 प्रतिशत जबकि कांग्रेस को 29.67 फीसद वोट मिले

गुवाहाटी। असम में लगातार दूसरी बार सत्ता पर काबिज होने वाली भाजपा को विधानसभा चुनाव में 33.21 प्रतिशत मत हासिल हुए हैं। निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी। भाजपा के गठबंधन साझेदार असम गण परिषद (एजीपी) को 7.91 प्रतिशत वोट मिले जबकि संप्रग के प्रमुख दल कांग्रेस को 29.67 प्रतिशत तथा एआईयूडीएफ को 9.29 प्रतिशत मत हासिल हुए हैं। भाजपा को जहां विधानसभा चुनाव में 126 में से 60 सीटों पर जीत मिली है तो उसके सहयोगी दलों असम गण परिषद को नौ और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी (लिबरल) को छह सीटों पर जीत हासिल हुई। कांग्रेस को 29, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (एआईयूडीएफ) को 16 और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट को चार सीटों पर जीत मिली।

एक सीट पर माकपा और एक पर निर्दलीय उम्मीदवार को जीत हासिल हुई। 92 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली भाजपा को 6,84,538 (33.21 प्रतिशत) वोट मिले। 26 सीटों पर उम्मीदवार उतारने वाले क्षेत्रीय दल असम गण परिषद को।,519,777 (7.9 फीसद) मतदाताओं ने वोट दिया। आठ सीटों पर चुनाव लड़ने वाली यूपीपीएल को मिले मतों के आंकड़े नहीं दिए गए हैं। कुल 94 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस को 5,703,341 (29.7 प्रतिशत), 14 सीटों पर लड़ने वाली एआईयूडीएफ को।,786,551 (9.3 प्रतिशत) जबकि दो सीटों पर उम्मीदवार उतारने वाली माकपा को केवल 160,758 (0.84 फीसद) वोट मिले। अन्य के खाते में 2,628,518 यानी 13.7 प्रतिशत वोट पड़े जबकि 219,578 (1.14 प्रतिशत) मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया। चुनाव जीतने वाले प्रमुख चेहरों में मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल, उनके मंत्रिमंडल के साथी हिमंत बिस्व सरमा और चंद्रमोहन पटवारी, पिछली विधानसभा के अध्यक्ष हितेन्द्र नाथ गोस्वामी, एजीपी प्रमुख अतुल बोरा और सीएए-विरोधी आंदोलन के जेल में बंद नेता अखिल गोगोई शामिल हैं।

दमोह विधानसभा चुनाव हार को मध्य प्रदेश भाजपा नेताओं ने अंदरूनी षडयंत्र बताया

भोपाल। मध्य प्रदेश के भाजपा नेता एवं केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल तथा प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने राज्य की दमोह विधानसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव में भाजपा की हार के लिए सोमवार को पार्टी की अंदरूनी षडयंत्रकारियों को जिम्मेदार ठहराया है। इनके अलावा, भाजपा प्रत्याशी राहुल सिंह लोधी ने भी इस सीट पर अपनी हार के लिए सीधे तौर पर दमोह के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री जयंत मलैया को जिम्मेदार ठहराया और उनको पार्टी से निष्कासित करने की मांग की। दमोह विधानसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी अजय टंडन ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सत्तारूढ़ भाजपा के उम्मीदवार राहुल सिंह लोधी को 17,097 मतों से हराया है और इस सीट पर पार्टी की जीत बरकरार रखी। इसका परिणाम रविवार को आया है।

मिश्रा ने ट्वीट किया, दमोह नहीं हारे हैं हम, छले गए छलछन्दों से। इस बार लड़ाई हारे हैं हम, अपने घर के जयचंदों से। दमोह की जीत पर मध्य प्रदेश कांग्रेस ज्यादा खुशी नहीं मनाए। मिश्रा ने कहा कि मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को पूरे देश में कांग्रेस का जो सफाया हुआ है, उस पर भी चिंतन करना चाहिए। वहीं, केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल ने ट्वीट किया, दमोह चुनाव परिणाम ने भविष्य की चुनौतियों, षड्यंत्रों और कार्यप्रणाली में सुधार के स्पष्ट संकेत दिए हैं। हम सभी कार्यकर्ता अपनी परिश्रम की मूलसामर्थ्य और विद्वेषरहित कार्यप्रणाली से इनका समाधान खोजेंगे। पटेल ने भाजपा को मतदान और सहयोग करने वाले सभी दमोहवासियों को धन्यवाद भी दिया। दमोह विधानसभा उपचुनाव के लिए 17 अप्रैल को मतदान हुआ था। राहुल सिंह लोधी 2018 में हुए चुनाव में इस सीट से कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुने गए थे, लेकिन पिछले साल अक्टूबर में उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था और बाद में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। इसी वजह से यह सीट रिक्त हो गई थी। लोधी ने उपचुनाव हारने के बाद रविवार देर रात मीडिया को बताया, दमोह के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री जयंत मलैया तथा उनके परिवार के कारण मैं चुनाव हारा हूं। मलैया 35 वर्षों से राजनीति कर रहे हैं और मैं उनके ही वार्ड में हार गया। इस वार्ड को हम कभी नहीं हारे थे। उन्हें बताना चाहिए कि मैं उनका वार्ड कैसे हारा? मलैया को शहरी क्षेत्र की जिम्मेदारी दी थी तो शहरी क्षेत्र में कैसे हारे? लोधी ने आगे कहा, मैं तो खुले रूप से आरोप लगाता हूं कि मलैया परिवार की पूरी रणनीति सफल हुई, और भाजपा दमोह से हारी। मैं तो स्पष्ट कहता हूं और मांग करता हूं कि ऐसे लोगों को पार्टी से निष्कासित करना चाहिए। लोधी ने कांग्रेस की टिकट पर वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा के जयंत मलैया को दमोह सीट से हराया था।

चेन्नई में जीत का प्रमाणपत्र लेने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री स्व. एम. करुणानिधि को श्रद्धांजलि देते हुए डीएमके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन

सुप्रीम कोर्ट ने कहा

‘दवाओं की कालाबाजारी निंदनीय’

● **न्यायालय ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह आरोपियों की पहचान और उन्हें दंडित करने के लिए विशेष दल बनाने पर विचार करे**

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि कोविड-19 के उपचार में जरूरी दवाओं और ऑक्सीजन की काला बाजारी लोगों की कठिनाइयों का फायदा उठाने का निंदनीय प्रयास है। न्यायालय ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह आरोपियों की पहचान और उन्हें दंडित करने के लिए विशेष दल बनाने पर विचार करे। उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा कि नागरिकों को अनाप-शनाप किराया वसूले जाने से बचाने के लिए एंबुलेंसों को लेकर दिशानिर्देश अवश्य होने चाहिए और केंद्र ऐसे मामलों को सुगमता से दर्ज कराने और उनके निस्तारण के लिए मंच बनाने पर विचार कर सकता है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने कहा कि रेमडेसिविर और टोसिलिजुमैब जैसी कुछ महत्वपूण 'दवाएं महत्वपूर्ण रूप से उंचे दामों पर या फिर गलत रूप से बेची जा रही हैं। रविवार देर रात न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड आदेश में अदालत ने कहा, लोगों की कठिनाइयों का फायदा उठाना और उनकी मजबूरी से लाभ लेना निंदनीय कृत्य है। पीठ में न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट्ट भी शामिल हैं। पीठ ने अपने आदेश में कहा, इस व्यवस्था पर रोक लगाने के लिए केंद्र सरकार को उन लोगों की पहचान कर उन्हें दंडित करने के लिए विशेष दल बनाने पर विचार करना चाहिए जो: (ए) चिकित्सीय श्रेणी ऑक्सीजनाकोविड-19 दवाओं को उंचे दामों पर बेचते हैं, और (बी) नकली सामान बेचते हैं और संबंधित सामान को बरामद करना। केंद्र ने पहले शीर्ष अदालत को बताया था कि जमाखोरीकाला बाजारी एक गंभीर खतरा है और अपराध होने के साथ ही मानव दुखों के व्यापार का गैर माफी योग्य कृत्य है।

केंद्र ने पीठ को बताया कि केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन ने सभी राज्य औषध नियंत्रकों को देश में रेमडेसिविर की जमाखोरी व काला बाजारी रोकने के लिए विशेष जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया है। अदालत ने यह निर्देश कोविड-19 महामारी के दौरान आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए स्वत: संज्ञान पर लिए गए एक मामले की सुनवाई के दौरान दिया।

केंद्र ने कहा कोविड-19 रोगियों के लिए 2,084 अस्पतालों में 4.68 लाख बिस्तर

नई दिल्ली। केंद्र ने उच्चतम न्यायालय को बताया है कि देश में कोविड-19 रोगियों के लिए 2,084 समर्पित अस्पतालों में 4.68 लाख बिस्तर हैं। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट्ट की पीठ ने अपने आदेश में देश में समर्पित अस्पताल बिस्तरों की उपलब्धता के बारे में तथ्य का उल्लेख किया है जिसने महामारी की दूसरी लहर से निपटने के लिए आवश्यक आपूर्ति और सेवा सुनिश्चित करने के बारे में कई दिशा-निर्देश पारित किए। इसने यह भी उल्लेख किया कि केंद्र सरकार ने अपने शपथपत्र में कहा है कि उसने कोविड प्रबंधन के लिए कोविड देखरेख केंद्रों, समर्पित कोविड स्वास्थ्य केंद्रों और समर्पित कोविड अस्पतालों की स्थापना की है। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में दर्ज किया कि वर्तमान में 2,084 समर्पित अस्पतालों में 4.68 लाख बिस्तर हैं। केंद्र ने कहा है कि कोविड प्रबंधन के लिए ईएसआईसी, रक्षा, रेलवे, अर्धसैनिक बलों, इस्पतात मंत्रालय के तहत अस्पतालों की मदद ली जा रही है। इसने कहा कि रेलवे ने अपने 16 जोन में 3,816 रेल डिब्बों को कोविड देखरेख केंद्रों में तब्दील किया है। पीठ ने केंद्र द्वारा दी गई जानकारी का संज्ञान लिया तथा सुझाव दिया कि स्वास्थ्य देखरेख कार्यबल को आगे और मजबूत किया जा सकता है। इसने सुझाव दिया कि केंद्र टीकाकरण के कार्य में सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक बलों के स्वास्थ्यकर्मियों का भी उपयोग कर सकता है।

केंद्र व राज्य लॉकडाउन पर विचार करें

भाषा। नई दिल्ली

देश में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर पर काबू पाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें जनहित में लॉकडाउन लगाने पर विचार कर सकती हैं। हाल, उच्चतम न्यायालय ने उनसे कहा कि अगर वे लॉकडाउन लगाना चाहते हैं तो पहले से व्यवस्था करनी होगी ताकि गरीब लोगों की जरूरतों को पूरा किया जा सके।

न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कोविड-19 महामारी के दौरान आवश्यक आपूर्ति एवं सेवाएं सुनिश्चित करने के मामले का स्वत: संज्ञान लेते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को बीमारी और नहीं फैले, इस बारे में किए गए प्रयास और भविष्य में किए जाने वाले प्रयास के बारे में जानकारी देनी होगी।

पीठ ने कहा, महामारी की दूसरी लहर में बढ़ते संक्रमण को देखते हुए हम केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को निर्देश देते हैं कि वायरस पर काबू पाने के प्रयासों के बारे में बताएं और भविष्य में किए जाने वाले उपायों के बारे में भी जानकारी दें। पीठ में न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति एस. रविंद्र भट भी शामिल थे।

पीठ ने कहा, साथ ही हम केंद्र और राज्य सरकारों से आग्रह करते हैं कि वे भीड़ एकत्रित नहीं होने दें और ऐसे कार्यक्रमों पर भी प्रतिबंध लगाएं जिनसे वायरस फैलने का खतरा हो सकता है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि उसे लॉकडाउन के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव का अंदाजा है , खास तौर पर हाशिए के समुदाय पर पड़ने वाले प्रभाव पर। इसने कहा, इसलिए अगर लॉकडाउन लगाया जाता है तो इन समुदायों की जरूरतों का पहले से इंतजाम किया जाना चाहिए।

अमृतसर में स्वर्ण मंदिर में दसवें गुरु अर्जन देव की जयंती के अवसर पर मंदिर में उपस्थित श्रद्धालु

त्रिपुरा के और क्षेत्रों में रात्रि का कर्फ्यू बढ़ाया गया

भाषा। अगरतला

त्रिपुरा सरकार ने राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर सोमवार को सभी स्थानीय एवं शहरी निकायों और नगर पंचायत क्षेत्रों में रात्रि कर्फ्यू की अवधि और समय बढ़ाने का निर्णय लिया। त्रिपुरा के मुख्य सचिव मनोज कुमार ने सोमवार को आदेश पारित किया, जिसके अनुसार मंगलवार से रात्रि कर्फ्यू को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया है। सरकार ने राज्य के सभी नगर निकाय क्षेत्रों में रात्रि कर्फ्यू की अवधि शाम छह बजे से अगले दिन सुबह पांच बजे तक करने का भी निर्णय लिया है। इससे पहले, अगरतला नगर निगम क्षेत्र में रात 10 से अगले दिन सुबह पांच बजे तक कर्फ्यू लागू रहता था।

आंध्र प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 18,972 नए मामले, 71 की मौत

भाषा। अमरावती/ इम्फाला/ श्रीनगर

आंध्र प्रदेश में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 18,972 नए मामले सामने आए, जिसके साथ ही संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 11,63,994 हो गई। स्वास्थ्य विभाग के ताजा बुलेटिन के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 10,277 मरीजों के संक्रमण से उबरने के बाद राज्य में अब तक कुल 10,03,935 लोग ठीक हो चुके हैं। इसके मुताबिक, इसी अवधि में कोविड-19 के 71 मरीजों की मौत के साथ ही मृतक संख्या बढ़कर 8,207 तक पहुंच गई। बुलेटिन के मुताबिक, राज्य में फिलहाल ।,51,852 मरीज उपचाराधीन हैं। उधर, मणिपुर में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 362 नए मामले सामने आने के बाद राज्य में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 32,523 हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि इसी अवधि में कोविड-19 के सात मरीजों की मौत के साथ ही मृतक संख्या बढ़कर 422 तक पहुंच गई। उन्होंने बताया कि मणिपुर में फिलहाल 2,071 मरीज उपचाराधीन हैं जबकि अब तक कुल 30,030 लोग ठीक हो चुके हैं। इस बीच, जम्मू-कश्मीर में सोमवार को संक्रमण के 3,733 नए मामले सामने आए, जिसके साथ ही संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर ।,87,219 तक पहुंच गई। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 51 मरीजों की मौत के बाद प्रदेश में इस घातक वायरस के चलते जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 2,421 तक पहुंच गईं। नए मामलों में जम्मू संभाग में ।,294 नए मामले जबकि कश्मीर में 2,439 मामले दर्ज किए गए। केंद्र शासित प्रदेश में 34,567 मरीज उपचाराधीन हैं जबकि अब तक ।,50,213 मरीज ठीक हो चुके हैं।

पुडुचेरी में एआईएनआरसी के नेता एन. रंगासामी को एनडीए विधायक दल का नेता चुना गया

बंगाल चुनाव में गेम चेंजर बने शुभेंदु अधिकारी

भाषा। कोलकाता

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम सीट से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हराकर बड़ा उलटफेर करने वाले के रूप में उभरे हैं, हालांकि उनकी पार्टी को चुनाव में करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। अधिकारी ने मतगणना के अंतिम दौर तक चली खींचतान के बाद बनर्जी को ।,900 से अधिक मतों के अंतर से हार का स्वाद चखा दिया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) छोड़ भाजपा में आए अधिकारी की जीत को भगवा पार्टी के लिए केवल मनोबल बढ़ाने वाली जीत के तौर पर देखा जा रहा है क्योंकि बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी ने 292 सीटों पर हुए चुनाव में से 213 पर विजय प्राप्त की है। मतगणना के दौरान अनियमितता बरते जाने की जानकारी मिलने के बाद दोबारा मतगणना की मांग करने वाली बनर्जी ने अब कहा है कि वह परिणाम को लेकर अदालत का रुख करेंगी। फिलहाल अधिकारी भाजपा के हलकों में चर्चा का विषय बने हुए हैं।अधिकारी के लिए नंदीग्राम उस समय महज राजनीतिक अखाड़े से अस्तित्व की जंग के मैदान में बदल गया था जब बनर्जी ने अधिकारी और उनके परिवार को मजा चखाने की चुनौती दे डाली थी, जिनका दशकों से इस क्षेत्र पर दबदबा रहा है। इस जीत के साथ ही अधिकारी बंगाल में भाजपा की पहली पंक्ति के नेताओं में शामिल हो गए हैं और कयास लगाए जा रहे हैं कि पार्टी उन्हें बड़ी जिम्मेदारियां सौंप सकती है।पूर्वी मेदिनीपुर जिले का नंदीग्राम इलाका 2007 में रसायन हब के लिए जमीन के बलपूर्वक अधिग्रहण के खिलाफ टीएमसी के नेतृत्व में हुए किसानों के आंदोलन का गवाह रहा है। बनर्जी ने जब भवानीपुर सीट के बजाय इस बार नंदीग्राम से चुनाव लड़ने का फैसला किया तो सबकी निगाहें इस सीट पर टिक गईं। भाजपा ने अधिकारी का गढ़ बचाने और दीदी को घेरने के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सुपरस्टार मिथुन चक्रवर्ती को प्रचार मैदान में उतारा। अधिकारी ने खुद को नई पार्टी की विचारधारा और भविष्य की भूमिकाओं में ढालने के लिए अपनी छवि को भूमि अधिग्रहण आंदोलन के समावेशी नेता से हिंदुत्व ब्रिगेड के सिरमौर के रूप में स्थापित करने की कोशिश की और दावा किया कि यदि टीएमसी चुनाव जीती तो नंदीग्राम मिनी पाकिस्तान बन जाएगा।अपने जीवन के प्रारंभिक वर्षों में आरएसएस की शाखाओं में प्रशिक्षण पाने वाले अधिकारी ने 1980 में कांग्रेस की छात्र इकाई छात्र परिषद के सदस्य के तौर पर राजनीति में कदम रखा था। हालांकि वह पहली बार 1995 में चुनाव राजनीति में उतरे जब उन्हें कांठी नगरपालिका में पार्षद चुना गया। साल 1999 में तृणमूल कांग्रेस की स्थापना के बाद अधिकारी और उनके पिता शिशिर अधिकारी उसमें शामिल हो गए। इसके बाद उन्होंने 2001 में विधानसभा चुनाव और 2004 में लोकसभा चुनाव लड़े। दोनों में हार का सामना करना पड़ा। 2006 में कांठी से जीतकर वह पहली बार विधानसभा पहुंचे। साल 2007 में नंदीग्राम में टीएमसी के आंदोलन के दौरान वह बड़े नेता बनकर उभरे और जल्द ही उन्हें टीएमसी के कोर समूह का सदस्य और टीएमसी की युवा इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्होंने 2009 और 2014 में तामलुक लोकसभा सीट से जीत हासिल की। हालांकि, टीएमसी से उनकी अदावत के बीज 2011 में पड़ चुके थे।

पेज एक का शेष

चुनाव नतीजों ...

के झांसे में नहीं आने की अपील की है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय बलों ने चुनाव के दौरान तृणमूल समर्थकों के साथ कई ज्यादतियां कीं। उन्होंने संवादताता सम्मेलन में कहा, परिणामों की घोषणा के बाद भी भाजपा ने कुछ इलाकों में हमारे समर्थकों पर हमला किया लेकिन हम अपने लोगों से उकसावे में नहीं आने और पुलिस से शिकायत करने का अनुरोध करते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल बलूनी ने कहा कि मारे जाने से पहले एक भाजपा कार्यकर्ता फेसबुक पर दो बार लाइव था और उसने कहा कि हमलावरों द्वारा जानवरों और बच्चों को भी नहीं छोड़ा जा रहा। उन्होंने कई घायल लोगों की तस्वीरें भी साझा कीं। एक वीडियो में हांग कांग फैशन नामक दुकान से युवक कपड़े लूटकर भागते हुए दिखे। उनमें से कुछ के चेहरों पर हरा रंग लगा था और संभवत: वीडियो बना रहे व्यक्ति की आवाज सुनाई दे रही है जो कहता है, यही होना चाहिए था, हम तो मिजाज बना रहे थे। एक अन्य वीडियो में बुर्का पहने महिलाओं का एक समूह दुकान के बाहर खड़ा है और गुस्से में चिल्लाते हुए पूछ रहा है,. यह ममता राज है कि गुंडों का राज है? उनमें से एक ने कहा कि उसका भाई हांग कांग फैशन चलाता है और भाजपा के लिए काम करता है।

नीट पीजी ...

जाएगी। साथ ही 100 दिन के अनुभव के बाद ऐसे सभी चिकित्साकर्मियों को भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री कोविड राष्ट्रीय सेवा सम्मान दिया जाएगा। चिकित्सा छात्रों और पेशेवरों को कोविड संबंधी कामकाज में तैनात करने से पहले उनका टीकाकरण किया जाएगा। साथ ही उन्हें चिकित्साकर्मियों को मिलने वाली सरकारी बीमा योजना का लाभ भी दिया जाएगा।

हल्के लक्षण ...

ने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर सीटी स्कैन की जगह पहले चेस्ट एक्स रे कराएं। डॉ. गुलेरिया ने कहा कि हल्के लक्षण वाले मरीजों को सीटी स्कैन की कोई जरूरत नहीं है। बिना लक्षण वाले मरीज भी यदि सीटी स्कैन कराएं तो पैच दिख सकते हैं, लेकिन वे आसानी से ठीक हो सकते हैं। डॉ. गुलेरिया ने कहा कि इंटरनेशनल ऑटोमिक एनर्जी कमिशन फॉर रेडिएशन प्रोटेक्शन एंड मेडिसिन के मुताबिक बार-बार सीटी स्कैन से जीवन में आगे चलकर कैंसर का जोखिम बढ़ जाता है। खासकर यदि यह कम उम्र में कराया जाए। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि बायोमार्कर्स जैसे सीपीआर, डी-डाइमर, एलडीएच आदि का हल्के लक्षण वाले मामलों में कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि बेवजह बायोमार्कर्स से सेहत पर गलत असर पड़ता है। केवल डॉक्टर की सलाह पर ही ये टेस्ट कराएं।

उद्योग व ...

खंडेलवाल ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तत्काल पूरे मुल्क में सख्त लॉकडाउन लगाने का आदेष जारी करने का आग्रह किया, ताकि घातक हो चुके कोविड-19 की दूसरी लहर में संक्रमण चेन को तोड़ा जा सके। कोरोना वायरस के मामलों में तेजी से वृद्धि के बीच, सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को केंद्र और राज्यों से जनहित में संक्रमण शृंखला को तोड़ने के लिए लॉकडाउन लगाने पर विचार करने का आग्रह किया था। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को ऑक्सीजन, टीकों की उपलब्धता के साथ मूल्य निर्धारण और उचित दर पर जरूरी दवाओं की उपलब्धता सहित पहल और प्रोटोकॉल को फिर से जारी करने की बात भी कही थी। फिलहाल 11 राज्यों में कहीं नरम तो कहीं सख्त प्रतिबंध लगाए हैँ। मुल्क में करीब 4 लाख नए कोविड संक्रमण के मामले और करीब साढ़े तीन हजार मौत के आंकड़े सामने आए हैं।

उच्च न्यायालयों ...

के लिए सबकुछ रिपोर्ट करने में सक्षम होना चाहिए और अदालत में होने वाले संवाद चर्चा का आधार तय करने के लिए होते हैं। पीठ ने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया महत्त्वपूर्ण एवं शक्तिशाली प्रहरी है और उसे उच्च न्यायालयों में हुई चर्चाओं की रिपोर्टिंग से रोका नहीं जा सकता है। चुनाव आयोग की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने दलील दी कि कोविड-19 प्रबंधन निर्वाचन आयोग के जिम्मे नहीं आता है और तमिलनाडु में चुनाव के 20 दिनों बाद उच्च न्यायालय ने कहा कि उसपर हत्या के आरोप लगने चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के खिलाफ हत्या के आरोपों पर उच्च न्यायालय की टिप्पणी को लेकर मीडिया में लगातार चर्चा हो रही है। साथ ही कहा कि कहीं तो सीमा तय करनी होगी। हालांकि, शीर्ष अदालात ने निर्वाचन आयोग को उच्च न्यायालय की टिप्पणियों को अच्छे भाव से लेने को कहा और कहा कि आपने बहुत अच्छा काम किया है। पीठ ने कहा, हम निर्वाचन आयोग की शिकायत पर गौर करेंगे और हमारी क्षमताओं के अनुरूप आयोग और उच्च न्यायालयों के अधिकारों के बीच संतुलन बिठाने की कोशिश करेंगे। शीर्ष अदालत ने द्विवेदी से कहा कि मद्रास उच्च न्यायालय का प्रयास निर्वाचन आयोग को संस्थान के तौर पर कमतर बताने का नहीं था।

कुछ राज्यों में कोविड-19 के दैनिक मामलों में स्थिरता के बहुत प्रारंभिक संकेत मिले हैं: सरकार

भाषा। नई दिल्ली

केन्द्र सरकार ने सोमवार को कहा कि कुछ राज्यों में कोविड-19 के दैनिक मामलों में स्थिरता के प्रारंभिक संकेत मिल रहे हैं जबकि कुछ चिंता का विषय बने हुए हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और पंजाब में कोविड-19 के दैनिक मामलों में स्थिरता के संकेत मिल रहे हैं जबकि बिहार, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में दैनिक मामलों में वृद्धि के रूझान दिखाई दे रहे हैं।देश में चिकित्सीय ऑक्सीजन की कमी के बारे में उन्होंने कहा कि सरकार इसके उत्पादन के लिए नाइट्रोजन संयंत्रों के रूपांतरण की संभावना तलाश रही है।ग्रवाल ने कहा, कुछ राज्यों में कोविड-19 मामलों में स्थिरता या गिरावट के शुरुआती संकेत मिल रहे हैं। छत्तीसगढ़ में 29 अप्रैल को 15,583 मामले सामने आए थे जबकि दो मई को 14,087 मामले सामने आए। दिल्ली, दमन और दीव, गुजरात, झारखंड, लद्दाख, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

जिलों के संबंध में अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के दुर्ग, गरियाबंद, रायपुर, राजनांदगांव, मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा, गुना, शाजापुर, लद्दाख के लेह और तेलंगाना के निर्मल में पिछले 15 दिनों में मामलों में गिरावट के संकेत मिले हैं। महाराष्ट्र के 12 जिलों में भी पिछले 15 दिन में गिरावट के संकेत मिले हैं। उन्होंने कहा, हालांकि, ए बहुत शुरुआती संकेत हैं और इनके आधार पर स्थिति का विश्लेषण करना जल्दबाजी होगी। जिला और राज्य स्तर पर रोकथाम के प्रयासों को जारी रखना महत्वपूर्ण है ताकि हम इस बढ़त को बरकरार रखते हुए मामलों पर लगाम लगा सकें। अग्रवाल ने कहा, कुछ बातें चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि 12 राज्य ऐसे हैं जहां उपचाराधीन रोगियों की संख्या एक लाख से अधिक हैं। इनमें महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु शामिल हैं। सात राज्यों में मरीजों की तादाद 50 हजार से एक लाख और 17 राज्यों में 50 हजार से कम है। उन्होंने कहा कि 22 राज्य ऐसे हैं जहां संक्रमण दर 15 प्रतिशत से अधिक है और नौ राज्यों में संक्रमण दर 5 से 15 प्रतिशत के बीच है और पांच राज्यों में यह पांच प्रतिशत से कम है। उन्होंने कहा कि अंडमान निकोबार, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गोवा, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू- कश्मीर, कर्नाटक, केरल, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, मेघालय, ओडिशा, पुडुचेरी, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में दैनिक मामलों मे वृद्धि देखी जा रही है।अग्रवाल ने कहा, फिलहाल, सूक्ष्म-स्तर पर मामलों का विश्लेषण करना और उन क्षेत्रों में प्रयासों को जारी रखना महत्वपूर्ण है जहां से मामले सामने आए रहे हैं। टीकाकरण के बारे में उन्होंने कहा कि अब तक 45 साल से अधिक आयु के लोगों को 12.07 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं।

अभी आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के लिए चार्टर्ड विमान नहीं : सीए

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) के प्रमुख निक हॉक्ले ने सोमवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) समाप्त होने के बाद कोविड-19 से बुरी तरह प्रभावित भारत से आस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों को स्वदेश लाने के लिए चार्टर्ड विमान की व्यवस्था करने की अभी उनकी कोई योजना नही है। हॉक्ले ने कहा कि आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल बायो बबल (जैव सुरक्षित वातावरण) में सुरक्षित महसूस कर रहे है लेकिन उनकी यह टिप्पणी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के दो खिलाड़ियों के इस खतरनाक वायरस के लिए पॉजिटिव पाए जाने की खबर से पहले आई थी। इस कारण केकेआर और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बीच सोमवार को होने वाला मैच स्थगित कर दिया गया।

स्पेनिश इंटरनेशनल में नहीं खेल पाएंगे भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी

नई दिल्ली। देश के शीर्ष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों प्रमोद भगत और सुकांत कदम की पैरालंपिक की तैयारियों को झटका लगा क्योंकि कोविड-19 महामारी के चलते नए पृथक्वास नियमो के कारण भारतीय टीम स्पेनिश इंटरनेशनल टूर्नामेंट में हिस्सा नही ले पाएगी। टूर्नामेंट का आयोजन 11 से 16 मई तक होना है लेकिन स्पेन ने भारत से आने वाले यात्रियों के लिए 10 दिन का अनिवार्य पृथक्वास लागू किया है जिसके कारण खिलाड़ियों के लिए टूर्नामेंट मे हिस्सा लेना संभव नही है।

भारत की जंग में 50 हजार आस्ट्रेलियाई डॉलर दान देगा सीए

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने भारत मे तबाही मचा रही कोविड-19 की दूसरी लहर से लड़ाई के समर्थन मे सोमवार को 50 हजार आस्ट्रेलियाई डॉलर देने का वादा किया और साथ ही अपने खिलाड़ी संघ तथा यूनिसेफ के साथ मिलकर और राशि जुटाएगा। पिछले कुछ हफ्तो से भारत मे रोजाना संक्रमण के तीन लाख से अधिक नए मामले सामने आ रहे है और इस दौरान प्रतिदिन चार लाख से अधिक मामले भी सामने आए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार रोजाना मरने वालो का आंकड़ा भी तीन हजार से अधिक है।

गेल या मलान से पारी का आगाज कराने के बारे में नहीं सोचा: अग्रवाल

अहमदाबाद। पंजाब किंग्स के कार्यवाहक कप्तान मयंक अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने लोकेश राहुल की गैरमौजूदगी मे आक्रामक बल्लेबाज क्रिस गेल या डेविड मलान के उनके साथ पारी का आगाज करने की संभावना के बारे मे अब तक चर्चा नही की है। नियमित कप्तान राहुल को आंत्रपुच्छ के उपचार के लिए सर्जरी की जरूरत है। उनके जल्द ही टीम से जुड़ने की संभावना कम है लेकिन टीम ने उम्मीद जताई कि मुंबई के अस्पताल मे सर्जरी के बाद वह एक हफ्ते से 10 दिन के भीतर वापसी करेंगे।

आईपीएल में कोविड का संक्रमण

- केकेआर-आरसीबी मुकाबला स्थगित
- कोलकाता के वरुण व संदीप पाजिटीव
- सीएसके स्टाफ में भी पॉजिटिव मामले

भाषा। नई दिल्ली

कोविड-19 ने सोमवार को आईपीएल में दस्तक दी जब केकेआर के वरूण चक्रवर्ती और संदीप वारियर इस घातक वायरस के लिए पॉजिटव पाए गए जिसके कारण आज शाम आरसीबी के खिलाफ अहमदाबाद में होने वाले टीम के मैच को स्थगित करने के लिए बाध्य होना पड़ा। इसके अलावा सीएसके की टीम में भी कुछ मामले सामने आए हैं।

केकेआर और आरसीबी के बीच मुकाबला सोमवार की शाम अहमदाबाद में होना था लेकिन अब इसका आयोजन 30 मई को समाप्त होने वाले इस टूर्नामेंट के दौरान किसी अन्य दिन किया जाएगा। आईपीएल ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, पिछले चार दिन में तीसरे दौर के परीक्षण में वरूण चक्रवर्ती और संदीप वारियर पॉजिटव पाए गए। टीम के अन्य सभी सदस्य कोविड-19 के लिए नेगेटिव पाए गए हैं। इसके अलावा पता चला है कि चेन्नई सुपरकिंग्स के सीईओ काशी विश्वनाथन, गेंदबाजी कोच एल बालाजी और स्टाफ का एक अन्य सदस्य रविवार को पॉजिटिव पाए गए। बीसीसीआई के एक शीर्ष अधिकारी ने उनके मामले को गलत पॉजिटिव घोषित किया था लेकिन बाद में स्पष्ट किया गया कि बालाजी और एक ड्राइवर दूसरे परीक्षण में पॉजिटिव आए हैं। सूत्रों ने कहा, सीएसके दल के सदस्य, सीईओ काशी, गेंदबाजी कोच एल बालाजी और एक बस ड्राइवर का सुबह परीक्षण पॉजीटिव पाया गया जिसके बाद रैपिड एंटीजन परीक्षण की रिपोर्ट नेगेटिव आई। हालांकि दूसरे आरटी पीसीआर परीक्षण में बालाजी और बस ड्राइवर को फिर से पॉजिटिव पाया गया। टीम के अन्य सदस्यों विशेषकर खिलाड़ियों का परीक्षण नेगेटिव आया है। सीएसके की टीम अभी दिल्ली में है। उसने दिन का अपना अभ्यास स्थगित कर दिया तथा उसे पांच मई को राजस्थान रॉयल्स का सामना करना है। टीम में इससे पहले यूएई में 2020 में खेले गए आईपीएल के दौरान भी कोविड मामले पाए गए थे। साथ ही दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान के कुछ मैदानकर्मी पॉजिटिव पाए गए हैं।

इस मैदान पर मंगलवार को मुंबई इंडियन्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होना है। दिल्ली एवं डीडीसीए के अध्यक्ष रोहन जेटली ने कहा कि इनमें कोई भी मैदानकर्मी वह नहीं है जिसे मैदान पर जिम्मेदारी सौंपी गई थी। बीसीसीआई लगातार जोर देकर कह रहा है कि लीग जारी रहेगी लेकिन सोमवार के मामलों से निश्चित तौर पर लीग पर कोविड-19 का साया मंडराने लगा है। लेग स्पिनर चक्रवर्ती और तेज गेंदबाज वारियर को पृथकवास में रखा गया है और फिलहाल दल के अन्य सदस्यों की रिपोर्ट नेगेटिव है। ए दोनों 30 बरस के हैं। इन दोनों में से वारियर को मौजूदा सत्र में अब तक केकेआर के सात मैचों में से एक में भी खेलने का मौका नहीं मिला है। मेडिकल टीम लगातार दोनों के संपर्क में है और उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रही है। इस बीच कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम रोजाना परीक्षण की दिनचर्या से गुजरेगी जिससे कि किसी अन्य संभावित मामले की पहचान हो सके और जल्द से जल्द इलाज किया जा सके। मेडिकल टीम साथ ही पॉजिटिव नतीजों के नमूने एकत्रित करने से 48 घंटे पहले तक दोनों पॉजिटिव खिलाड़ियों के संपर्क में आने वाले लोगों की पहचान करेगी। केकेआर ने अपना पिछला मुकाबला 29 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अहमदाबाद में खेला था और पॉजिटिव नतीजे आने के बाद टूर्नामेंट में घबराहट की स्थिति हो सकती है जिसका आयोजन छह स्थलों में जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में खाली स्टेडियम में किया जा रहा है।

कड़े बायो बबल में कोविड की घुसपैठ, पर टीमों ने कहा आईपीएल जारी रहना चाहिए

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम मे कोविड-19 के दो मामले पाए जाने के बाद खिलाड़ी विशेषकर विदेशी क्रिकेटर असहज महसूस कर रहे है लेकिन टीमों का मानना है कि इस महामारी के बढ़ते खतरे के बावजूद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जारी रहना चाहिए। केकेआर के वरुण चक्रवर्ती और संदीप वारियर के पॉजिटिव पाए जाने के बाद सवाल उठ रहे है विश्व के सबसे बड़े टी20 लीग के जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) मे यह खतरनाक वायरस कैसे पहुंच गया। भारत से यात्रा प्रतिबंधों के कारण विदेशी खिलाड़ी पहले ही स्वदेश लौटने को लेकर चिंतित थे और अब उनकी चिंता बढ़ गई है। एक फ्रेंचाइजी के अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, आधा टूर्नामेंट हो चुका है। इसको रोकने का कोई मतलब नही बनता है। इस खबर (केकेआर टीम मे पॉजिटिव मामले) से बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) का काम अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। हमने सुना है कि एक खिलाड़ी इसलिए संक्रमित हुआ क्योंकि उसे स्कैन के लिए बायो बबल से बाहर ले जाया गया। इसलिए यह बायो बबल के बाहर हुआ। जहां तक मै जानता हूं हर कोई बीसीसीआई के प्रोटोकॉल का पूरा पालन कर रहा है और उसका कोई उल्लंघन नही हुआ। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि यदि कोई अन्य टीम वायरस से प्रभावित नही होती है तो टूर्नामेंट जारी रहना चाहिए। यदि आप टूर्नामेंट रोकना चाहते है तो कब तक। एकमात्र तरीका यही है कि पॉजिटिव मामलो को अलग थलग करके खेल जारी रखा जाए। खिलाड़ी निश्चित तौर पर अब अधिक चिंतित है लेकिन उनकी मुख्य चिंता यह है कि वे स्वदेश कैसे लौटेगे। ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने भारत से आने वाले यात्रियों पर प्रतिबंध लगा रखा है और आईपीएल मे इन तीनों देशों के कई क्रिकेटर खेल रहे हैं। आस्ट्रेलिया के तीन क्रिकेटर यात्रा प्रतिबंध लगने से पहले स्वदेश लौट गए थे। एक टीम के अन्य अधिकारी ने कहा, हमें यह फैसला बीसीसीआई पर छोड़ देना चाहिए कि हम सबके लिए क्या सर्वश्रेष्ठ है। उन्हे कई तरह की राय देने से भ्रम की स्थिति ही पैदा होगी।

मेस्सी के दो गोल से बार्सीलोना जीता

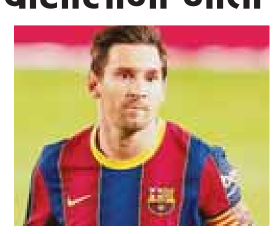

मैड्रिड। लियोनल मेस्सी के दो गोल की बदौलत बार्सीलोना ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए वेलेंसिया को 3-2 से हराकर ला लीगा फुटबॉल खिताब की उम्मीदों को जीवंत रखा है। बार्सीलोना की ओर से मेस्सी ने 57वें और 69वें मिनट में गोल दागे जबकि एंटोनी ग्रिजमैन ने 63वें मिनट में गोल किया। वेलेंसिया की ओर से गैब्रिएल पोलिस्ता (50वें मिनट) और कार्लोस सोलर (83वें मिनट) ने गोल किए। इस जीत से बार्सीलोना के 34 मैचों में 74 अंक हो गए हैं और टीम शीर्ष पर चल रहे एटलेटिको मैड्रिड से दो अंक पीछे है। बार्सीलोना की टीम अगर अगले सप्ताहांत होने वाले मुकाबले में एटलेटिको को हरा देगी तो मौजूदा सत्र में पहली बार शीर्ष पर पहुंच सकती है। अन्य मैचों में विलारीयाल घरेलू मैदान पर गेटाफे को।-0 से हराकर छठे स्थान पर पहुंच गया है जबकि सातवें स्थान पर मौजूद रीयाल बेटिस को वेलाडोलिड ने।-। से बराबरी पर रोका। बार्सीलोना को हराने वाले ग्रेनाडा को हालांकि केडिज के खिलाफ 0-। से हार झेलनी पड़ी।

बालाजी के पॉजिटिव आने से दिल्ली में होने वाले आईपीएल मैचों पर संशय

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी कोच एल बालाजी के कोविड-19 परीक्षण में पॉजिटिव पाए जाने से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) दिल्ली में होने वाले अगले कुछ आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) मैचों को लेकर असमंजस की स्थिति में है। इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के दो खिलाड़ियों का परीक्षण पॉजिटिव आने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ सोमवार की शाम को होने वाला उसका मैच स्थगित कर दिया गया था। वरुण चक्रवर्ती और संदीप वारियर के पॉजिटिव पाए जाने के बाद जहां केकेआर की पूरी टीम पृथकवास पर चली गई है, वहीं नियमित तौर पर सीएसके टीम के साथ रहने वाले बालाजी भी सोमवार को आरटी पीसीआर परीक्षण में पॉजिटिव आने के बाद अलग थलग हो गए हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, बालाजी की पॉजिटिव रिपोर्ट वास्तव में चिंता का विषय है हालांकि सीएसके के खिलाड़ियों का परीक्षण नेगेटिव आया है। अमूमन अधिकतर लोगों में पांचवें या छठे दिन लक्षण दिखााई देते हैं। चर्चा यह है कि क्या दिल्ली में अगले दोनों मैचों का आयोजन किया जाना चाहिए या नहीं।

बांग्लादेश को हराकर श्रीलंका ने श्रृंखला जीती

पालेकल। पदार्पण कर रहे प्रवीण जयविक्रम के मैच में 11 विकेट की बदौलत श्रीलंका ने सोमवार को दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश को 209 रन से हराकर टेस्ट श्रृंखला।-0 से जीत ली। श्रीलंका को जीत के लिए अंतिम दिन पांच विकेट की दरकार थी और जयविक्रम ने इनमें से तीन विकेट चटकाए। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने मैच में 178 रन देकर 11 विकेट हासिल किए। पदार्पण करते हुए यह किसी टेस्ट गेंदबाज का 10वां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। यह किसी श्रीलंकाई गेंदबाज का पदार्पण करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। जयविक्रम ने अकिला धनंजय को पीछे छोड़ा जिन्होंने तीन साल पहले बांग्लादेश के खिलाफ 44 रन देकर आठ विकेट चटकाए थे। बांग्लादेश ने 437 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने अंतिम तीन विकेट आठ गेंद में गंवा दिए जिससे टीम दूसरी पारी में 227 रन पर सिमटी।

इंटर मिलान ने पहला सिरी ए खिताब जीता

मिलान। इंटर मिलान ने एक दशक से अधिक समय बाद पहला सिरी ए फुटबॉल खिताब जीता जिसके बाद मिलान शहर में जश्न का माहौल है। दूसरे स्थान पर मौजूद अटलांटा को रविवार को सासुओलो ने 1-1 से बराबरी पर रोका जिससे इंटर मिलान के चैंपियन बनने की पुष्टि हो गई। इंटर मिलान ने 13 अंक की बढ़त बना रखी है जबकि अब सिर्फ चार मैच खेले जाने बाकी हैं। इंटर मिलान के खिताब जीतने की पुष्टि होने के बाद टीम के हजारों समर्थक पियाजा डुमो में शहर के मुख्य चौराहे पर जमा हो गए जो हाथ में झंडे और स्कार्फ लिए हुए थे और नारे लगाने के अलावा गाने गा रहे थे। इस दौरान हालांकि कोरोना वायरस से जुड़ी पाबंदियों को नजरअंदाज किया गया। सभी ने मास्क तो पहने हुए थे लेकिन कई लोगों ने इसे नाक और मुंह से नीचे किया हुआ था। समर्थकों ने इस दौरान आतिशबाजी भी की। इंटर मिलान का 2011 से यह पहला खिताब और 2010 से पहला सिरी ए खिताब है। टीम ने 2010 में लीग, चैंपियन्स लीग और इटैलियन कप का तिहरा खिताब जीता था। इंटर की खिताबी जीत के साथ यूवेंटस का लीग में लगातार नौ खिताबी जीत का अभियान भी थम गया।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुंबई इंडियन्स जीत का प्रबल दावेदार

नई दिल्ली। लगातार दो जीत के साथ लय में लौटी गत चैंपियन मुंबई इंडियन्स की टीम मंगलवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में अंतिम स्थान पर चल रही सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत की प्रबल दावेदार होगी। मुंबई ने अपने पिछले मैच में कीरोन पोलार्ड की तूफानी पारी की बदौलत फॉर्म में चल रहे चेन्नई को चार विकेट से हराया। दूसरी तरफ सनराइजर्स को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 55 रन की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा जो मौजूदा सत्र में टीम की सात मैचों में छठी हार है। टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है जिसमें खराब फॉर्म से जूझ रहे डेविड वार्नर से कप्तानी केन को सौंप दी गई है। मुंबई के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा (250 रन) और क्विंटन डिकॉक (155 रन) एक बार फिर पांच बार की चैंपियन टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने के अलावा अच्छी शुरुआत को बड़ी पारियों में बदलना चाहेंगे। मुंबई का आक्रामक मध्यक्रम पिछले दो मैचों में प्रभावी प्रदर्शन करने में सफल रहा है जो टीम प्रबंधन के लिए राहत की बात है। चेन्नई के खिलाफ 34 गेंद में नाबाद 87 रन की मैच विजेता पारी खेलने वाले पोलार्ड (168 रन) इस फॉर्म को बरकरार रखने उतरेंगे। कृणाल (100 रन), हार्दिक (52 रन) और सूर्यकुमार (173 रन) विरोधी टीम को ध्वस्त करने में सक्षम हैं और एकजुट होकर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे। यह भी देखना होगा कि क्या मुंबई की टीम जेम्स नीशाम की जगह इशान किशन और जयंत यादव में से एक को मौका देती है या नहीं। नीशाम ना तो बड़ी पारी खेल पाए हैं और ना ही विकेट हासिल कर पाए हैं। मुंबई के गेंदबाजों को हालांकि चेन्नई के खिलाफ खराब प्रदर्शन को भुलाकर नई शुरुआत करनी होगी। जसप्रीत बुमराह (छह विकेट) और ट्रेंट बोल्ट (आठ विकेट) ने डेथ ओवरों में शानदार गेंदबाजी की है और सनराइजर्स के बल्लेबाजों को परेशान करने में सक्षम हैं। लेग स्पिनर राहुल चाहर (11 विकेट) मुंबई के सबसे सफल गेंदबाज हैं लेकिन उन्हें कृणाल से सहयोग की जरूरत है जो सिर्फ तीन विकेट चटका पाए हैं।

मयंक पर भारी पड़े धवन, दिल्ली जीता

- पंजाब किंग्स को 7 विकेट से हराया

भाषा। अहमदाबाद

मयंक 99 रन

दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में रविवार को यहां पंजाब किंग्स को सात विकेट से हराया। पंजाब ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद छह विकेट पर 166 रन बनाए। दिल्ली ने 17.4 ओवर में तीन विकेट पर 167 रन बनाकर जीत दर्ज की। केएल राहुल की अनुपस्थिति में टीम की कमान संभाल रहे मयंक अग्रवाल केवल एक रन से शतक पूरा नहीं कर पाए लेकिन उनकी नाबाद 99 रन की लाजवाबार पारी की मदद से पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में धीमी शुरुआत के बावजूद छह विकेट पर 166 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। अग्रवाल ने शुरू से एक छोर संभाले रखा तथा अपनी 58 गेंदों की पारी में आठ चौके और चार छक्के लगाए। उनकी पराक्रमी पारी के दम पर पंजाब अंतिम छह ओवरों में 76 रन जुटाने में सफल रहा। उन्हें शतक पूरा करने के लिए अवेश खान की पारी की अंतिम गेंद पर छक्के की जरूरत थी लेकिन वह चौका ही लगा पाए। इससे पहले की दो गेंदों पर उन्होंने चौका और छक्का लगाया था। पंजाब किंग्स को शीर्ष क्रम में राहुल की कमी खली।

स्कोरबोर्ड

पंजाब किंग्स : प्रभसिमरन का स्मिथ बो रबाडा 12, मयंक 99, गेल बो रबाडा 13, मलान बो अक्षर पटेल 26, हुड्डा रन आउट 01, खान का हेटमायर बो अवेश खान 04, जोर्डन का ललित यादव बो रबाडा 02, हरप्रीत बरार नाबाद 04, **अतिरिक्त** (लेग बाई 02, वाइड 03) 05, **कुल** (20 ओवर मे, छह विकेट पर) 166, **विकेट पतन** : ।-17, 2-35, 3-87, 4-88, 5-129, 6-143, **गेंदबाजी**: इशांत 4-।-37-0, स्टोइनिस ।-0-6-0, रबाडा 4-0-36-3, अवेश 4-0-39-।, ललित 3-0-25-0, अक्षर पटेल 4-0-21-।

दिल्ली कैपिटल्स पारी: पृथ्वी शॉ बॉ हरप्रीत 39, धवन नाबाद 69, स्मिथ ब मलान इ मेरेडिथ 25, ऋषभ ब मयंक इ जॉर्डन 14, हेटमायर नाबाद 16, **अतिरिक्त** 4, **कुल** : 17.4 में 167 रन 3 विकेट, **विकेट पतन**: 1-63, 2-111, 3-147, **गेंदबाज़ी**: मेरेडिथ 3.4 -0-36-1, शमी 3-0-37-0, बिश्नोई 4-0-42-0, जॉर्डन 2-0-21-1, हरप्रीत 3-0-19-1, हुड्डा 2-0-11-0

रातों-रात उत्पादन क्षमता नहीं बढ़ाई जा सकती, टीका उत्पादन एक खास प्रक्रिया है: पूनावाला

नई दिल्ली। टीकाकरण के लिए राज्यों से बढ़ती मांग के बीच कोविड टीका कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अदार पूनावाला ने कहा कि रातों-रात टीके की उत्पादन क्षमता नहीं बढ़ाई जा सकती। टीके का उत्पादन एक खास प्रक्रिया है, जिसमें समय लगता है। पूनावाला ने एक बयान में कहा कि एसआईआई को भारत सरकार ने अगले कुछ महीनों में टीके की 11 करोड़ खुराक के आर्डर मिले हैं जबकि कंपनी 15 करोड़ खुराक की आपूर्ति पहले ही कर चुकी है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा अगले कुछ महीनों में 11 करोड़ खुराक राज्यों एवं निजी अस्पतालों के लिए आपूर्ति की जाएगी। पुणे की कंपनी एसआईआई फिलहाल 6-7 करोड़ खुराक प्रति महीना बना सकती है। कंपनी इसे जुलाई तक बढ़ाकर 10 करोड़ करने की योजना बना रही है।

ग्लेनमार्क ने भारत में किफ़ायती मूल्य पर लॉन्च की रयालट्रिस

मुंबई। ग्लेनमार्क फर्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने भारत में मध्यम से गंभीर एलर्जिक राइनाइटिस के उपचार के लिए रयालट्रिस एझेड नेज़ल स्प्रे लॉन्च करने की घोषणा की। श्वसन क्षेत्र के अग्रणियों में से एक ग्लेनमार्कए भारत में एलर्जिक राइनाइटिस के उपचार के लिए किफ़यती मूल्य पर ब्रांडेड जेनेरिक संस्करण लॉन्च करने वाली पहली कंपनी है। इससे मरीजों को देश में कहीं अधिक सुविधाजनक, किफायती उपचार का विकल्प मिलेगा। ग्लेनमार्क रयालट्रिस एझेड को मोमेटसन फ्यूरोएट 50 एमसीजी 50, एज़िलास्टाइन 140 एमसीजी 140 को एक नये निश्चित खुराक संयोजन के रूप में लॉन्च करने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। लगभग 20-30 फिसदी भारतीय आबादी एलर्जिक राइनाइटिस से पीड़ित है। इसके अलावा भारत मेंए रोगियों को दवा का खर्च अपने दम पर वहन करना पड़ता है और इसलिए दवा की कीमत एक प्रमुख कारक बन जाती है जो उपचार अनुपालन को प्रभावित करती है।

यूएफओ टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसी द कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क से साथ साझेदारी की

मुंबई। यूएफ ओ मूवीज इंडिया लिमिटेड और द कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क प्राइवेट ने साझेदारी की घोषणा की है। दोनों कंपनियों के बीच की यह साझेदारी देश भर के ब्रांड्स को प्रभावशाली विपणन, ब्रांडेड सामग्री और सोशल मीडिया समाधान मुहैया कराने के लिए की गई है। अपने-अपने क्षेत्र की दोनों दिग्गज कंपनियों के बीच हुआ यह समझौता संबंधित क्षेत्र में मौजूदा ताकत और बुनियादी ढाँचे को बढ़ाए जाने के साथ ही बाजार की अग्रणी कंपनी के रूप में उन्हें परिचालन विस्तार का मौका मुहैया कराएगा।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

नाम परिवर्तन

मै कुमारी विनीता देवी जन्म तिथि 02.12.1986 W/O उदयमान मिश्रा ग्राम पूरेनभऊ मजरे भदैयाँ पोस्ट शाहपुर हरिवंश जिला सुलतानपुर उ0प्र0 के नाम से जाना जाता था भविष्य में मुझे विनीता जन्म तिथि 03.12.1985 W/O उदयमान मिश्रा के नाम से जाना जाये।

PD(8985)A

कच्चे माल की बेरोक-टोक आवाजाही की अनुमति मिले : सीतारमण

- टीके के मामले में राष्ट्रवाद की गुंजाइश नहीं, विकसित देश प्रौद्योगिकी साझा करे

भाषा। नई दिल्ली

भारत ने सोमवार को कोविड महामारी के मौजूदा दौर के बीच टीके को लेकर राष्ट्रवाद पर वैश्विक समुदाय को आगाह किया। साथ ही विकसित देशों से टीके के उत्पादन के लिए जरूरी प्रौद्योगिकी साझा करने तथा इससे जुड़े महत्वपूर्ण उपकरणों एवं कच्चे माल की बेरोक-टोक आवाजाही की अनुमति देने को कहा। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की सालाना बैठक को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोविड महामारी के संदर्भ में बौद्धिक संपदा अधिकार से जुड़े व्यापार संबंधित पहलुओं (ट्रिप्स) पर गौर करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, देशों को टीका आधारित प्रौद्योगिकी साझा करने के लिए तैयार होना होगा। महामारी के संदर्भ में ट्रप्सि समझौते पर गौर करना होगा। टीकों को लेकर कोई राष्ट्रवाद नहीं हो सकता। देशों को इस मामले में लचीला रुख अपनाना चाहिए। ट्रिप्स समझौता विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सदस्य देशों के बीच एक कानूनी समझौता है। यह सदस्य देशों द्वारा बौद्धिक संपदा के विभिन्न रूपों के विनियमन के लिए मानक स्थापित करता है जो डब्ल्यूटीओ के सदस्य देशों पर लागू होता है।

फाइजर ने भारत में उसके कोविड-19 टीके को जल्द मंजूरी देने की मांग की, सात करोड़ डॉलर की दवाएं दान की

नई दिल्ली। वैश्विक दवा विनिर्माता कंपनी फाइजर के चेयरमैन और सीईओ अल्बर्ट बोर्ला ने सोमवार को कहा कि कंपनी भारत मे फाइजर-बायोएनटेक टीका उपलब्ध कराने की खातिर उसे जल्दी मंजूरी दिलाने के लिए भारत सरकार के साथ बीतचीत कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि फाइजर अपने अमेरिका, यूरोप और एशिया स्थित वितरण केंद्रों से सात करोड़ डॉलर (करीब 510 करोड़ रुपए) की दवाएं भारत भेज रही है। उन्होने फाइजर इंडिया के कर्मचारियो को भेजे मेल मे कहा, हम भारत में कोविड-19 के हालात से बेहद चिंतित है, और दिल से आपके, आपके प्रियजनो और भारत के सभी लोगो के साथ है। उन्होंने यह मेल लिंक्डइन पर पोस्ट किया है। बोर्ला ने कहा, हम इस बीमारी के खिलाफ भारत की लड़ाई मे भागीदार बनने के लिए प्रतिबद्ध है और अपनी कंपनी के इतिहास मे सबसे बड़ी मानवीय राहत के लिए तेजी से काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि फिलहाल अमेरिका, यूरोप और एशिया के वितरण केंद्रों मे फाइजर के सहयोगी इन दवाओं को तेजी से भारत भेजने के लिए प्रयास कर रहे है।

रुपया आरंम्भिक गिरावट से उबरकर 14 पैसे बढ़कर करीब एक माह के उच्च स्तर पर पहुंचा

मुंबई। वैश्विक बाजारों में अमेरिकी मुद्रा में आई गिरावट के बाद सोमवार को विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डालर को मुकाबले रुपया 14 पैसे की तेजी के साथ करीब एक माह के उच्च स्तर यानी प्रति डॉलर 73.95 रुपए पर बंद हुआ। कच्चा तेल कीमतों में गिरावट और सकारात्मक आर्थिक आंकड़ों की वजह से रुपए की आरंभिक हानि लुप्त हो गई। घरेलू शेयर बाजार में आरंभिक गिरावट की वजह से अंतर बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर 74.25 पर कमजोर खुला। कारोबार के दौरान रुपए की विनिमय दर एक समय 74.33 तक नीचे चली गई।

बजाज बनी भारत की नंबर 1 मोटरसाइकिल कंपनी

मुंबई। निर्यात में बेहतरीन प्रदर्शन के साथ बजाज ऑटो ने नए वित्त वर्ष की शुरुआत की जिसके चलते कंपनी ने भारत में मोटरसाइकिल सेगमेंट में सबसे शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है।

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that one Mr. Vinod Arora is the owner of Apartment No. 1202 on 12th Floor, Measuring 152.14 Sq. Mtrs., Building No. III, Pearl Court, Essel Towers, Gurgaon Haryana, having acquired the same vide Conveyance Deed dated 31/8/05 (Doc. No. 10973). He has lost the original Apartment Buyers Agreement dated 23.04.2005 in respect of the said apartment, a FIR has already been lodged for the same on dated 1/5/2021.
All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned. **Kamal Kant Gupta (Advocate)**
Shop No. 5 & 6, Pkt-E, CSC, Mayur Vihar-II, Delhi-91, Mob. 9810063351

सार्वजनिक सूचना

हम, कुलदीप बिश्नोई पुत्र श्री के के एस बिश्नोई एवम् श्रीमती आशा बिश्नोई, पत्नी श्री के. के. एस. बिश्नोई, निवासी फ्लैट नंबर 841, दूसरी मंजिल, सेक्टर-14 पॉकेट- 2 द्वारका, नई दिल्ली 110075, सर्वसाधारण को सूचित करते हैं कि हमसे फ्लैट नंबर 841, दूसरी मंजिल, सेक्टर-14, पॉकेट-2, द्वारका, नई दिल्ली 110075, जिसके हम कानूनन मालिक हैं, से दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा हमारे नाम जारी कन्वेयस डीड का आखिरी पृष्ठ (दोनों तरफ) कहीं खो गया है। यदि यह दस्तावेज किसी भी व्यक्ति को प्राप्त होता है तो वह तुरंत हमें निम्न लिखित पते पर भेजने की कृपा करें। उपरोक्त दस्तावेज को रखने वाला व्यक्ति और किसी भी तरीके से उपयोग करने वाला व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी पर ऐसा करेगा और कानूनी रूप से उत्तरदायी होगा। हम किसी भी समय, किसी भी तरीके से उक्त दस्तावेज के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। यदि किसी व्यक्ति/निगम/ बैंक आदि के पास प्रासंगिक दस्तावेज का उल्लेख करने का कोई दावा है, तो तथाकित दस्तावेज हमें इस प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों के भीतर दर्ज किया जाना चाहिए। इस पोस्ट की समय सीमा समाप्त होने पर, किसी भी दावे, अधिकार, शीर्षक, ब्याज या आपत्ति को यदि प्राप्त होने की स्थिति में शून्य और शून्य के रूप में माना जाएगा और माफ किया जाएगा। P-146/403, सेखों विहार, दिल्ली छावनी, नई दिल्ली 110010

पाबंदियों से अप्रैल में 75 लाख नौकरियां गईं :सीएमआईई

- बेरोजगारी दर 4 माह के उच्च स्तर पर

भाषा। मुंबई

कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर और उसकी रोकथाम के लिए स्थानीय स्तर पर लगाए गए लॉकडाउन और अन्य पाबंदियों से 75 लाख से अधिक लोगों को नौकरियों से हाथ धोना पड़ा है। इससे बेरोजगारी दर चार महीने के उच्च स्तर 8 प्रतिशत पर पहुंच गई है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन एकोनॉमी (सीएमआईई) ने सोमवार को यह कहा। सीएमआईई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) महेश व्यास ने कहा कि आने वाले समय में भी रोजगार के मोर्चे पर स्थिति चुनौतीपूर्ण बने रहने की आशंका है। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, मार्च की तुलना में अप्रैल महीने में हमने 75 लाख नौकरियां गंवाई। इसके कारण बेरोजगारी दर बढ़ी है। केंद्र सरकार के आंकड़े के अनुसार राष्ट्रीय बेरोजगारी दर 7.97 प्रतिशत पहुंच गई है। शहरी क्षेत्रों में 9.78 प्रतिशत जबकि ग्रामीण स्तर पर बेरोजगारी दर 7.13 प्रतिशत है। इससे पहले, मार्च में राष्ट्रीय बेरोजगारी दर 6.50 प्रतिशत थी और ग्रामीण तथा शहरी दोनों जगह यह दर अपेक्षाकृत कम थी। कोविड-19 महामारी बढ़ने के साथ कई राज्यों ने लॉकडाउन समेत अन्य पाबंदियां लगाई हैं।

शेयर बाजार ने शुरुआती नुकसान की भरपाई की

- सेंसेक्स 64 अंक टूटा, निफ्टी में मामूली बढ़त

भाषा। मुंबई

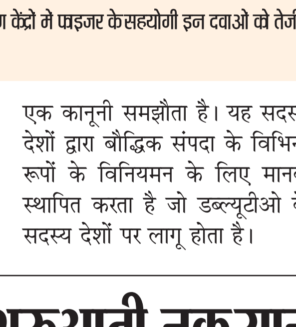

वैश्विक शेयर बाजारों में नकरात्मक रुख के बीच बीएसई सेंसेक्स सोमवार को शुरूआती बड़ी गिरावट से उबरते हुए अंत में 64 अंक के मामूली नुकसान के साथ बंद हुआ। शुरुआती कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज और बैंकिंग शेयरों में काफी गिरावट हुई, लेकिन बाद में रुपए में सुधार से बाजार को समर्थन मिला। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स एक समय 750 अंक से अधिक लुढ़क गया था। लेकिन बाद में इसमें सुधार आया और अंत में यह 63.84 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 48,718.52 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी इसी प्रकार का उतार-चढ़ाव आया और अंत में यह 3.05 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 14,634.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टाइटन को सर्वाधिक 4.58 प्रतिशत का नुकसान हुआ। इसके अलावा इंडसइंड बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, ओएनजीसी, आईटीसी और आईसीआईसीआई बैंक भी गिरावट रही। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल, एचयूएल, मारुति, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स और एनटीपीसी आदि शेयर लाभ में रहे। इनमें 3.98 प्रतिशत तक की तेजी आई। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी के अनुसार, वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बावजूद शेयर बाजार दिन के न्यूनतम स्तर से ऊपर आया। बैंकों और एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) की ऋण वसूली और संपत्ति गुणवत्ता को लेकर चिंता से वित्तीय कंपनियों के शेयरों में बिकवाली दबाव रहा। हालांकि, दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों तथा धातु कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार को समर्थन मिला।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 4 मई 2021

लंदन के एक होटल में अमेरिका के राज्य सचिव एंटनी बायें व दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री द्विपक्षीय वार्ता के दौरान

आस्ट्रेलियाई पीएम ने भारत से लौट रहे नागरिकों पर प्रतिबंध का किया बचाव

भाषा। मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने भारत से अपने वतन लौटने की कोशिश करने वाले ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों पर रोक लगाने और जेल की सजा तथा जुर्माने का प्रावधान करने वाले फैसले का सोमवार को बचाव करते हुए कहा कि यह फैसला देश के सर्वोत्तम हित में है और यह कोरोना वायरस की तीसरी लहर को रोकेगा। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने इतिहास में पहली बार, अपने उन नागरिकों के देश लौटने पर हाल में रोक लगा दी है जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया वापस आने से पहले भारत में 14 दिन बिताए हैं। सरकार ने धमकी दी है कि ऐसे लोगों पर मुकदमा चलाया जाएगा और पांच साल तक की जेल की सज़ा या 66,000 ऑट्रेलियाई

डॉलर का जुर्माना लगाया जाएगा। मॉरिसन ने कहा कि यह एक अस्थाई व्यवस्था है और बहुत मुश्किल फैसला है। उन्होंने कहा, यह व्यवस्था इसलिए की गई है ताकि हमारे यहां ऑस्ट्रेलिया में (कोविड-19) की तीसरी लहर ना आए और हमारी पृथक-वास व्यवस्था मजबूत बनी रहे। उन्होंने कहा कि यह देश के सर्वोत्तम हित में है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें भारतीय समुदाय के लिए खराब महसूस होता है। मॉरिसन ने कहा, हमने हमारे होवर्ड स्प्रींग्स केंद्र में भारत से वापस आने वालों में संक्रमण दर में सात गुना का इजाफा देखा है। उन्होंने कहा, यह अहम है कि हम सुनिश्चित करें कि हमारे यहां अस्थाई रोक हो ताकि उन पृथक केंद्रों में व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा सके और जांच की व्यवस्था को भी मजबूत किया जा सके और यह न सिर्फ भारत से रवाना होते हुए हो, बल्कि तीसरे देश से आने वाले लोगों के लिए भी हो। प्रधानमंत्री ने 2 जीबी रेडियो चैनल से कहा कि वे विशेष उड़ानों के जरिए पंजीकृत कराए गए करीब 20,000 लोगों को वापस देश लेकर आए हैं। विपक्ष के नेता एंथोनी अल्बानी ने ऑस्ट्रेलिया के लोगों को भारत में छोड़ने और वापस आने पर जुर्माने तथा जेल की सज़ा देने के लिए प्रधानमंत्री की आलोचना की है।

नेपाल के प्रधानमंत्री 10 मई को विश्वास मत प्रस्ताव पेश करेंगे

भाषा। काठमांडू

नेपाल में संकट का सामना कर रहे प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली सत्ता में बने रहने के प्रयास के तहत 10 मई को संसद में विश्वास प्रस्ताव पेश करेंगे। एक आधिकारिक बयान में रविवार को बताया गया कि राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने सरकार के विश्वास मत हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री ओली की अनुशंसा पर 10 मई को संसद का सत्र आहूत किया है। विश्वास मत हासिल करने के लिए 275 सदस्ईय प्रतिनिधि सभा में ओली (69) को कम से कम 136 वोट चाहिए क्योंकि चार सदस्य अभी निलंबित हैं। नेपाली मीडिया की खबरों के मुताबिक, रविवार को मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान ओली ने कहा कि सत्ता बरकरार रखने के लिए संसद में विश्वास मत जीतने का प्रयास करेंगे। पिछले साल प्रतिनिधि सभा को भंग करने के प्रधानमंत्री के विवादास्पद निर्णय के बाद देश में शुरू राजनीतिक गतिरोध के बीच ओली ने यह फैसला किया है। कानून, न्याय और संसदीय कार्य मंत्री लीला नाथ श्रेष्ठ ने काठमांडू पोस्ट को बताया कि प्रधानमंत्री 10 मई को विश्वास मत प्रस्ताव पेश करेंगे। यह केवल एक दिन का सत्र होगा। श्रेष्ठ ने कहा कि ओली ठप पड़ी राजनीतिक प्रक्रिया को आगे ले जाना चाहते हैं। सरकार को यकीन है कि वह विश्वास मत जीत लेगी। अगर ऐसा नहीं हुआ तो गठबंधन सरकार बनाने की प्रक्रिया होगी। प्रधानमंत्री ओली ने यह फैसला ऐसे वक्त किया है जब नेपाल कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर का सामना कर रहा है। नेपाल में रविवार को कोविड-19 के अब तक के सर्वाधिक 7,137 नए मामले सामने आए। देश में संक्रमितों की संख्या 329,000 हो गई है जबकि मृतक संख्या 3325 हो गई है।

संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम ने कोविड-19की 50 करोड़ खुराक के वास्ते मॉडर्ना के साथ किया करार

एपी। जिनेवा

मॉडर्ना एवं टीका प्रवर्तक गावी ने एक सौदे की घोषणा की जिसके तहत दवा कंपनी 2022 के आखिर तक निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में जरूरतमंद लोगों तक कोरोना वायरस टीका पहुंचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र समर्थित कार्यक्रम के वास्ते 500 करोड़ खुराक प्रदान करेगी। सोमवार को घोषित किए गए इस अग्रिम खरीद समझौते से महज कुछ दिन पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कई सप्ताह की देरी के बाद मॉडर्ना टीके को आपात मंजूरी देने की घोषणा की थी। इससे संयुक्त राष्ट्र समर्थित कोवैक्स कार्यक्रम को प्रारंभ करने का मार्ग प्रशस्त होगा।लेकिन इस साल की आखिरी तिमाही से पहले टीकों की आपूर्ति शुरू नहीं हो पाएगी और सौदे के तहत खुराकों का बड़ा हिस्सा -- 46.6 करोड़ खुराक के अगले साल तक मिलने की योजना है। बाकी 3.4 करोड़ खुराक इस साल मिल जाने की उम्मीद है। सौदे की वित्तीय शर्तों का खुलासा नहीं किया गया है।कई विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड-19 संकट अब तीक्ष्ण है, खासकर भारत में मामले अप्रत्याशित रूप से तेजी से बढ़ रहे हैं। मॉडर्ना टीका (कोरोना वायरस की) नई किस्म, एक, जो भारत में फैल रहा है, से निपटने में अब तक के सबसे प्रभावी टीकों में एक समझा जा रहा है।

विनोद खोसला भारत के अस्पतालों में ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए एक करोड़ डॉलर दान करेंगे

ह्यूस्टन, भाषा भारतीय मूल के अमेरिकी अरबपति कारोबारी विनोद खोसला भारत में अस्पतालों को चिकित्सकीय ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए एक करोड़ डॉलर की राशि दान करेंगे।भारत में कोविड-19 के मामलों में लगातार वृद्धि के मद्देनजर सन माइक्रोसिस्टम्स के सह-संस्थापक खोसला भारतीय अस्पतालों में ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए लगातार मदद कर रहे हैं। उन्होंने रविवार को ट्वीट किया कि लोगों के जीवन को बचाने की आवश्यकता है क्योंकि और देरी करने से अब और लोगों की मौत होगी।खोसला ने कहा, भारत को देने के लिए यह पर्याप्त नहीं है। उन्हें हर दिन भारत भर के गैर लाभकारी एवं अस्पतालों से 20,000 ऑक्सीजन सांद्रक, 15,000 सिलेंडर, 500 आईसीयू बिस्तर, 100 वेंटिलेटर, 10,000 बिस्तर के कोविड सेंटर के लिए अनुरोध मिल रहा है। हमें तत्काल बहुत कुछ करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि खोसला परिवार गिव इंडिया पहल के तहत एक करोड़ डॉलर की राशि देगा और वह अन्य लोगों से भी तत्काल मदद करने की आशा करता है।भारत अभी कोरोना वायरस वैश्विक महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है और रोजाना तीन लाख से अधिक नए मामले सामने आ रहे हैं तथा कई अस्पतालों में ऑक्सीजन एवं बिस्तरों की कमी है।

लादेन के खात्मे के 10 साल पूरे, बाइडन ने कहा- अमेरिका पर दोबारा नहीं होने देंगे आतंकी हमला

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने पाकिस्तान में ओसामा बिन लादेन को मार गिराए जाने के दस साल पूरे होने के मौके पर सोमवार को संकल्प लिया कि अमेरिका देश में दोबारा आतंकवादी हमला होने की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ेगा। अमेरिका में 11 सितंबर 2001 को हुए हमले के बाद भूमिगत हुए अलकायदा के नेता लादेन को अमेरिका के विशेष अभियान बलों ने एक मई 2011 को पाकिस्तान के ऐबटाबाद शहर में एक हमले में मार गिराया था।

बाइडन ने एक बयान में कहा कि 11 सितंबर के हमले के बाद अमेरिका ने दस साल तक अलकायदा के नेताओं की तलाश की और लादेन का पता लगाकर उसे जहन्नुम तक पहुंचा दिया। उन्होंने कहा, हम 9/11 हमले में अपने प्रियजनों को खोने वाले लोगों से वादा करते हैं कि हम उन्हें कभी नहीं भूलेंगे। साथ ही हम संकल्प लेते हैं कि अमेरिका कभी भी अपनी जमीन पर दोबारा ऐसा हमला होने की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ेगा और अमेरिकी लोगों की रक्षा करता रहेगा।

क्विक न्यूज

सीरिया की सर्वोच्च अदालत ने राष्ट्रपति पद के लिए तीन उम्मीदवारों की उम्मीदवारी स्वीकार की

बेरूत। सीरिया की सर्वोच्च संवैधानिक अदालत ने युद्ध प्रभावित इस देश में इस माह होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के वास्ते उम्मीदवारी के लिए आए 51 आवेदनों में से तीन ही स्वीकार किए हैं। सरकारी मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। काफी हद तक प्रतीकात्मक समझे जाने वाले इस चुनाव के मैदान में अब तीन प्रत्याशी-राष्ट्रपति बशर असद, अब्दुल्ला सलौम अब्दुल्लाह, और मोहम्मद अहमद मैरी है। बशर असद का यह चुनाव जीतना करीब करीब तय है। सात महिलाओं समेत 51 लोगों ने राष्ट्रपति पद के वास्ते उम्मीदवारी के लिए आवेदन दिया था। संसद ने बाद में इन नामो को संवैधानिक अदालत के पास भेज दिया। सीरिया मे गृहयुद्ध के बाद यह दूसरा राष्ट्रपति चुनाव है जो 26 मई को होगा। देश में 2011 में गृहयुद्ध छिड़ा था। इस बात की संभावना नजर नही आ रही है कि अंतरराष्ट्रीय बिरादरी आगामी चुनाव की वैधता को मान्यता देगी।

स्वीडन की भारत को एस्ट्राजेनेका टीके की 10 लाख खुराक दान देने की योजना

स्टाक्होम। स्वीडन ने संयुक्त राष्ट्र समर्थित कोवैक्स अभियान के तहत भारत को एस्ट्राजेनेका टीके की 10 लाख खुराक दान देने की योजना बनाई है। इस अभियान के अंतर्गत देशों को कोरोना वायरस के टीके उपलब्ध कराए जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग मंत्री पेर ओल्सन फ्रिड ने स्वीडन के प्रसारक एसवीटी पर सोमवार को भारत को 10 लाख टीके दान करने के संबंध में घोषणा की। उन्होंने कहा, हम देख रहे है कि महामारी के चलते दुनिया मे लोग मर रहे है, गरीबी फैल रही है और बच्चे अभी भी स्कूल नही जा पा रहे हैं। हमें दुनिया भर में इस महामारी के खिलाफ लड़ाई मे हरसंभव कदम उठाना चाहिए। स्वीडन के टीका समन्वयक रिचर्ड बर्गस्ट्रॉम ने कहा कि स्वीडन के पास आवश्यकता से अधिक टीके उपलब्ध है। उन्होंने कहा, यह केवल 10 लाख है.... हमारे पास 40 से 50 लाख अतिरिक्त एस्ट्राजेनेका टीके है, जिन्हें हम बाद में साझा कर सकते हैं।

पिचाई ने भारत को मदद देने के लिए अमेरिकी प्रशासन की तारीफ की

सैन फ्रांसिस्को। पिचाई ने एक साक्षात्कार के दौरान कहा, भारत की हालत को देखना बहुत पीड़ादायक है। पिचाई ने एक साक्षात्कार के दौरान कहा भारत की हालत को देखना बहुत पीड़ादायक है। गूगल के सीईओ मुख्य कार्यकारी अधिकारीद्व सुंदर पिचाई ने कहा है कि भारत में कोरोना संक्रमण की हालत बहुत भयावह है। अभी हालात और खराब हो सकते हैं। पिचाई ने एक साक्षात्कार के दौरान कहाए ष्भारत की हालत को देखना बहुत पीड़ादायक है। लेकिन अमेरिका में यह देखकर हमें प्रसन्नता हुई कि राष्ट्रपति जो बाइडेन विदेश मंत्री ब्लिंकेन सहित उच्च स्तर पर भारत और अन्य प्रभावित देशों की मदद की पहल की गई है।ष् अमेरिका से 440 ऑक्सीजन सिलेंडरए रेगुलेटर और करीब दस लाख रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट शुक्रवार को भारत पहुंच गए हैं। इस बीचए भारत विश्व व्यापार संगठन में कोरोना और मेडिकल सामग्री को बौद्धिक संपदा संबंधी अधिकारों संबंधी पहलुओं से छूट दिलाने की कोशिश कर रहा है। इससे कम और मध्यम आय वाले देशों तक वैक्सीन की और ज्यादा पहुंच में मदद मिलेगी। अमेरिका में डेमोक्रेट्स द्वारा इसका समर्थन किया गया है लेकिन रिपब्लिकन विरोध कर रहे हैं।

सैन डिएगो के पास नौका पलटने से तीन लोगों की मौत, 27 लोग अस्पताल में भर्ती

सैन डिएगो (अमेरिका)। सैन डिएगो तट के पास एक नौका के पलट जाने से उसमे सवार तीन लोगों की मौत हो गई है और घायल हुए करीब 27 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।इस नौका का इस्तेमाल संभवतः मानव तस्करी के लिए किया जा रहा था। सैन डिएगो दमकल-बचाव विभाग ने बताया कि प्वाइंट लोमा प्रायद्वीप के पास पोत पलटने की रविवार पूर्वाह्न साढ़े 10 बजे सूचना मिलने के बाद स्थानीय जीवन रक्षक, अमेरिकी तट रक्षक और अन्य एजेंसियां बचाव कार्य मे लग गईं। विभाग के प्रवक्ता जोसे यसी ने बताया कि तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और 27 घायल लोगो को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि इस बात की आशंका है कि लोगो के समूह को एक छोटी मोटर चालित एवं लकड़ी की नौका से मेक्सिको से अमेरिका लाया जा रहा था।

सिंगापुर में भारतीय मूल की अध्यापिका पर घरेलू सहायिका के उत्पीड़न का आरोप

सिंगापुर। सिंगापुर मे भारतीय मूल की एक अध्यापिका पर अपनी घरेलू सहायिका के उत्पीड़न का आरोप लगा है जिसकी सुनवाई सोमवार को एक जिला अदालत में हुई। मामले के अनुसार नचम्मई सेलवा नचिअप्पन (39) और उसके 41 वर्षीय पति अरुणाचलम मुथैया पर उत्पीड़न के कई आरोपो मे मामला दर्ज किया गया है।

नेपाल ने घरेलू व अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर लगाई रोक

भाषा। काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने सोमवार को कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि के बीच देश में पाबंदियों को कड़ा किया जा रहा है, जिसके तहत घरेलू उड़ानों पर आज मध्यरात्रि से जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर बृहस्पतिवार से पाबंदी लगा दी जाएगी। ओली ने सोमवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में महामारी से लड़ने के लिए दूसरे देशों से टीकों, चिकित्सा उपकरणों, ऑक्सीजन और अन्य सामान की आपूर्ति की अपील भी की।

उन्होंने कहा, हम अपने पड़ोसी, मित्र देशों, और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अनुरोध करते हैं कि वे महामारी से निपटने के लिए जारी प्रयासों में मदद के तौर पर टीके, चिकित्सा उपकरण और किट, ऑक्सीजन थेरेपी तथा जरूरी दवाएं भेजें। ओली ने कहा कि सरकार ने 3 मई की मध्यरात्रि से 14 मई तक घरेलू उड़ान सेवाओं को निलंबित करने का फैसला किया है, जबकि काठमांडू और दूसरे देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवाएं 6 मई से 14 मई तक बंद रहेंगी। ओली ने कहा कि कि एंटीजन जांच कराने के बाद ही भारत से लोगों को नेपाल में प्रवेश दिया जाएगा। गौरतलब है कि भारत ने नेपाल को कोविड-19 टीकों की 10 लाख खुराकें दान की हैं। वहीं नेपाल में सोमवार को एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के सर्वाधिक 7,448 मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या 343,418 हो गई है। जबकि 37 और रोगियों की मौत के बाद मृतकों की तादाद 3,362 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि मौत के ये मामले बीते 24 घंटे में सामने आए हैं। नेपाल में पहली बार एक दिन में इतने अधिक रोगियों की मौत हुई है।

काठमांडू में कोरोना पीड़ित मरीजों की मौत के बाद पशुपतिनाथ मंदिर के पास बागमती नदी के किनारे उनका अंतिम संस्कार करते कर्मचारी

अमीर देशों ने टीके स्टॉक किए इसलिए दुनिया में वैक्सीन शॉर्टेज

दुनियाभर में टीकों की कमी के कारण बिगड़ रहे हालात

एजेंसी। वॉशिंगटन

पूरी दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही है। भारत में बढ़ते संक्रमण के कारण कई देशों ने अपने यहां से आने.जाने वाली फ्लाइट्स बैन कर दी हैं। लेकिन भारत के सिवा दुनिया में कई ऐसे देश हैं जो इस समय कोरोना हॉटस्पॉट बने हुए हैं। ईरान तुर्की और दक्षिण अमेरिका के ब्राजील समेत कई देशों में संक्रमण भयावह रूप ले रहा है। तुर्की के स्वास्थ्य मंत्री फ्हरेटिन कोका कहते हैं कि हमें टीकों की व्यवस्था करने में कम से कम दो माह और लगेंगे। दुनिया में टीकों की कमी का सबसे बड़ा कारण है अमीर देशों देशों ने अपनी आबादी से कई गुना अधिक टीकों का स्टॉक कर लिया है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार गरीब देशों में 500 लोगों में से बमुश्किल किसी एक व्यक्ति को टीका लगा है। जबकि अमीर देशों में हर चार में से एक व्यक्ति को टीका लग चुका है। वहींए टीकों के अलावा गरीब और मध्य आय वाले देशों में ऑक्सीजनए कर्न्सट्रेटर वेंटिलेटर और दवाओं की भी किल्लत है। 30 फीसदी मौतें गरीब या मध्य आय वाले देशों में हो रही हैं कोरोना से। 9.3 फीसदी मौतें पिछले माह तक कोरोना से हो रही थीं दुनिया में गरीब और कम आय वाले देशों में। 87 फीसदी टीके अमीर देशों ने खरीदकर अपने पास रख लिए हैं।

कहीं ऑक्सीजन नहीं, तो कहीं अस्पतालों में आईसीयू बेड फुल हो गए हैं-ब्राजीलरू 21 करोड़ आबादी में से 6: से कम को टीका लगा। मौतों के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर है। तुर्कीरू तीसरी लहर आने पर पहली बार लॉकडाउन लगा है। पर्यटन से आय बंद होने से बेकारी बढ़ रही है। मेक्सिकोरू वैक्सीन को लेकर मारामारी है। देश मृतकों के मामले विश्व में तीसरे स्थान पर है। ईरान 200 शहरों में रेड अलर्ट घोषित किया गया है। लॉकडाउन लगाकर संक्रमण काबू हो रहा है। कोलंबियारू 28.77 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं और 73992 लोगों ने जान गंवाई है। दक्षिण अफ्रीका भारत से टीके न मिलने से टीकाकरण रुका हुआ है। स्वास्थ्यकर्मियों को भी टीके नहीं लगे। अर्जेंटीनारू बड़े शहरों आईसीयू फुल हो गए हैं। नए मरीजों में सबसे ज्यादा संख्या युवाओं की आ रही है। पेरूरू 61477 लोगों की जान जा चुकी है। बेकारी से बेघर होकर लोग सड़कों पर रहने को मजबूर हो रहे हैं। बांग्लादेशरू 7.60 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और 11510 मरीजों की मौत हो चुकी है।

कैदियों के समझौते पर ईरान के दावों का अमेरिका ने किया खंडन

कैदियों की अदला-बदली अमेरिका और ईरान के बीच कोई असामान्य बात नही

एपी। वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान कैदियों की रिहाई को लेकर बातचीत कर रहे हैं। इस वार्ता से अवगत एक व्यक्ति ने इस बारे में बताया।अमेरिका ने ईरान के सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित समझौते के बाधित होने की खबर से रविवार को इनकार किया था। कैदियों की अदला-बदली अमेरिका और ईरान के बीच कोई असामान्य बात नहीं है और दोनों देशों ने हाल के वर्षों में नियमित रूप से कैदियों को रिहा किया है।दोनों देशों के बीच कोई भी गतिविधि विशेष रूप से संवेदनशील है जबकि अमेरिका में जो बाइडन प्रशासन ईरान के साथ फिर से परमाणु वार्ता शुरू करने को लेकर आशान्वित है।दोनों देशों के बीच 2015 के परमाणु समझौते में कैदियों की अदला-बदली भी शामिल है।यह मामला ऐसे वक्त में सामने आया जब ईरान में प्रसारित एक खबर में एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया कि अमेरिकी और ब्रिटिश कैदियों के बदले में ईरान को अरबों डॉलर मिलेंगे।अमेरिकी अधिकारियों ने तत्काल इस रिपोर्ट का खंडन किया। हालांकि इस वार्ता से अवगत एक व्यक्ति ने बताया कि बातचीत जारी है और मध्यस्थों के माध्यम से संदेश भेजे जा रहे हैं।

बांग्लादेश में नौका पलटी, 26 की मौत

ढाका। बांग्लादेश में क्षमता से अधिक भरी हुई एक स्पीड नौका बालू से लदे एक पोत से टकराने के बाद पलट गई। इस घटना में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य लापता हैं। पुलिस के अनुसार, यह नौका कथित रूप से अनुभवहीन नाबालिक लड़का चला रहा था। यह हादसा सोमवार सुबह बांग्लाबाजार फेरी घाट पर हुआ जब क्षमता से अधिक भरी स्पीड नौका की पोत से टक्कर हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने मौके पर पत्रकारों को बताया, हमने 26 शवों को निकाला है और पांच लोगों को जीवित बचाया है.... लेकिन स्पीड नौका की कई सवारियों के लापता होने की आशंका है, इसलिए खोज अभियान जारी है। नजदीकी फेरी टर्मिनल के पुलिस निरीक्षक आशिक-उर-रहमान ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि नौका का चालक अनुभवहीन नाबालिग लड़का था। उन्होंने बताया, चश्मदीदों और पीड़ितों ने बताया कि नौका में 30 सवारियां सवार थीं और पोत मदरीपुर के शिबचर शहर के पास पद्म नदी में बालू ले जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान जारी है।

प्रियंका ने कोविड प्रभावित बच्चों के लिए

मुफ्त शिक्षा के मुद्दे पर सोनू सूद का किया समर्थन

मुम्बई। प्रियंका चोपड़ा जोनास ने अपने साथी अभिनेता सोनू सूद के इस अनुरोध का सोमवार को समर्थन किया कि सरकार उन बच्चों को मुफ्त शिक्षा मुहैया कराए जो कोविड-19 महामारी की वजह से अपने माता-पिता को गंवा बैठे।

पिछले सप्ताह ट्विटर पर साझे किए गए वीडियो में सूद (47) ने केंद्र, राज्य सरकारों, निजी संस्थानों एवं प्रभावशाली हस्तियों से कोरोना वायरस महामारी के चलते खराब वित्तीय हालत से गुजर रहे बच्चों का सहयोग करने का अनुरोध किया था। उन्होंने इसे शिक्षा मंत्रालय के आधिकारिक हैंडल को भी टैग किया था।

सूद के पोस्ट को साझा करते हुए प्रियंका चोपड़ा जोनास(38) ने कहा कि वह न केवल उनके समयोचित बयान बल्कि समाधान उन्मुख कार्य से प्रेरित हुई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, कोविड के चलते प्रभावित हुए बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा सुनिश्चित करने का सोनू का सुझाव राज्य एवं केंद्र सरकार दोनों के लिए है।

उन्होंने लिखा, भले ही वे अध्ययन के किसी भी चरण जैसे स्कूल, कॉलेज या उच्च शिक्षा के स्तर पर हों। इसका (सुझाव का) लक्ष्य यह है कि उनकी पढ़ाई खासकर पैसे के अभाव में रूक न जाए। यदि इसकी अनदेखी की गई तो बड़ी संख्या में बच्चे बालिग के तौर पर मौके से वंचित रह जाएंगे। उन्होंने लोगों से कम से कम एक छात्र की शिक्षा का सहयोग करने या उसे मदद कर सकने वाले संस्थान ढूढने की अपील की। प्रियंका ने कहा, मैं सोनू के विचारों का पूरा समर्थन करती हूं और मैं शिक्षा में सहयोग के रास्ते ढूंढने की दिशा में बढ़-चढ़कर काम करूंगी क्योंकि मेरा हमेशा मानना रहा है कि हर बच्चे के लिए शिक्षा उसका जन्मसिद्ध अधिकार है और हम बतौर समाज इस वायरस को उसे बदलने नहीं दे सकते।

कोविड-19 से उबर रहे हैं अभिनेता अल्लू अर्जुन

मुंबई। तेलुगू फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता अल्लू अर्जुन ने सोमवार को बताया कि उनमें कोविड-19 के मामूली लक्षण बाकी हैं और वह संक्रमण से उबर रहे हैं। वह 28 अप्रैल को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे।

अर्जुन (38) ने अपने प्रशंसकों के लिए ट्विटर पर एक नोट साझा करते हुए उनकी दुआओं और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। अभिनेता ने लिखा, मुझमें संक्रमण के हल्के लक्षण बाकी हैं। मैं इससे अच्छी तरह उबर रहा हूं। चिंता की कोई बात नहीं है। मैं अब भी पृथकवास में हूं। आपके प्यार और दुआओं के लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं।

युवा कन्नड फिल्मकार नवीन का कोविड-19 संक्रमण से निधन

बेंगलुरु। एक युवा कन्नड़ फिल्मकार की रविवार को कोविड-19 संक्रमण से मृत्यु हो गई। उनके परिवार के सदस्यों ने यह जानकारी दी। नवीन (36) को कोविड-19 संक्रमण के उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह मांड्या के रहने वाले थे। उन्होंने वन डे फिल्म के साथ निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा था। इस फिल्म में रेवन्ना एवं अप्पू वेकेंटेश है। नवीन का अंतिम संस्कार उनके गृहनगर मांडया में किया गया।

लड़कियों के मोटापे पर उन्हें शर्मिंदा नहीं करना चाहिए

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का नए जमाने का रोमांटिक शो श्इश्क पर ज़ोर नहीं अपने दिलचस्प ड्रामा और अप्रत्याशित मोड़ के साथ दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रहा है। इस शो में अहान और इश्की की परवान चढ़ती प्रेम कहानी दिखाई जा रही हैए जिसमें महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को भी उजागर किया गया है। इसमें महिलाओं को उनकी पसंद से चुनाव करने के अधिकार देनेए अपनी मर्जी से करियर चुनने की आजादी और अपनी राय जाहिर करने के अधिकारों का महत्व बताया गया है।

इस शो में अक्षिता मुद्गल इश्की का रोल निभा रही हैंए जो एक साधारण परिवार से है और कड़ी मेहनत में यकीन रखती है। वो आजाद ख्यालों और जिंदादिल स्वभाव की लड़की है। इश्की दुनिया में प्यार को सबसे ऊपर मानती है। इस शो की वर्तमान कहानी में इश्की को उसके वजन के कारण घर के बड़े बुजुर्गों की खरी.खोटी सुननी पड़ती है। ऐसे में अहान उसके पक्ष में खड़ा होता है। एक्ट्रेस अक्षिता मुद्गल मानती हैं कि लड़कियों के मोटापे के कारण उन्हें शर्मिंदा नहीं करना चाहिए। उनका कहना है कि हर बॉडी टाइप खूबसूरत होता है। इस बारे में बताते हुए अक्षिता मुद्गल कहती हैंए ष्किसी दूसरे इंसान पर टिप्पणी करना बहुत ही आम और ओछी हरकत है। लेकिन मुझे लगता है कि आपको ऐसी जगह नहीं रहना चाहिएए जहां दूसरे लोग आपके शरीर को लेकर आपको खराब महसूस कराएं। खास तौर पर तबए जब लोग अपने हुलिए को लेकर ज्यादा सजग रहते हैं। बॉडी शेमिंग के नतीजे गंभीर होते हैं और इससे मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं। तो आइए खुद से और आसपास सभी लोगों से अच्छा व्यवहार करें।

कोरोना को लेकर घबराएं नहीं नकारात्मक विचारों से भी बचें

होमियोपैथी में इसके समाधान की अनेक प्रभावी औषधियां हैं उपलब्ध

जीवन के लिये घातक कोरोना की दूसरी लहर ने लोगों के मन में डर एवँ दहशत पैदा कर दिया है। इस दूसरी लहर के खतरे का अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि देश में प्रतिदिन लगभग 4 लाख लोग इसस संक्रमित संक्रमित हो रहे है। देश में सारी चिकित्सा व्यवस्थाएँ चरमरा गई हैं। लोग दवाईओंए बेडए ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे हैं और कोरोना से मौतों का आंकड़ा काफी बढ़ गया है । इन परिस्थितियों ने लोगों में अपनी एवं अपनों के सेहत की चिंता, परिवार के साथ कोई अनहोनी न हो जाय की चिंता, ब्यापार के नुकसान की चिंता, भविष्य की चिंता सता रही है। यह रोग कब तक चलेगा के संशय ने लोगों की चिंता को और बढ़ा दिया है। बृद्ध, गंभीर रोगों से बीमार एवं कमजोर अपने स्वास्थ्य एवं भविष्य को लेकर ज्यादा चिंतित हैं और अब युवा भी इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं इसलिए वे भी चिंतित हैं। गले में जरा सी खराश, आँख लाल, दस्त, शरीर में दर्द, खांसी, बुखार को होने पर उसे बेवजह कोरोना से जोड़ने लगते हैं। यदि आपके व्यवहार में इस प्रकार के परिवर्तन हो रहें हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि इन पर नियंत्रण सम्भव है। यह कहना है वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ अनुरुद्ध वर्मा का। उन्होंने बताया कि अपने ऊपर नकारात्मक विचार ना हॉबी होने दें।अपनी भावनाओं को लोगों से शेयर करें। खुद समझें एवं दूसरों को समझाएँ। सकारात्मक विचारों वाली पुस्तकें पढ़ें। फोन पर अपनों का हाल चाल लें एवं अपना देंए सुरुचिपूर्ण संगीत सुनें परिवारीजनों के साथ बातचीत करें एकाकीपन ना हाबी होने दें। नियमित रूप से योग, व्यायाम प्राणायम एवं मैडिटेशन करतें रहें। घर की छत पर टहलेंएपर्याप्त नींद लें। तनाव मैं धूम्रपान एवँ नशे की दवाइयों का सेवन किसी भी हालत में न करें । यदि आप थोड़ी सी सावधानी अपनायेंगे तो यह समस्याएं आसानी से सुलझ जाएंगी। कोरोना से बचाव केलिये सरकारी दिशा. निर्देशों का पालन करेंए सामाजिक दूरी बनाये रखें एहाथों को लगातार धोतें रहें, मास्क का प्रयोग करें, गुनगुना पानी पिये, जब जरूरी हो तभी घर के बाहर निकलें।

डांस दीवाने के प्रतियोगियों का धमाल

बाहर अनिश्चितता के बादल छाये हैंए लेकिन कलर्स डांस दीवाने के प्रतियोगी अपने दर्शकों का मनोरंजन करने और माहौल में सकारात्मकता फैलाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। कोविड महामारी ने शहर को जकड़ रखा है और सभी की सुरक्षा के लिये प्रशासन ने लॉकडाउन की घोषणा की है, तो डांस दीवाने की टीम ने एकजुट होकर एक दिन के रिकॉर्ड समय में एक नया एपिसोड शूट करने का फैसला किया।

डांस दीवाने के आगामी एपिसोड में गेस्ट नोरा फतेहीए भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया केवल एक दिन में तैयारए लेकिन देखने लायक सभी एक्ट्स और परफॉर्मेंसेस को खड़े होकर सराहेंगे! इन बेहतरीन प्रस्तुतियों के अलावा हम सूचना और अरूंधती की हेल?थ रिकवरी के बाद धमाकेदार वापसी भी देखेंगे।

डांस दीवाने के बहादुर पापाई की रोमांचक प्रस्तुति के बाद अंतरा के परफॉर्मेंस ने हर किसी का दिल जीत लिया! इस पर डांस की ओरिजिनल दिवा माधुरी दीक्षित ने कहा, ष्आपका परफॉर्मेंस शानदार थाए वह बहुत क्लीन था। लिफ्ट्स और कोऑर्डिनेशन परफेक्ट था। बैलेंस चौंकाने वाला था और सिंक परफेक्ट थी। वह बहुत भव्य था, उसमें रहस्य, डर और रोमांच था। वह अद्भुत था और आपका जादू मुझ पर भी चल गया।

गेस्ट जज नोरा फतेही ने भी कहा, मुझे पता है कि किसी एक्ट को सीखना आसान नहीं होता है। यह आप 4 घंटे में नहीं कर सकते। एक एक्ट को सेट करने में कम से कम 4 दिन लगते हैं। दर्शकों को पता होना चाहिये कि इसके पीछे कितनी मेहनत की गई है। इसके लिये बहुत सारी आत्मिक शक्ति चाहिये, और ट्रांजिशन बहुत स्मूथ थे, आपके एक्ट्स जादुई हैं और आपको सलाम। टाइमिंग बेजोड़ थी वह सिम्पलए लेकिन प्रभाव डालने वाली थी। यह कमेंट सुनकर प्रतियोगी पापाई ने कहा, यह सप्ताह हमारे लिये सबसे ज्यादा चुनौतियों से भरा था। जब हमें पता चला कि हमें अगले दिन शूटिंग करनी है और एक ही दिन में एक ?ट तैयार करना हैए तब हम कुछ सोच नहीं पा रहे थे। हमने हिम्?मत जुटाई और 4 घंटों में कड़ी मेहनत कीए कोई ब्रेक नहीं लिया और अपना काम करते गये।

संजय दत्त ने अपनी मां नरगिस दत्त को उनकी 40वीं पुण्यतिथि पर याद किया

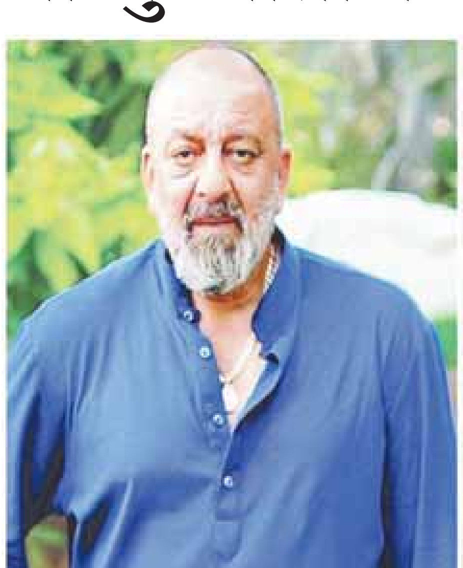

मुम्बई। अभिनेता संजय दत्त ने सोमवार को अपनी मां एवं महान अभिनेत्री नरगिस दत्त को उनकी 40 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी और कहा कि अब वह वह हर रोज उन्हें याद आती हैं। नरगिस का तीन मई, 1981 को 51 साल की उम्र में निधन हो गया था। उसके तीन दिन बाद संजय दत्त की पहली फिल्म रॉकी रिलीज हुई थी। संजय दत्त ने अपनी मां नरगिस के साथ अपने बचपन का फोटो साझा करते हुए लिखा, ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता जब मुझे आपकी याद नहीं आती , मां। उनकी छोटी बहन प्रिया दत्त (54) ने भी सोशल मीडिया पर मां को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, मां के चले जाने के बाद भी उनका दुलार हमेशा के लिए बना रहता है.... मां यह 40 वर्षों से हमारे पास है। आपके लिए हमारा प्यार हमेशा के लिए है। उन्होंने इसी के साथ एक फोटा साझा किया जिसमें नरगिस अपने तीन बच्चों के बीच में बैठी नजर आ रही हैं। कोलकाता में फातिमा अब्दुल राशिद के नाम से पैदा हुईं नरगिस ने 1935 में छह साल की उम्र में तलाशे हक फिल्म से अभिनय के क्षेत्र में कदम रखा था। तीन दशक के करियर में उन्होंने महबूब खान की तकदीर , हुमायूं , अनोखा प्यार , आग , बरसात , अवारा , श्री 420 , ऑस्कर नामित ड्रामा मदर इंडिया और रात और दिन जैसी कई फिल्मों में अभिनय किया। उन्होंने 1958 में अभिनेता सुनील दत्त से शादी की और इस दंपति की तीन संतानें-- संजय दत्त, नम्रता दत्त और प्रिया दत्त हैं।

भारत की पहली फीचर फिल्म के प्रदर्शन का दिन

नई दिल्ली। विश्व इतिहास में तीन मई के नाम पर बहुत सी महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हैं। इस दिन कहीं गृहयुद्ध समाप्त हुआ तो कहीं शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए। भारत में सिने जगत के इतिहास में 3 मई का दिन यादगार रहा क्योंकि इसी दिन भारत की पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चन्द्र बम्बई (अब मुंबई) में प्रदर्शित हुई।

देश दुनिया के इतिहास में तीन मई की तारीख पर दर्ज अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं का सिलसिलेवार ब्यौरा इस प्रकार है।

1660 : स्वीडन, पोलैंड और ऑस्ट्रिया ने ओलिवा शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।

1764 : बंगाल के नवाब मीर कासिम को अंग्रेजों ने हराया।

1765 : फिलाडेल्फिया में पहला अमेरिकी मेडिकल कॉलेज खुला।

1845 : चीन के कैंटन में थिएटर में आग लगने से 1600 लोगों की मौत।

1913 : पहली भारतीय फीचर फिल्म राजा हरिश्चन्द्र का प्रदर्शन।

1961 : कमांडर ऐलन शेपर्ड अंतरिक्ष में जाने वाले पहले अमेरिकी यात्री बने।

1965 : कंबोडिया ने अमेरिका के साथ राजनयिक संबंध समाप्त किए।

1969 : भारत के तीसरे राष्ट्रपति जाकिर हुसैन का निधन।

1981 : भारतीय सिने अभिनेत्री नरगिस का निधन।

1989 : देश के पहले 50 किलोवाट के सौर ऊर्जा संयंत्र का हरियाणा में शुभारंभ।

1993 : संयुक्त राष्ट्र ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की घोषणा की।

1998 : यूरो को यूरोपीय मुद्रा के रूप में स्वीकार किया गया।

2006 : पाकिस्तान और ईरान ने द्विपक्षीय गैस पाइप लाइन करार पर दस्तखत किए।

2008 : टाटा स्टील लिमिटेड को ब्रिटेन में कोयला खनन का पहला लाइसेंस मिला।

2013 : चीन में डायनासोर का लगभग 16 करोड़ साल पुराना जीवाश्म मिला।

2016 : कनाडा के अल्बर्टा में भीषण आग लगने से तकरीबन 80 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया और इस दौरान अरबों डालर का नुकसान हुआ।

2020 : देश में कोविड-19 के संक्रमण के कारण जान गंवाने वालों की संख्या।,306 हुई, कुल मामले बढ़कर 40 हजार के पार।

उपराष्ट्रपति नायडू ने प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर पत्रकारों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने सोमवार को प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर पत्रकारों को शुभकामनाएं दी और महामारी के दौर में भी जोखिम उठाकर आम जन तक सूचनाएं पहुंचाने के लिए उनकी सराहना की।

उन्होंने कहा कि सूचना के इस युग में मीडियाकर्मी विश्वसनीय और सत्यापित खबरें पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं और गलत सूचनाओं से समाज की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा, प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर मीडिया से जुड़े सभी बहन-भाइयों को बधाई स्वतंत्र व निष्पक्ष मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। महामारी के इस दौर में पत्रकार भी अग्रिम पंक्ति के योद्धा रहे हैं और उन्होंने प्रशंसनीय कार्य किया है। नायडू ने एक अन्य ट्वीट में कहा, देश के पत्रकारों ने जोखिम उठाकर लोगों तक लगातार प्रामाणिक व सही जानकारी पहुंचाई है और लोगों को कोविड सम्यक व्यवहार अपनाने के लिए शिक्षित किया है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने तीन जुलाई को प्रेस की स्वतंत्रता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस घोषित किया था।